ಶುಭ್ ಲಾಭ್

खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

भाजपा-जेडीएस की मैसूरु चलो यात्रा चौथे दिन भी रही जारी @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । बुधवार, 07 अगस्त, 2024 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । epaper.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-6 रु.। वर्ष-6 । अंक-219

आरक्षण विरोधी आंदोलन तो महज एक बहाना था

लक्ष्य भारत समर्थक शेख हसीना को हटाना था

ढाका, 06 अगस्त (एजेंसियां)। बांग्लादेश के हालात पर नजर रखने के लिए दुनियाभर की अलग-अलग खुफिया एजेंसियों के जो इनपुट सामने आ रहे हैं, वह बेहद चौंकाने आने वाले हैं। बांग्लादेश के तख्तापलट को वहां हुए आरक्षण विरोधी आंदोलन से जोड़ कर पेश किया जा रहा है, लेकिन हकीकत में ऐसा नहीं है। बांग्लादेश को इस हाल में लाने के लिए बड़ी साजिश की गई है। आरक्षण को लेकर तैयार किया गया आंदोलन महज एक जरिया था। उसके पीछे इरादा कुछ और था। आंदोलन के जरिए बांग्लादेश को अस्थिर करने की बड़ी साजिश रची गई। खुफिया एजेंसियों की रिपोर्ट भी यही बता रही है। बांग्लादेश में माहौल खराब करने के लिए बाकायदा पाकिस्तान, चीन और यूके समेत अमेरिका के कुछ हिस्से से पूर्व संयोजित साजिश को आगे फैलाने का षड्यंत्र रचा गया। ताकि बांग्लादेश में अस्थिरता का माहौल पैदा किया जा सके।

बांग्लादेश के खिलाफ पाकिस्तान, चीन और यूके से रची गई साजिश

बांग्लादेश के हालात पर नजर रखने के लिए दुनियाभर की अलग-अलग खुफिया एजेंसियों के इनपुट सामने आ रहे हैं। बांग्लादेश में शुरू हुए आरक्षण आंदोलन को भड़काने के लिए दुनिया के अलग-अलग मुल्कों में सोशल मीडिया के माध्यम से माहौल खराब करने का पूरा ताना-बाना बुना गया। दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में जिसमें बांग्लादेश भी शामिल है, वहां से तकरीबन 41 अलग-अलग नामों से सोशल मीडिया के प्लेटफार्म पर बांग्लादेश के माहौल को लेकर भड़काऊ संदेश तैयार किए गए थे। खुफिया एजेंसियों को मिली जानकारी के मुताबिक इसमें 12 अकाउंट तो ऐसे थे, जो कि बांग्लादेश की राजधानी ढाका से थे। जबकि आधा दर्जन से ज्यादा लोग पाकिस्तान से बांग्लादेश में एक अलग ही कहानी बढ़ाने और लोगों को उकसाने की पूरी साजिश रच रहे थे।

▶10पर

सेंट मार्टिन और बंगाल की खाड़ी को अमेरिका के लिए छोड़ दिया होता तो मैं सत्ता में बनी रहती

मैं जल्द ही लौटूंगी इंशाअल्लाह, बच्चों की लाशें गिराने वालों को सज़ा मिलेगी

नई दिल्ली/ढाका, 06 अगस्त (एजेंसियां)। बंगलादेश के मीडिया के एक वर्ग में कल देर रात से अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना एक बयान प्रचारित हो रहा है जिसमें श्रीमती हसीना ने देश में हुई घटनाओं के लिए विदेशी साजिश की ओर इशारा किया है तथा कहा है कि वह फिर से लौटेंगी और जो लोग हिंसा कर रहे हैं, उन्हें सज़ा मिलेगी। हालांकि इस बयान के अधिकृत होने की पुष्टि नहीं हो सकी है और न ही इसका कोई खंडन आया है। सोशल मीडिया पर बंगला भाषा में आए इस बयान में कहा गया मैंने इस्तीफा दे दिया। अब आपको तो सिर्फ लाशों का जुलूस देखना है। वे आपकी (छात्रों की) लाशों पर सत्ता हासिल करना चाहते थे, मैंने इसकी इजाज़त नहीं दी। मैं सत्ता में जीत कर आयी थी। यदि मैंने सेंट मार्टिन और बंगाल की खाड़ी को अमेरिका के लिए छोड़ दिया होता तो मैं सत्ता में बनी रह सकती थी। ▶10पर

सरकार ने संसद को बांग्लादेश के हालात की जानकारी दी

सभी दलों ने भारत सरकार को दिया समर्थन

अल्पसंख्यकों पर हो रहे हमलों को लेकर भारत चिंतित

नई दिल्ली, 06, अगस्त (एजेंसियां)। बांग्लादेश की स्थितियों के बारे में भारत सरकार ने विदेश मंत्री एस जयशंकर के जरिए संसद के दोनों सदनों को विस्तृत जानकारी दी। भारत सरकार ने कहा कि वह बांग्लादेश में फंसे भारतीयों से लगातार संवाद में हैं। वहां से खासी तादाद में छात्रों को सुरक्षित निकाल लिया गया है। सरकार ने बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों पर हो रही हिंसा को लेकर चिंता जताई और कहा कि कूटनीतिक माध्यमों से वहां स्थितियों को ठीक करने की कोशिश की जा रही है। देश के सभी विपक्षी दलों ने इस स्थिति में भारत सरकार के प्रति अपना पूरा समर्थन जताया है। बांग्लादेश में जारी हिंसा अब बेकाबू हो चुकी है। शेख हसीना के इस्तीफा देने के बाद भी पिछले 24 घंटे में 100 से ज्यादा लोगों की मौत हुई है, कई घायल बताए जा रहे हैं। इसके ऊपर हिंदू मंदिरों पर भी हमले शुरू हो गए हैं, लगातार आगजनी की खबरें आ रही हैं। बांग्लादेश की हिंसा और वहां के हालात पर विदेश मंत्री एस जयशंकर ने संसद के दोनों सदनों में विस्तृत जानकारी दी है।

▶10पर

अभी भारत में ही रहेंगी शेख हसीना लंदन जाना टला

नई दिल्ली, 06 अगस्त (एजेंसियां)। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री फिलहाल भारत में ही रहेंगी। शेख हसीना की आगे की यात्रा कुछ अनिश्चितताओं की वजह से बाधित हो गई है। सोमवार को प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा देने के बाद शेख हसीना दिल्ली के पास मौजूद हिंडन एयरबेस पहुंचीं थीं। उन्हें कड़ी सुरक्षा में एक अज्ञात जगह पर ले जाया गया। ▶10पर

बांग्लादेशी वायुसेना के पूर्व अफसर ने किया सनसनीखेज खुलासा

मणिपुर को भी तोड़ने का था 'बाल्केनाइजेशन' प्लान

नई दिल्ली/ढाका, 06 अगस्त (एजेंसियां)। साजिश थी बांग्लादेश के साथ-साथ भारत के मणिपुर और म्यांमार को तोड़ कर एक अलग ईसाई राष्ट्र बनाने की और वहां अमेरिकी सैनिक अड्डा स्थापित करने की। बांग्लादेश अवामी लीग के नेता और पूर्व वायुसेना अधिकारी सदरुल खान ने यह सनसनीखेज खुलासा किया है।

रिटायर्ड स्क्वाड्रन लीडर सदरुल खान ने बताया कि भारत के लिए यह सचेत होने का समय है। जो शक्तियां बांग्लादेश की सत्ता पर हावी होने की तैयारियां कर रह रही हैं, वह पहले भी भारत के खिलाफ बड़ी साजिश को अंजाम दे चुकी हैं। उन्होंने बताया कि बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी), जमात-ए-इस्लामी (जेआइ) की गतिविधियां शुरू से ही संदेहास्पद रही हैं। यहां तक कि जब वे 2001 से 2006 के बीच देश में सत्ता में थे, तो बीएनपी सरकार ने भारत के पूर्वोत्तर राज्यों में विद्रोही गुटों को भारत के उत्तर-पूर्वी राज्यों के नजदीक स्थित छत्रग्राम बंदरगाह से हथियारों की सप्लाई पहुंचाने की व्यवस्था की थी। उन्होंने कहा कि हाल ही में छात्रों के विरोध प्रदर्शनों के दौरान भी बीएनपी और जेआई कैडर ने भारत के साथ कनेक्टिविटी और आर्थिक संबंधों को मजबूत करने को लेकर शेख हसीना पर निशाना साधा था। यहां तक कि बीएनपी और उसके सहयोगी दल भारतीय सामान का बहिष्कार करने के लिए काफी वक्त से इंडिया ▶10पर

मणिपुर-बांग्लादेश-म्यांमार को तोड़ कर अलग ईसाई देश बनाने का कुचक्र

बीएसएफ और प. बंगाल के अधिकारियों के साथ साझा बैठक

नदिया, 06 अगस्त (एजेंसियां)। पड़ोसी देश बांग्लादेश में चल रहे तनाव के बीच मंगलवार को नदिया जिले में बीएसएफ दक्षिण बंगाल सीमांत की 8वीं बटालियन और 107वीं बटालियन के अधिकारियों ने पश्चिम बंगाल सरकार के अधिकारियों और सीमावर्ती गांवों के लोगों के साथ एक समन्वय बैठक की। इसका उद्देश्य सीमावर्ती समुदायों और स्थानीय अधिकारियों के साथ समन्वय स्थापित करना था। इसी सिलसिले में पहली बैठक सीमा चौकी बोर्नबेरिया, 8वीं बटालियन बीएसएफ के जवानों ने पश्चिम बंगाल सरकार के अधिकारियों के साथ आयोजित की, जिनमें राणाघाट के एसडीओ और एसडीएम, हंसखली के बीडीओ, डीएसपी (सीमा) पश्चिम बंगाल, ▶10पर

शेख हसीना को हो गया था खतरे का आभास

ढाका, 06 अगस्त (एजेंसियां)। बांग्लादेश के संस्थापक शेख मुजीबुर रहमान की बेटी 76 वर्षीय शेख हसीना ने जनवरी में चुनावों के बाद लगातार चौथी बार सत्ता संभाली थी। लगभग 15 सालों से देश की सत्ता पर काबिज रहीं शेख हसीना को आने वाले खतरे को आभास पहले ही हो चुका था। उन्होंने इस साल मई में एक चौंकाने वाली आशंका जाहिर की थी, जिसका परिणाम उन्हें 5 अगस्त को सत्ता से बेदखल होने के तौर पर भुगतना पड़ा है। शेख हसीना की पार्टी बांग्लादेश अवामी लीग के एक सदस्य ने चौंकाने वाला खुलासा किया है कि कुछ देश एक खास ऑपरेशन के तहत बांग्लादेश को तोड़ने की साजिश रच रहे हैं। उन्होंने यह भी बताया था कि भारत को भी इस बात की पूरी जानकारी है। बांग्लादेश अवामी लीग से जुड़े सदरुल खान ने एक खास बातचीत में बताया था कि 31 जुलाई को ढाका स्थित भारतीय दूतावास के शीर्ष अधिकारी ने पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना से मुलाकात की थी। ▶10पर

आडवाणी की फिर बिगड़ी तबीयत अपोलो में भर्ती

नई दिल्ली, 06 अगस्त (एजेंसियां)। पूर्व उप प्रधानमंत्री और वरिष्ठ भाजपा नेता लाल कृष्ण आडवाणी को रात 9 बजे डॉ. विनीत सूरी की निगरानी में अपोलो अस्पताल में भर्ती कराया गया। वे निगरानी में हैं। फिलहाल, उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है। अपोलो अस्पताल की ओर से यह जानकारी दी गई है। बीते सप्ताह भी पूर्व उपप्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी एम्स नई दिल्ली में भर्ती हुए थे। डॉक्टर ने उन्हें फॉलोअप में आने के लिए सलाह दी थी।

केंद्र सरकार ने केंद्रीय कर्मियों और पेंशनरों को स्पष्ट बताया

कोरोना काल में रुका 18% डीए का एरियर नहीं मिलेगा

नई दिल्ली, 06 अगस्त (एजेंसियां)। केंद्र सरकार ने एक करोड़ से अधिक केंद्रीय कर्मचारियों और पेंशनरों को स्पष्ट तौर पर बता दिया है कि कोरोनाकाल के दौरान सरकारी कर्मियों का जो 18 फीसदी डीए/डीआर रोका गया था, अब उसका एरियर नहीं मिलेगा। वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने मंगलवार को राज्यसभा में यह जानकारी दी। राष्ट्रीय परिषद (जेसीएम) स्टाफ साइड के प्रतिनिधियों सहित विभिन्न कर्मचारी संगठनों ने डीओपीटी के सचिव (पी) से आग्रह किया था कि 18 माह के डीए का एरियर, कर्मियों का हक है। केंद्र सरकार के कर्मियों व पेंशनरों को कोरोनाकाल के दौरान रोके गए डीए/डीआर का एरियर जारी किया जाए।

राज्यसभा सदस्य, जावेद अली खान और रामजी लाल शर्मा ने सदन में यह सवाल पूछा था कि क्या सरकार, कर्मचारियों को कोरोनाकाल के दौरान रोके गए डीए/डीआर के एरियर का भुगतान जारी करने के लिए सक्रिय है या नहीं। दोनों सांसदों ने पूछा, अगर सरकार यह भुगतान जारी नहीं कर रही है, तो उसका क्या कारण है। भारतीय अर्थव्यवस्था, विश्व में तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था है। इस साल डीए/डीआर जारी करने को लेकर कर्मचारी संगठनों के कितने प्रतिवेदन प्राप्त हुए हैं। सरकार ने उन पर क्या कार्रवाई की है। इन सवालों के जवाब में वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने कहा, कोरोनाकाल में अर्थव्यवस्था की स्थिति ठीक नहीं होने के कारण डीए/डीआर रोका गया था। तब सरकार पर वित्तीय दबाव था। एनसीजेसीएम सहित सहित विभिन्न कर्मचारी संगठनों की तरफ से इस बाबत प्रतिवेदन प्राप्त हुए हैं। मौजूदा समय में उक्त भत्तों का एरियर देना संभव नहीं हैं। उल्लेखनीय है कि कोरोनाकाल में केंद्र सरकार ने कर्मचारियों का उक्त भुगतान रोक कर 34,402.32 करोड़ रुपए बचा लिए थे। भारत पेंशनर समाज के महासचिव एससी महेश्वरी ने भी कोरोनाकाल के दौरान रोके गए ▶10पर

भीमसेना ने दी मुख्य न्यायाधीश को जान से मारने की धमकी

मौका मिला तो चंद्रचूड़ को मार डालेंगे : भीमसेना

बैतूल, 06 अगस्त (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ को जान से मार डालने की धमकी देने वाले भीमसेना के नेता पंकज अतुलकर को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पंकज अतुलकर भीमसेना का प्रदेश संयोजक है। पुलिस ने भीमसेना के प्रदेश संयोजक अतुलकर के खिलाफ आईटी एक्ट और अन्य धाराओं के तहत केस दर्ज किया था। मंगलवार को उसे गिरफ्तार कर लिया गया। भीमसेना के नेता ने एससी/एसटी वर्ग के आरक्षण से संबंधित सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर अपनी असहमति जताई थी और कहा था कि अगर मुझे मौका मिला तो मैं सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश चंद्रचूड़ को मार गिराऊंगा। ▶10पर

कार्टून कॉर्नर

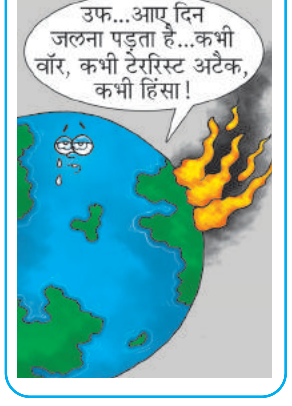

बांग्लादेश में हिंदुओं को बनाया जा रहा निशाना

हिंदू पार्षद और हिंदू पत्रकार को मार डाला

ढाका, 06 अगस्त (एजेंसियां)। बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना के इस्तीफे और देश छोड़ने के बीच इस्लामी कट्टरपंथियों की हिंसा जारी है। पूरे बांग्लादेश में अलग-अलग शहरों में हिंदुओं को निशाना बनाया जा रहा है। इस्लामी कट्टरपंथी हिंदुओं के घरों, दुकानों और मंदिरों को नष्ट कर रहे हैं। कई जगह से हिंदू घरों में लूटपाट और हिंसा की खबरें हैं। इस बीच भारत में बैठा इस्लामी गैंग मुस्लिम कट्टरपंथियों के इन कारनामों को मिटाने में जुट गया है। ट्विटर पर फोटो डाले जा रहे हैं, जिसमें झूठ कहा जा रहा है कि बांग्लादेश में हिंदू मंदिरों को मुस्लिम बचाने में लगे हैं। इन झूठे दावों की पोल बांग्लादेशी मीडिया ही खोल रहा है। बांग्लादेशी मीडिया हिंदुओं पर हमले की खबरें बता रहा है। बांग्लादेश की प्रमुख समाचार वेबसाइट द डेली स्टार के अनुसार, देश में 5 अगस्त 2024 को कम से कम 27 जगहों पर हिंदुओं को निशाना बनाया गया। उनके दुकान, मंदिर और घर तोड़े गए। एक हिंदू पार्षद की हत्या कर दी गई। एक हिंदू पत्रकार भी मार डाला गया। बांग्लादेश के कालीगंज में 4 हिंदुओं के घर लूटे गए। उनके घर में तोड़फोड़ हुई। लालमोनिरहाट में भी कई हिंदुओं की दुकानों और मकानों पर हमला हुआ।

▶10पर

हिंदुओं के दुकान, मंदिर और घर तोड़े गए, जला दिए गए

इस्लामिक कट्टरपंथ के खिलाफ एकजुट होना होगा: रामदेव

सीमा पर पहुंच रहे हिंदुओं को पीट रहे बांग्लादेशी बॉर्डर गार्ड्स

कोलकाता, 06 अगस्त (एजेंसियां)। बांग्लादेश में प्रधानमंत्री शेख हसीना के इस्तीफे के बाद से वहां के अल्पसंख्यक हिंदू समुदाय पर मुसीबतों का पहाड़ टूट पड़ा है। कट्टरपंथी इस्लामिक समूह ने हिंदुओं के घरों में अत्याचार शुरू कर दिया है। भारत की ओर भागने का प्रयास कर रहे हिंदुओं को सीमा पर तैनात बॉर्डर गार्ड्स बांग्लादेश (बीजीबी) लाठीचार्ज कर वापस खदेड़ रहा है। भारतीय सीमा पर खड़े सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के जवान उनकी मदद करने में असमर्थ हैं। बांग्लादेश में रहने वाले हिंदू अल्पसंख्यक समुदाय के लोग, जो अपनी जान बचाने के लिए विभिन्न सीमाओं पर पहुंच रहे हैं, उन्हें बांग्लादेश बॉर्डर गार्ड (बीजीबी) द्वारा भारत में प्रवेश नहीं करने दिया जा रहा है। इधर, वापस लौटने पर उन पर कट्टरपंथी समूहों की ओर से लगातार हमले हो रहे हैं।बांग्लादेश के सराइल उपजिले से कुछेक हजार हिंदू, त्रिपुरा में शरण लेने के लिए सीमा पर पहुंचे लेकिन उन्हें बीजीबी ने लाठीचार्ज कर वापस भेज दिया। यह स्थिति सिर्फ सराइल की नहीं है, बल्कि बांग्लादेश के सभी सीमाओं पर यही हो रहा है। पीड़ितों का कहना है कि उन्हें अपने घर छोड़ने पर मजबूर किया गया है, ▶10पर

महिला विंग के जेबीएन रेफरल समूह की स्थापना

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। शहर में पहली बार जीतो बेंगलूरु साउथ में महिला विंग के जेबीएन रेफरल समूह की स्थापना की गई। नवकार मंत्र एवं उपस्थित मुख्य अतिथि द्वारा द्वीप प्रज्वलित कर जेबीएन वीप्रीनोर्स लॉन्च कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस मौके पर उपस्थित जीतो बेंगलूरु साउथ के अध्यक्ष दिनेश बोहरा ने महिलाओं को संबोधित करते हुए जेबीएन के कई पहलुओं को उजागर किया। जेबीएन महिलाओं के व्यवसाय को ऊंचाइयों तक ले जाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। जीतो बेंगलूरु साउथ के कोषाध्यक्ष अशोक ने कहा कि जब आप एक समूह से जुड़ते है तो विश्वास की नीव मजबूत होनी चाहिए एवं उसी विश्वास के बलबूते पर आप सफलता को पा सकतें है। एपेक्स रेफरल कन्वीनर मनोज कोचर एवं एस एस बी एपेक्स को कन्वीनर रेखा छाजेड के अथक प्रयास से आज उनका महिलाओं के व्यवसायिक समूह का यह सपना साकार हुआ है। उन्होंने सभी को शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए और भी महिलाओं को जोड़ने की प्रेरणा भी दी। जीतो जेबीएन के कन्वीनर विक्रम बागरेचा ने कहा जेबीएन की गतिविधियों को संभाल कर आगे बढ़ते हुए सबको आगे ले जाना है। इस समूह में व्यवसाय के साथ आपके रिश्ते भी मजबूत होते जायेंगे। जीतो बेंगलूरु साउथ महिला विंग की अध्यक्षा सुनीता गांधी ने सभी सदस्यों की हौसला अफजाई की। जीतो बेंगलूरु साउथ महिला विंग की मुख्य सचिव मोनिका पिरगल ने आत्म निर्भरता की ओर निरंतर बढते हुए अपने व्यवसाय को नई ऊंचाइयों तक ले जाने के लिए शुभेच्छा प्रेषित की। जीतो बेंगलूरु साउथ के नवगठित जेबीएन वीप्रीनोर्स महिला विंग की रेफरल हेड नीलम सांड, रेफरल लीड लताशा भंडारी एवं रेफरल सचिव ज्योति कोचट्टा को नियुक्त किया गया। कार्यक्रम का संयुक्त रूप से संचालन एमसी ज्योति कोचट्टा ने किया। जीतो बेंगलूरु साउथ सचिव दीपक श्रीश्रीमाल, केकेजी जोन कॉन्वीनर तुषार, जीतो जेबीएन को कॉन्वीनर राजेश भंसाली ने भी ढेरों शुभकामनाएं दी। जोतो महिला कमेटी सदस्य पुष्पा गोलेचा, निशा टूकलिया, उर्मिला बरडिया की उपस्थिति रही।

सुख हो या दुख समभाव में रहो: डॉ वरुणमुनि

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ राजाजीनगर के तत्व-ावधान में उप प्रवर्तक पंकजमुनि के सानिध्य में डॉ वरुणमुनि ने ऋषिभाषिक सूत्र के चतुर्थ अध्ययन में अंगिरस अरहद ऋषि की व्याख्या करते हुए कहा कि परमात्मा कहते है साधना के पथ पर चलोगे तो थोड़ा सावधान रहना। इस पथ पर फूल भी होंगे और काँटे भी होंगे। फूल मिलने पर फूलना नहीं और काँटे मिलने पर घबराना नहीं। समभाव से सब कुछ सहते हुए इस पथ पर चलते रहना। संसार की यही रीत है कि परीक्षा हमेशा सज्जन पुरुषों की होती है। इसलिए संभल कर चलना लड़खड़ाना नहीं। काँटो के साथ साथ फूल पर भी संभल कर चलना है। उन्होंने कहा कि इस संसार में भाँति भाँति के लोग होते है। अच्छे भी मिलेंगे और बुरे भी। महापुरुषों ने संसार में पाँच प्रकार के व्यक्ति बताये है। पहला तृण व्यक्ति यानि तिनके के समान होता है। जो हल्का या आसानी से उड़ जाने वाला। दूसरा ठोठ व्यक्ति यानि सूखे हुए पेड़ के समान होता है। जिसमें ना सुगंध, ना रस और

ना सौंदर्य होता है। यानि जिस व्यक्ति में ना दया, ना करुणा ना प्रेम ना मैत्री की भावना होती है वह ठोठ व्यक्ति कहलाता है। तीसरा कंटक लता की तरह यानि बबूल के वृक्ष की तरह होता है। जिसके नीचे बैठो तो छाया भी नहीं, फल भी नहीं काँटे ही काँटे मिलेंगे और चुभेंगे भी। ऐसे व्यक्ति जो दूसरो को तकलीफ देने वाले होते है। चौथे मेघ के समान होते है। जिस प्रकार बादल समुंदर का खारा पानी लेकर मीठा बनकर छोड़ते है बरसते है। कुछ लोग भी बुराइयो को छोड़ अच्छाईयां देते है। बुराई में वें अच्छाई को देख ग्रहण करते है। पाँचवे व्यक्ति लता मंडप की तरह यानि अंगूर के गुच्छों की तरह होते है। जो भी पास आता है शीतलता और मिठास प्रदान करते है। इंसान वही कहलाता है जिसके जीवन में समभाव होता है। वही संत है वही सज्जन होते है। जैसी नीयत वैसी बरकत। ज्ञानी कहते है इस संसार की गति पर ध्यान मत दो, अपने समभाव से चलो। संसार के पथ पर मिलने वाले फूल और कांटो को समभाव से ग्रहण करो। चाहे निंदा हो या प्रशंसा, चाहे दुख हो या सुख, चाहे मान हो या अपमान, व्यक्ति को सदैव समभाव में रहते हुए जीना चाहिए। यही सच्चे साधक की पहचान है। निंदा के काँटे हो या प्रशंसा के फूल दोनों को समभाव से सहते हुए धर्म के मार्ग पर चलते रहना चाहिए।

स्टार सिक्सर टीम ने जीती प्रतियोगिता

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कुमावत प्रीमियर लीग 17 का आयोजन लेक व्यू मैदान सरजा-पुर रोड में किया गया, जिसमें 14 टीमों ने भाग लिया। इस प्रतियोगिता का पहला मैच जिगनी वॉरियर्स और कुमावत वॉरियर्स के बीच में हुआ। फाइनल में जिगनी वॉरियर्स का सामना स्टार सिक्सर के बीच हुआ। स्टार सिक्सर ने टॉस जीत कर पहले बल्लेबाजी करते हुए 1 ओवर में 2 विकेट के नुकसान पर 12 रन बनाएं, जवाब में जिगनी वॉरियर्स 6 रन ही बना सकी। इस प्रतियोगिता में मैन ऑफ द सीरीज संदीप कुमावत मुकुंदगढ़ स्टार सिक्सर, बेस्ट बेस्टमैन उदाराम कुमावत बाड़मेर टाइगर और बेस्ट गेंदबाज मनोज कुमावत रहे। समापन समारोह में कुमावत समाज जिगनी अध्यक्ष भूराराम कुमावत, पूर्व अध्यक्ष मिश्रीलाल, कुमावत समाज सिटी कॉटनपेट रमेश लिम्बा, कुमावत क्रिकेट एसोसिएशन के पूर्व संरक्षण मंगलचंद सिंदड, संरक्षक बहादुर कुमावत, अध्यक्ष सुगनराम रेनवाल, उपाध्यक्ष राकेश गोयल कालूराम, सचिव प्रकाश मावर, मिथुन कुमार, कोषाध्यक्ष भीखाराम रेनवाल, चेनाराम कुमावत, प्रचार मंत्री मानकराम नारानिया, मीडिया प्रभारी सुरेश मोटावत, खेल मंत्री महेंद्र कुमावत, महासचिव राकेश मावर, खेताराम रेनवाल, सलाहकार मंत्री नोरतमल बाकरेचा, सुरेश गोडावड़ आदि उपस्थित थे।

धारवाड़ जिले के प्रतियोगी योग प्रतियोगिताओं में भारत के लिए पदक लाएं: भवरलाल आर्य

हुब्बल्ली/शुभ लाभ ब्यूरो।

धारवाड़ जिला योगासन खेल संघ और युवा सबलीकरण और खेल विभाग के सहयोग में पहली धारवाड़ जिला योगासन प्रतियोगिता 2024 आरएन शेट्टी इंडोर स्टेडियम, धारवाड़ में बहुत धूमधाम से आयोजित की गई। योगासन भारत के राष्ट्रीय निर्देशक, अंतर्राष्ट्रीय योग गुरु भवरलाल आर्य ने पौधे को पानी देकर खेल प्रतियोगिता की शुरुआत की और कहा आज योगासन को भारत सरकार द्वारा एक खेल माना जाता है। योगासन भारत, राष्ट्रीय स्तर पर भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त एक संवैधानिक संस्था है। कर्नाटक योगासन स्पोर्ट्स एसोसिएशन (राज्य स्तर) और जिला योगासन स्पोर्ट्स एसोसिएशन योगासन सहयोगी संगठन हैं, इन संगठनों के मार्गदर्शन में, जिला, राज्य, राष्ट्रीय

और अंतर्राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में चयनित एथलीटों को सभी प्रकार की सरकारी सुविधाएं मिलती हैं। इसलिए, माता-पिता को अपने बच्चों को योगासन भारत प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए। सभी एथलीटों को शुभकामनाएं देते हुए उन्होंने कहा प्रतियोगिता और जीवन में जीत और हार सामान्य है। आइए हम सब इस संकल्प के साथ प्रयास करें कि धारवाड़ के प्रतियोगी भविष्य में योग ओलंपिक में शामिल होकर भारत के लिए पदक लेकर आएं। योग प्रतियोगिता में सैकड़ों प्रतियोगियों ने भाग लिया। लड़की और महिला वर्ग के 10 से 14 आयु सीमा में प्रथम स्थान रत्ना शगोटी, दूसरा स्थान अपूर्वा कुसुगल और तीसरा स्थान हेमा बालेगर को मिला। जबकि 14 से 18 वर्ष की आयु सीमा में प्रथम साक्षी शिराहल्ली, द्वितीय राम्या कलादगी और तृतीय स्थान पर यशस्विनी रही। 18 वर्ष और उससे अधिक आयु सीमा में प्रथम श्रेया वस्त्राद, 36 से 45 आयु सीमा में प्रथम राधा पी साली रही। इसके अलावा लड़के और पुरुष वर्ग में 10 से 14 आयु सीमा में प्रथम स्थान वरुण कुराहट्टी, दूसरा विजय अरलीकट्टी और तीसरा संतोष मलाली का रहा। जबकि 14 से 18 वर्ष में प्रथम विनायक अरलीकट्टी, द्वितीय शिवानंद कुंडगोल और तीसरा स्थान अभिषेक पल्लड का रहा। वहीं 45 से 55 आयु में प्रथम विनायक एम कोंगी, द्वितीय अशोक एन तिरलापुरा और तीतृत स्थान पर निंगप्पा डोड्डासुंकड रहे। जीतने वाले सभी लड़के, लड़कियां, पुरुष और महिलाएं 17 और 18 अगस्त को पुट्टम्मा बेनकी लक्ष्यैया कल्याण मंतपा, कदुर तालुक, चिक्कमगलूरु जिले में आयोजित 5वीं वार्षिक राज्य स्तरीय योग प्रतियोगिता में भाग लेंगे। कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतियोगियों को भागीदारी प्रमाण पत्र, विजेताओं को पदक, प्रमाण पत्र, पुरस्कार और निर्णायकों को सम्मानित किया गया। धारवाड़ जिला यो-गासन खेल संघ के महासचिव डॉ. प्रकाश पावाडाशेट्टी ने इस अभूतपूर्व आयोजन में प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से योगदान देने वाले सभी लोगों को धन्यवाद दिया। निर्णायक के रूप में शिवकुमार रुद्राक्षी, कुमार हिरेमथ, सरोजिनी वैद्य, दीप्ति अय्यनगौदारा, मृत्युंजय अरालिमट्टिमथ, अभिषेक बराकेरा, भारती बडगी, उमा अगाड़ी, युवा सबलीकरण और खेल विभाग धारवाड़ के सहायक निदेशक भाविकत्ती सर, जिला योगासन एसोसिएशन के कोषाध्यक्ष रमेश सुलाखे, एम डी पाटिल, सविता शिंदे, अक्षय, वीरेश, देवेन्द्र आदि उपस्थित थे।

मेवाड़ जैन सेवा संस्था द्वारा खेलो मेवाड़ 5 का समापन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। राजीव गांधी इंडोर स्टेडियम में क्रिकेट एवं वॉलीबॉल फाइनल आयोजित किया गया, जिसमें तुलसी क्लब यशवंतपुर ने वॉलीबॉल कब जीता। टी दासरहल्ली उपविजेता रही। क्रिकेट में चितंबा ने अपनी जीत दर्ज कराई, उपविजेता खोखरखेड़ा टीम रही। क्रिकेट 45 प्लस में एनपीसीसी की दोनों टीम विजेता एवं उपविजेता रही। बच्चों के क्रिकेट में सेरवड़ी ने जीत दर्ज की, उपविजेता कूल कार्बिओस रही। 8 दिन के इस आयोजन में 10 वॉलीबॉल टीम और 39 क्रिकेट टीम ने सहभागिता दर्ज कराई। मुख्य प्रायोजक बाबूलाल भेरुलाल, विनोद कुमार मंडोत दौलपुरा परिवार ने आयोजन की सराहना की। रिटर्न गिफ्ट के प्रयोजक भूरा लाल, प्रवीण कुमार, चेतन कुमार परिवार ने अपने विचार रखें। टी-शर्ट के प्रायोजक दिनेशकुमार, संजयकुमार गन्ना परिवार ने इस आयोजन के कार्यकर्ता को बधाई प्रेषित की।

मधुर वाणी मानव की संपत्ति

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

हनुमंतनगर स्थित मरुधर केसरी दरबार में धर्मसभा को सम्बोधित करते हुए साध्वी श्री धर्मप्रभा जी ने कहा कि मधुर वाणी मानव की संपत्ति है।

वाणी की मिठास लोगों के हृदय को प्रेमपूर्ण बना देती है। व्यक्ति का लक्ष्य होना चाहिए कि इस खुशनुमा वातावरण में कटुता की दूषित हवा न फैले। मनुष्य की सारी दौड़-धूप सारी आपा थापी का एक ही लक्ष्य होना चाहिए कि उसके कारण किसी की शांति भंग ना हो, उसकी वाणी से वातावरण कटु ना बने इस लिए व्यक्ति की वाणी, बोलने में सरसता मधुरता और विनम्रता होनी चाहिए। ताकि

उसके जीवन में संतुलन बना रहे, क्योंकि संतुलन के बिगड़ते ही वाणी के कटु होते ही अशांति पैदा हो जाती हैं। हमारी वाणी की विनम्रता ही लोगों को अपना बनाकर हमें प्रेमपूर्ण सम्मान आदर दिलाती हैं। इंसान एक दुकान के समान हैं और जुबान उस दुकान का ताला है। जब ताला खुलता है तो पता चलता है कि दुकान सोने की है या कोयले की। हमारी वाणी में ही अमृत भरा है व विष भी वाणी में ही विद्यमान है। मरुधर केसरी मिश्रीमल जी, आचार्य सम्राट श्री आनंद ऋषि जी आदि अनेक महापुरुषों का स्मरण करते हुए साध्वी ने कहा कि उन महापुरुषों के वचनों में बड़ी शक्ति थी। उन्हें स्पर्श लब्धि और वचन लब्धि प्राप्त थी। यह महान आत्माएं वचन सिद्धि के धारक संत शिरोमणि महापुरुष थे। जिन्हें हम प्रतिदिन मन के अपार भावों के साथ स्मरण करते हैं।

आवश्यक सूत्र में प्रथम आवश्यक सामायिक

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। गणेश बाग शिवाजी नगर में विराजित श्री शिविराचार्य विनय मुनि जी खींचन ने आवश्यक सूत्र की विवेचना करते हुए कहा कि सामायिक का अर्थ सावद्य योग का त्याग ही नमस्करणीय करना है। भाव शुद्धि हमारा लक्ष्य है, परंतु द्रव्य क्षेत्र व काल यह तीनों सामायिक के साधन है। संयम व्यवहार मोक्ष मार्ग है। संयम से भावित आत्मा निश्चय मोक्ष मार्ग है। सामायिक पूर्व एवं उत्तर दिशा सनमुख करनी चाहिए। सामायिक की भाव शुद्धि में कसाय शांत हो, यह जरूरी है। उसके बिना सामायिक में आनंद नहीं आ सकता, सावद्य योग अंधकार के समान हैं। सामायिक में प्रतिक्रमण प्रायश्चित किया जाता है। विषमता और वक्रता छोड़े बिना अभ्यंतर सामायिक नहीं आ सकती है। गृहस्थ को सामायिक प्रतिदिन अवश्य करनी चाहिए। आवश्यक सूत्र में प्रथम आवश्यक सामायिक है।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। हाल ही में सम्पन्न हुए कर्नाटक इनरवियर एसोसिएशन की वार्षिक प्रदर्शनी की सफलता के बाद कर्नाटक इनरवियर एसोसिएशन के सदस्यों ने मंगलवार को शेषाद्रीपुरम में बैठक कर सभी का आभार जताया। बैठक की अध्यक्षता अध्यक्ष दिलीप कुमार जैन ने की। जिसमें उपाध्यक्ष अश्विन सेमलानी, उपाध्यक्ष महावीर चंद मेहता, कोषाध्यक्ष प्रकाश एच जैन, संयुक्त सचिव शैंकी एम जैन, जिनेन्द्र कुमार, विनोद चौहान और आईपीपी रमेश चंद जैन, राजेश चोपड़ा, गौरव शर्मा, महेन्द्र जैन, महीपाल टी. जैन, मूल सिंह राजपुरोहित, मनीष ए. जैन और मधुराम खादव समेत अन्य सदस्य मौजूद थे।

कलश यात्रा के साथ शुरू हुआ शिवपुराण

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। सीरवी समाज ट्रस्ट इलेक्ट्रॉनिक सिटी समाज भवन में 11 दिवसीय शिव महाप-ुराण कथा कलश यात्रा के साथ शुरू हुई। कलश यात्रा मुख्य रोड से समाज भवन तक निकाली गई। जिसमें क्षेत्र की महिलाओं एवं पुरुषों ने पारंपरिक परिधान में ढोल नगाड़े के साथ भगवान शंकर के जयकारे लगाए। कलश यात्रा के दौरान महिलाएं कलश सिर पर रखकर चली तो चारों ओर वातावरण शिवमय हो गया। उसके बाद डॉ गुणप्रकाश चैतन्य महाराज ने कलशों को समाज भवन में स्थापित किया। आयोजकों ने सभी शिव भक्तों से नियमित कथा सुनने की अपील की। कलश पूजन के साथ शिव महापुराण कथा प्रारंभ हो गई। डॉ गुणप्रकाश चैतन्य महाराज के मुखारविंद से कथा का वाचन हुआ। उन्होंने शिव महापुराण कथा के माध्यम से शिव के महात्म्य को श्रद्धाल-ुओं को समझाया। उन्होंने कहा कि शिव पुराण को सुनने मात्र जन्म जन्मांतर के पापों का नाश हो जाता है। कथा का आयोजन सर्वधर्म प्रेमी बेंगलूरु के द्वारा किया जा रहा है। इस अवसर पर सीरवी समाज इलेक्ट्रॉनिक सिटी के अध्यक्ष मोतीराम मोगरेचा, सचिव तुलसीराम सैणचा, उपाध्यक्ष रामलाल हाम्बड सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे।

दूसरों का हित सोचना, सच्चा मैत्री भाव: आचार्य

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। सीमंधर शान्तिसूरि जैन संघ, वी वी पुरम के तत्व-ावधान में आचार्य श्री अरिहंतसागर सूरीश्वरजी ने श्री संभवनाथ भवन में, मंगलवार को प्रवचन देते हुए कहा कि, स्वार्थ की भावना व्यक्ति को सीमित कर देती है और व्यक्ति अपने आप में रचा पचा रहता है। स्वार्थ भावना के कारण उसमें उदारता की भावना नहीं आती। जगत के सभी जीवों का भला करने के लिए, हमें अपने दिल को विशाल बनाना पड़ेगा, क्योंकि संकीर्ण मानसिकता वाला व्यक्ति कभी दूसरों का भला नहीं कर सकता। मैत्री भावना एक माध्यम है, जिसमें हम लोगों का एवं स्वयं का भला करने की सोच बना सकते हैं। दूसरों का हित सोचना, यह मैत्री भाव है। स्वार्थ की भावना को छोड़ने के लिए हमें मैत्री भाव लाना पड़ेगा। स्वार्थ से पाप का बंध होता है, एवं मैत्री भाव से पुण्य का बंध होता है। मैत्री भाव क्यों करना चाहिए? ऐसा पूछने पर पूज्य आचार्य श्री ने कहा कि दूसरों की भलाई में अपनी भलाई निहित है एवं उनकी बुराई में स्वयं की बुराई छिपी हुई है। कर्तव्य पालन के लिए हमें मैत्री भाव करना है। दूसरों के हित की चिंता करना ही मैत्री भाव है। जीवन में जितना स्वार्थ होगा उतना ही पाप का बंध होता है एवं जितना स्वार्थ का त्याग करोगे उतने ही मैत्री भाव में आओगे और आत्मा की उन्नति होगी।

भाजपा-जेडीएस की मैसूरु चलो यात्रा चौथे दिन भी रही जारी

मुख्यमंत्री के इस्तीफे की मांग

मांड्या/शुभ लाभ ब्यूरो।

संयुक्त विपक्षी भाजपा और जद(एस) ने मंगलवार को अपना विरोध मार्च जारी रखा और कथित मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (मुडा) साइट आवंटन घोटाले को लेकर कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के इस्तीफे की मांग की। सप्ताह भर चलने वाले बेंगलूरु-मैसूरु पदयात्रा (पैदल मार्च) का उद्देश्य सिद्धरामैया की पत्नी पार्वती सहित भूमि खोने वालों को मुडा द्वारा कथित धोखाधड़ी से साइट आवंटित करने के मामले को उजागर करना है। मैसूरु चलो विरोध का चौथा दिन यहां के निकट निदाघट्टा से शुरू हुआ और जिला मुख्यालय शहर मांड्या तक पहुंचने के लिए 20 किलोमीटर की दूरी तय की। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और विधायक बीवाई विजयेंद्र, पूर्व उपमुख्यमंत्री सीएन अश्वथ नारायण, विधानसभा में विपक्ष के उपनेता अरविंद बेलाड, दोनों दलों के कई विधायक, नेता और कार्यकर्ता मार्च में शामिल हुए। दोनों पार्टियों के बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और नेता ढोल-नगाड़ों की आवाज के बीच सिद्धरामैया और कांग्रेस सरकार के खिलाफ नारे लगाते हुए मार्च करते देखे गए। जिस इलाके से मार्च गुजरा, वह दोनों पार्टियों के झंडों, झंडियों और कई जगहों पर प्रमुख नेताओं के चित्रों से सजा हुआ था। शनिवार को बेंगलूरु के पास केंगेरी से शुरू हुआ यह मार्च अपने पहले दिन बिदादी तक पहुंचने के लिए 16 किलोमीटर, दूसरे दिन केंगल तक 22 किलोमीटर और तीसरे दिन निदाघट्टा तक 20 किलोमीटर की दूरी तय कर चुका है। मुडा घोटाले में यह आरोप लगाया गया है कि सिद्धरामैया की पत्नी पार्वती को मैसूरु के एक महंगे इलाके में मुआवजा स्थल आवंटित किया गया था, जिसकी संपत्ति का मूल्य उनकी जमीन के स्थान की तुलना में अधिक था, जिसे मुडा द्वारा अधिग्रहित किया गया था। मुडा ने पार्वती को 3.16 एकड़ जमीन के बदले 50:50 अनुपात योजना के तहत भूखंड आवंटित किए थे, जहां मुडा ने आवासीय लेआउट विकसित किया था। विवादास्पद योजना के तहत, मुडा ने आवासीय लेआउट बनाने के लिए उनसे अधिग्रहित अविकसित भूमि के बदले में भूमि खोने वालों को 50 प्रतिशत विकसित भूमि आवंटित की। भाजपा नेताओं ने दावा किया है कि मुडा घोटाला 4,000 करोड़ रुपये से 5,000 करोड़ रुपये के बीच का है। कांग्रेस सरकार ने 14 जुलाई को मुडा घोटाले की जांच के लिए पूर्व उच्च न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति पी एन देसाई के नेतृत्व में एक सदस्यीय जांच आयोग का गठन किया। अधिवक्ता-कार्यकर्ता टी जे अब्राहम द्वारा दायर याचिका के आधार पर, कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने 26 जुलाई को एक कारण बताओ नोटिस जारी किया था, जिसमें मुख्यमंत्री को निर्देश दिया गया था कि वे सात दिनों के भीतर उनके खिलाफ आरोपों पर अपना जवाब प्रस्तुत करें कि उनके खिलाफ अभियोजन की अनुमति क्यों नहीं दी जानी चाहिए। इसके बाद, कर्नाटक सरकार ने राज्यपाल को सीएम को अपना कारण बताओ नोटिस वापस लेने की दृढ़ता से सलाह दी थी, और राज्यपाल पर संवैधानिक कार्यालय का घोर दुरुपयोग करने का आरोप लगाया था। मंत्रिपरिषद ने अपनी बैठक के बाद कहा था राजनीतिक कारणों से कर्नाटक में वैध रूप से निर्वाचित बहुमत वाली सरकार को अस्थिर करने का एक ठोस प्रयास किया जा रहा है।

सत्ता की प्यास से नहीं शुरू की पदयात्रा

इसी बीच भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और विधायक बी.वाई.विजयेंद्र ने कहा कि राज्य के इतिहास में इतनी बड़ी पदयात्रा किसी ने नहीं की थी। हमारा मार्च किसी सत्ता की लालसा से प्रेरित नहीं है। उन्होंने कहा कि उन्होंने भ्रष्ट कांग्रेस सरकार और भ्रष्ट मुख्यमंत्री सिद्धरामैया को सत्ता से हटाने के संकल्प के साथ यह मार्च निकाला है। राज्य की साढ़े छह करोड़ जनता को नहीं लगता कि यहां चुनी हुई सरकार है। कांग्रेस कई वादों के साथ सत्ता में आई है। पिछले 14 महीनों में प्रदेश में बिजली की दरें बढ़ाई गई हैं। दूध की कीमत में बढ़ोतरी के बावजूद किसानों और डेयरी किसानों को इसका कोई फायदा नहीं हुआ है। येदियुरप्पा के नेतृत्व वाली सरकार दूध उत्पादकों को 5 रुपये का प्रोत्साहन दे रही थी। सिद्धरामैया किसानों को लेकर घड़ियाली आंसू बहा रहे हैं। दुग्ध उत्पादकों के 1200 करोड़ रुपये के प्रोत्साहन को संरक्षित कर लिया गया है। रजिस्ट्रेशन शुल्क बढ़ गया है। चावल और दाल भी महंगे हैं। उन्होंने आलोचना करते हुए कहा कि सिद्धरामैया सरकार पर 1 लाख 95 हजार करोड़ का कर्ज हो गया है।

हलफनामे में पत्नी की संपत्ति की गलत जानकारी देने के बाद क्या सीएम को अचानक हुआ ज्ञान?

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

विधानसभा में विपक्ष के नेता आर अशोक ने मुख्यमंत्री सिद्धरामैया से पूछा कि 2013 के चुनावी हलफनामे में आपने अपनी पत्नी की संपत्ति का जिक्र किए बिना गलत जानकारी दी। फिर 2018 में आपने बताया कि इसकी बाजार कीमत 25 लाख रुपये है।

5 साल बाद अचानक संपत्ति के मालिक होने का ख्याल आया? अशोक, जिन्होंने अपनी सोशल नेटवर्किंग साइट पर सिद्धरामैया से कई सवाल पूछे, ने कहा कि घोटाला सामने आने के बाद वह कह रहे हैं कि 63 करोड़ रुपये के भुगतान के बाद वह साइट छोड़ देंगे। जिस संपत्ति की कीमत 2018 में 25 लाख रुपये थी, वह 2024 में 63 करोड़ रुपये कैसे हो सकती है? क्या ये राहुल गांधी की आलू से सोना निकालने की योजना का हिस्सा है? शहरी विकास विभाग का 50:50 के अनुपात में विकसित भूखंडों को मुआवजे के रूप में न देने का आदेश होने के बावजूद मुडा के अध्यक्ष मारी गौड़ा ने घोटाले का दरवाजा क्यों खोला? इसके पीछे कौन सी प्रभावशाली ताकत काम कर रही थी? वाल्मीकि विकास निगम के एक ईमानदार दलित अधिकारी चंद्रशेखरन ने अपने डेथ नोट में स्पष्ट रूप से उल्लेख किया कि यह मामला मंत्री नागेंद्र के मौखिक आदेश पर हुआ था। लेकिन एसआईटी कोर्ट में सौंपी गई चार्जशीट में इसका जिक्र न होना इस बात का एक और सबूत है कि एसआईटी जांच निष्पक्षता से नहीं की जा रही है। सीएम सिद्धरामैया क्या आपको डर है कि अगर आप पूर्व मंत्री नागेंद्र और विधायक दद्दल का नाम लेंगे तो वे अन्य लोगों का नाम बोल देंगे? या फिर ये इस कांड को हमेशा के लिए छुपाने का दुस्साहस है?

राज्य में बारिश से 61,700 हेक्टेयर फसल को नुकसान : राजस्व मंत्री

चिकमगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

राजस्व मंत्री कृष्णा बायरे गौड़ा ने कहा कि राज्य में भारी बारिश के कारण 61,700 हेक्टेयर फसल खराब हो गई है। उन्होंने बाबाबुदन गिरि के कविकलगंडी में भारी बारिश के कारण ध्वस्त हुई सड़क का अवलोकन करने के बाद मीडिया प्रतिनिधियों से बात की। उन्होंने कहा अब तक उत्तरी कर्नाटक और राज्य के अन्य हिस्सों में फसल बर्बाद होने, पहाड़ी इलाकों में फसल बर्बाद होने और पहाड़ गिरने की खबरें आ चुकी हैं। क्षति का तत्काल मुआवजा देने के लिए पहले ही नोटिस दिया जा चुका है। उन्होंने कहा कि फसल क्षति का सर्वेक्षण अभी भी जारी है और क्षति की मात्रा बढ़ने की संभावना है। 2019 और 2022 में 12 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में फसलें बर्बाद हो गईं और 250 लोगों की जान चली गई, वहीं इस साल अब तक बाढ़ से 58 लोगों की जान जा चुकी है। उन्होंने कहा कि कुछ सीमित क्षेत्रों में नुकसान हुआ है। सत्र के तुरंत बाद मुख्यमंत्री, मैं और जिला प्रभारी मंत्री ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा किया और बाढ़ से हुई क्षति का अवलोकन किया। लोगों की मदद के लिए काम किया जा रहा है। उच्चभूमि लंबे समय से सबसे अधिक वर्षा वाला क्षेत्र रहा है। यह प्राकृतिक रूप से वर्षा प्रतिरोधी है। जलवायु परिवर्तन के कारण जून से 10 जुलाई तक बारिश की कमी देखने को मिली। 10 जुलाई के बाद दो माह तक 20 दिन में बारिश हुई। जलवायु परिवर्तन के कारण प्राकृतिक आपदाएँ बढ़ रही हैं। पर्यावरण के प्रति सभी को जागरूक होना चाहिए। उन्होंने कहा कि मनमर्जी से पहाड़ काटकर सड़क बनाने के कारण हम पहाड़ गिरने जैसी दुर्घटनाएं देख रहे हैं। भूस्खलन जैसी समस्याओं को रोकने के लिए, केंद्र सरकार के भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण ने पहले ही राज्य में उन क्षेत्रों का वैज्ञानिक सर्वेक्षण किया है जहां भूस्खलन की सबसे अधिक संभावना है, और इसकी रिपोर्ट के आधार पर, इसे जिला कलेक्टरों को भेजा गया है। उन जिलों के जिला आयुक्तों को यह पता लगाने को कहा गया है कि कौन से आवासीय क्षेत्र भूस्खलन से प्रभावित हैं और 10-15 दिनों में रिपोर्ट देने को कहा गया है। उन्होंने कहा मुख्यमंत्री ने इस साल 100 करोड़ का अनुदान जारी करने पर सहमति जताई है। भूस्खलन को रोकने के लिए काम करने के लिए अगले साल 200 करोड़ रुपये दिए जाएंगे। उन्होंने कहा कि पड़ोसी तटीय जिलों में पहाड़ी ढहने से रोकने के लिए काम किया जाएगा। भारी बारिश के कारण क्षतिग्रस्त सड़कों की मरम्मत का कार्य यथाशीघ्र करने की कोशिश की जाएगी। भूस्खलन से क्षतिग्रस्त सड़कों की मरम्मत नहीं की जा सकती। उन्हें फिर से बनाने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि जिला कलक्टर को ऐसी सड़कों का सर्वे कराकर रिपोर्ट देने का निर्देश दिया गया है।

सिद्धरामैया के खिलाफ लड़ाई में डीके शिवकुमार निशाने पर

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

महर्षि वाल्मीकि विकास निगम और मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (मुडा) में भ्रष्टाचार के मामले में सीएम सिद्धरामैया के इस्तीफे की मांग को लेकर भाजपा-जेडीएस के संयुक्त संघर्ष में डीसीएम डीके शिवकुमार अकेले हैं, जिन्हें निशाना बनाया जा रहा है। सिद्धरामैया के इस्तीफे की मांग को लेकर एनडीए गठबंधन द्वारा बेंगलूरु से मैसूरु तक निकाला जा रहा मार्च मंगलवार को चौथे दिन में प्रवेश कर गया। सीएम सिद्धरामैया, जिन्हें मूल रूप से दोनों दलों द्वारा निशाना बनाया जाना था, वर्तमान में कानून की समस्या में हैं, लेकिन भाजपा-जेडीएस के निशाने पर डीसीएम शिवकुमार हैं। पदयात्रा शुरू होने से पहले ही सरकार के खिलाफ जन आंदोलन खड़ा करने को लेकर शिवकुमार केंद्रीय मंत्री एचडी कुमारस्वामी, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बीवाई विजयेंद्र, पूर्व सीएम बीएस येदियुरप्पा समेत भाजपा और जेडीएस नेताओं पर निशाना साध रहे हैं। इसके जवाब में कुमारस्वामी, विजयेंद्र समेत दोनों पार्टियों के नेता डीके शिवकुमार पर हमला कर रहे हैं। पदयात्रा के दौरान डीके शिवकुमार और कुमारस्वामी ने अपनी पारिवारिक संपत्ति का मुद्दा भी उठाया। खासकर, आए दिन जनआंदोलन चलाने वाले शिवकुमार लोगों को दोनों पार्टियों के भ्रष्टाचार के बारे में समझाने की कोशिश कर रहे हैं। इसके जवाब में कुमारस्वामी भी पहले से ज्यादा आक्रामक अंदाज में डीके पर हमला बोल रहे हैं। उन्होंने कहा था कि डीके शिवकुमार भ्रष्टाचार के जनक हैं। इसकी शुरुआत बी.वाई विजयेंद्र के इस आरोप से हुई थी कि उन्होंने भ्रष्टाचार के बारे में बात नहीं की थी। जब विजयेंद्र ने उन पर इस तरह के व्यक्तिगत रुख का आरोप लगाया, तो गुस्से में आए शिवकुमार ने कुमारस्वामी परिवार के साथ-साथ येदियुरप्पा और विजयेंद्र पर भी आरोप लगाए। पूरी पदयात्रा कुमारस्वामी और डीके के बीच संपत्ति युद्ध में तब्दील हो गई है। एक कहता है कि मैंने आपकी तरह अवैध संपत्ति अर्जित नहीं की है, तो दूसरा पलटवार कर रहा है कि मैंने कनकपुरा में टेंट में फिल्में दिखाकर संपत्ति अर्जित की है। जिस पदयात्रा में निशाना सिद्धरामैया को माना जा रहा था, यहां शिवकुमार दोनों पार्टियों के लिए चारा हैं। हाल ही में हुए लोकसभा चुनाव में एनडीए को पुराने मैसूरु डिविजन के इलाके में अप्रत्याशित जीत हासिल हुई थी। 14 लोकसभा क्षेत्रों में से, भाजपा-जेडीएस गठबंधन ने हासन और चामराजनगर को छोड़कर 12 निर्वाचन क्षेत्रों में जीत हासिल की।

पिछले विधानसभा चुनाव में पुराने मैसूरु संभाग में अधिकतर कांग्रेस का कब्जा था। डीके ने जेडीएस के गढ़ पर सफलतापूर्वक हमला बोल दिया है।

दो महिलाओं की करंट लगने से मौत

बेलगावी/शुभ लाभ ब्यूरो।

जिले के सुलेबावी गांव में सोमवार को दो महिलाओं की करंट लगने से मौत हो गई। श्री वाल्मीकि मंदिर में करंट लगने से 34 वर्षीय सविता ओनी और 41 वर्षीय कलावती बिदारावाड़ी की मौत हो गई। महिला स्वयं सहायता समूह की बैठक के बाद मंदिर की सफाई कर वे बाहर निकल रही थीं। उन्हें नहीं पता था कि जमीन पर फैले पानी में करंट का तार गिरा हुआ है। सविता जब लोहे का गेट बंद करने की कोशिश कर रही थी, तभी उसे करंट लग गया। कलावती ने उसे खींचने की कोशिश की, लेकिन उसकी भी मौत हो गई। सविता की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि कलावती की अस्पताल ले जाते समय मौत हो गई। मामला दर्ज कर लिया गया है।

कानून की पढ़ाई करने का दावा करने वाले

सीएम को पता नहीं कि कानून सबसे के लिए बराबर: पी. राजीव

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

भाजपा के प्रदेश महासचिव पी. राजीव ने कहा कि मुख्यमंत्री सिद्धरामैया का कहना है कि उन्होंने कानून की पढ़ाई की है। ऐसे में मुख्यमंत्री को कम से कम यह तो पता होना चाहिए था कि कानून सबके लिए समान है। मद्दूर में विधायक डी.सी.तमन्ना के घर के परिसर में मीडियाकर्मियों से बात करते हुए उन्होंने कहा पदयात्रा में भाजपा-जेडीएस के हजारों कार्यकर्ता एक साथ चल रहे हैं।

आपको भीड़ के पीछे सैकड़ों कारें दिखाई देंगी। इतनी धूप में खाली गाड़ियाँ होने के बावजूद कोई अपनी कार की तलाश नहीं कर रहा है। उन्होंने एक अन्य सवाल के जवाब में कहा कि यह पदयात्रा के प्रति कार्यकर्ताओं के उत्साह को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ता स्तर से लेकर प्रदेश स्तर तक हमारी एकता है। उन्होंने कहा कि सत्ताधारी दल की एकता को गंभीरता से लेने की जरूरत नहीं है। हमारी एकता ईमानदारी के लिए है, उनकी एकता भ्रष्टाचार से बचाव के लिए है।

उन्होंने कहा इतिहास में ऐसा कोई उदाहरण नहीं है जहां राज्य सरकार ने सरकारी खजाने से पैसा लूटकर चुनाव में इस्तेमाल किया हो।

उन्होंने विश्लेषण करते हुए कहा कि कांग्रेस शासनकाल में जो कुछ हुआ वह पूरे देश और लोकतंत्र के लिए काला धब्बा है। अधिकारियों की हत्या का सिलसिला लगातार जारी है। उन्होंने कहा भले ही चंद्रशेखर के डेथ नोट में मंत्री जिक्र किया गया था, लेकिन सीआईडी की चार्जशीट में उनका नाम हटाने से पता चल जाएगा कि कांग्रेस भ्रष्टाचार को कैसे संरक्षण देगी और यह कितने निचले स्तर तक गिर जाएगी। उन्होंने कहा कि हमारी यह बात सच है कि कर्नाटक कांग्रेस का एटीएम बनेगा। इस अवसर पर राज्य जेडीएस जनता दल युवा इकाई के अध्यक्ष निखिल कुमारस्वामी, विधान परिषद सदस्य भोजे गौड़ा, विधायक डी.सी. तमन्ना, पूर्व सांसद पुट्टास्वामी आदि उपस्थित थे।

मारवाड़ रो रंग जीतो महिला विंग रे संग कार्यक्रम का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। जीतो महिला विंग बेंगलूरु साउथ द्वारा सेंटर फॉर एक्सीलेंस के अन्तर्गत मारवाड़ रो रंग जीतो महिला विंग रे संग कार्यक्रम का आयोजन राजस्थानी ढाणी में किया गया।

जिसमें 150 से अधिक महिलाओं ने भाग लिया। इस कार्यक्रम के माध्यम से, राजस्थान की मिट्टी की सुगंध एवं वेशभूषा को सभी महिलाओं ने बड़े ही हर्षोल्लास के साथ रंगीन बनाया तथा अपनी संस्कृति के साथ लोक गीतों एवं घूमर डांस के माध्यम से इस कार्यक्रम में चार चांद लगाया। नेशनल कॉलेज मेट्रो स्टेशन बसवनगुड़ी से बसों द्वारा प्रस्थान किया गया। जीतो महिला विंग चेयरपर्सन सुनीता गांधी ने सभी सदस्यों का स्वागत करते हुए

कहा कि हमें हमारी सभ्यता एवं संस्कृति की पहचान को ऐसे कार्यक्रमों के माध्यम से कायम रखना चाहिए। मारवाड़ के प्रति प्रेम इसमें दर्शाया गया है। महामंत्री मोनिका पिर्गल ने शुभकामनाएं प्रेषित की। लाल, पीले, गुलाबी एवं विभिन्न रंगों की राजस्थानी पोशाक एवं चूंदड़ी में सज संवर के सोलह श्रृंगार को धारण किए हुए सभी महिलाओं का टीका लगाकर राजस्थानी ढाणी में स्वागत किया गया। राजस्थानी भोजन जिसमें दाल, बाटी चूरमा एवं अनेक स्वादिष्ट पकवानों को पगड़ी पहनाकर, मान मनुहार के साथ परोसा गया। ऊंट, घोड़ा सवारी, पपेट शो, मेहंदी, चूल्हा, चक्की, बावड़ी, बिलोना, घट्टी, झूला एवं अनेक माध्यमों के द्वारा मनोरंजन किया गया। इसमें मारवाड़ी भाषा पर विशेष जोर दिया गया एवं सम्पूर्ण कार्यक्रम में मारवाड़ी बोली गई।

अनेक पुरस्कारों के द्वारा सदस्यों को सम्मानित किया गया। जिसमें पक्की सेठानी राधा गोलेछा, बढ़िया गहनावाली संगीता लुंकड, लंबा केशवाली रचना सिंघवी, झमकुडी मंगला खातेड, सोलह श्रृंगार पूजा कोठारी तथा कमेटी सदस्य पुष्पा गुलेच्छा को सुंदर पोशाक के साथ ऑल राउंडर का पुरस्कार दिया गया। नेशनल एपेक्स हेल्थ एंड न्यूट्रीशियन कन्वेनर निशा सामर, पूर्व जीतो महिला विंग चेयरपर्सन मधु डोसी एवं पिंकी जैन तथा जीतो महिला विंग नॉर्थ महामंत्री सुमन वेदमूथा ने राजस्थान के प्रति त्याग एवं समर्पण का संदेश दिया। कार्यक्रम की मेंटर एवं सहमंत्री नीलम ललवानी ने राजस्थानी कार्यक्रमों एवं मारवाड़ी भाषा के माध्यम से सदस्यों का मनोरंजन करवाया। कार्यक्रम संयोजिका संगीता मालानी एवं सहसंयोजिका उर्मिला बरडिया ने बड़ी मेहनत के साथ कार्यक्रम को सफल बनाया तथा एक सुंदर नाटिका के द्वारा सभी का मनोरंजन किया। इस अवसर पर जीतो महिला विंग उपाध्यक्ष बबीता रायसोनी एवं मैनेजिंग कमेटी सदस्य लता बोहरा, ललिता नागोरी, नंदा मेहता, अर्पिता लदानी, इंदु खिवेसरा, पुष्पा गुलेचा, निशा तुक्लिया, रेशमा बडोला, निशा जियानी, दीपमाला जैन एवं बसंती जैन की मौजूदगी रही।

परमात्मा के दर्शन करते समय अपनी निजता का दर्शन करने के भाव रखें

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री जिन कुशल सूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट के तत्वाधान में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वी स्वर्णांजना श्री जी ने अपने प्रवचन में कहा कि हमारे द्वारा और दूसरों के द्वारा किए गए सुकृत कार्यों की हमें ऐसी अनुमोदना करनी है जिससे हमें जन्म जन्मों तक जिनशासन ही मिले। जीवन में सबसे उत्कृष्ट कार्य दूसरों को समाधि प्रदान करना है। हमें मन्दिर जी में प्रवेश करते समय क्रोध, मान, माया, लोभ, कषाय आदि विषयों का मर्दन करते हुए प्रवेश करना है। परमात्मा के दर्शन करने के समय अपनी निजता का दर्शन करने के भाव मन में रहना चाहिए। परमात्मा की एक पूजा करने से सम्यक् दर्शन, मोक्ष प्राप्त कर सकते हैं। आज के पंचम काल में परमात्मा के विरह काल में हमें जिन आगम और जिन प्रतिमा का आलम्बन मिला है, इनका आलम्बन लेकर हम इस संसार सागर से तिर सकते हैं। हमें इनकी विराधना नहीं करनी है। जीवन जीने की सुविहित कला वर्धमान सूरी जी के पश्चात उनके शिष्य बुद्धि सागर जी और जिनेश्वर सूरी जी ने बताई। संवेग रंगशाला ग्रन्थ की रचना श्री जिनचन्द्र सूरी जी ने की और हेमचन्द्राचार्य जी ने वीतराग स्तोत्र की रचना की।

केंद्र से नारियल खरीद के लिए

तुमकुरु के किसानों के खाते में 346 करोड़ रुपये का हुआ सीधा भुगतान: वी सोमन्ना

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। केंद्रीय रेलवे और जलविद्युत मंत्री वी. सोमन्ना ने कहा कि तुमकुरु जिले में किसानों से खरीदे गए नारियल की कीमत 346.50 करोड़ रुपये है और भुगतान सीधे किसानों के खाते में किया गया। वर्ष 2024 में तुमकुरु जिले के लगभग 27,000 किसानों से न्यूनतम समर्थन मूल्य के तहत कुल 3,15,000 क्विंटल गांठ नारियल खरीदा गया था। इस लिहाज से तुमकुरु के नारियल उत्पादकों को कुल 378 करोड़ रुपये का भुगतान किया जाना

था। इस संबंध में सोमवार तक 346.50 करोड़ (92 प्रतिशत) की राशि सीधे किसानों के खाते में भुगतान की जा चुकी है। इस बात की जानकारी देने वाले मंत्री ने बताया कि करीब 24600 किसानों को डीबीटी के जरिए सीधे उनके खाते में भुगतान किया जा चुका है और बाकी 2438 किसानों के खाते में 31.64 करोड़ का भुगतान किया जाना है। उन्होंने कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान को पत्र लिखकर अनुरोध किया है कि केंद्र में नेफेड से राज्य को मिलने वाली 691 करोड़ रुपये की बकाया राशि जारी करने के लिए कदम उठाए जाएं। उन्होंने किसानों के खाते में पैसे आने पर खुशी जताते हुए तुमकुरु के किसानों की ओर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मंत्री शिवराज सिंह चौहान को धन्यवाद दिया।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक सरकार शिक्षा विभाग द्वारासरकी क्लस्टर स्तरीय सरकारी उच्च प्राथमिक विद्यालय खेलकूद प्रतियोगिता का जेपी नगर स्थित बृहद बेंगलूरु महानगर पालिका खेल मैदान में आयोजन किया गया। इस स्पर्धा में 20 से भी ज्यादा विद्यालयों के बच्चों ने भाग लिया। विजेता प्रतिभागियों को मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत ने पुरस्कृत किया। क्षेत्रीय शिक्षा अधिकारी शिवकुमार, दैहिक शिक्षक मानसा, कौशल्या, यशोदा, पद्मावती एवं अन्य शिक्षक उपस्थित थे।

उत्तर कर्नाटक में बारिश से तबाही, सैकड़ों लोगों को राहत शिविरों में पहुंचाया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। गत 1 जून से कर्नाटक के कई इलाकों में भारी बारिश हुई है, जिससे बेलगावी जिले में पांच और बागलकोट जिले में बाढ़ के कारण दो लोगों की मौत हो गई। भारी बारिश के कारण राज्य के दक्षिणी हिस्से में पश्चिमी घाटों में भूस्खलन हुआ, जिससे रेल और सड़क संपर्क बाधित हुआ। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, राज्य ने सोमवार तक राज्य भर में 17 लाख से अधिक परिवारों को कुल 512.83 करोड़ रुपये की राशि वितरित की थी। राज्य ने 2874 रुपये प्रति परिवार की दर से राज्य भर में 17,88,664 परिवारों को यह राशि वितरित की थी। बाढ़ से सबसे अधिक प्रभावित परिवारों वाले जिलों में बेलगावी, हासन, तुमकुरु, कलबुर्गी, बीदर और हावेरी शामिल हैं। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, 1 जून से राज्य के 21 जिलों के 98 तालुकों में अधिक बारिश हुई, जबकि 10 में

सामान्य बारिश हुई। तुमकुरु, चामराजनगर, मांड्या, हासन, बेलगावी, मैसूरु में सामान्य से 50 प्रतिशत अधिक बारिश हुई। सोमवार को बेलगावी जिले के कागवाड तालुक में बाढ़ प्रभावित गांवों का दौरा करते हुए सिद्धारमैया ने कहा कि सरकार जिले के सभी विधायकों की बैठक बुलाएगी ताकि हर साल जलमग्न होने वाले गांवों के स्थायी पुनर्वास पर चर्चा की जा सके। उन्होंने कहा कि शाहपुर, गंगावती और जोगुला गांवों के करीब 3,000 परिवार हर मानसून में बाढ़ का सामना करते हैं और स्थायी समाधान की मांग की जा रही है। बेलगावी के करीब 46 गांव जलमग्न हो गए हैं, जिससे 10,000 से अधिक लोग प्रभावित हुए हैं। जिला प्रशासन ने 54 राहत केंद्र खोले थे, लेकिन बाढ़ का पानी कम होने के बाद अब इनकी संख्या कम हो गई है। सीएम ने कहा कि करीब 41,706 हेक्टेयर भूमि पर फसलें बर्बाद हो गई हैं और 372 हेक्टेयर बागवानी फसलों को नुकसान पहुंचने की खबर है। सिद्धारमैया ने कहा कि फसल नुकसान के सर्वेक्षण का पहले ही आदेश दिया जा चुका है और इसके पूरा होने के बाद मुआवजा दिया जाएगा। सिद्धारमैया ने यह भी कहा कि जिले में 48 घर पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गए हैं और 950 आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हुए हैं। सिद्धारमैया ने कहा कि एनडीआरएफ के मानदंडों के अनुसार आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त घरों को 6,500 रुपये दिए जाने चाहिए, लेकिन राज्य सरकार आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त प्रत्येक घर के लिए कुल 50,000 रुपये दे रही है। कर्नाटक राज्य प्राकृतिक आपदा निगरानी केंद्र के आंकड़ों के अनुसार, मानसून की शुरुआत से बेलगावी जिले में सामान्य से 34 प्रतिशत अधिक बारिश हुई है। जुलाई में जिले में सामान्य से लगभग 88 प्रतिशत अधिक बारिश हुई तथा अगस्त के प्रथम सप्ताह में 6 अगस्त तक सामान्य से लगभग 27 प्रतिशत अधिक बारिश हुई। बागलकोट में, जब बागलकोट के लगभग 20 गाँवों में बाढ़ आई थी, तब जिला प्रशासन ने 23 राहत केंद्र खोले थे, लेकिन वर्तमान में 12 केंद्र काम कर रहे हैं, जो जामखंडी तालुक के 1,350 लोगों को आश्रय प्रदान कर रहे हैं।

बाढ़ लगभग हर साल आने वाली घटना बन गई

जबकि बागलकोट में भारी बारिश नहीं होती है, महाराष्ट्र के पश्चिमी घाटों में जब भी भारी बारिश होती है, तो जिले के कुछ हिस्से जलमग्न हो जाते हैं, जिससे कृष्णा, घाटप्रभा और मालाप्रभा नदियों में भारी बाढ़ आ जाती है। बांधों से पानी छोड़ा जाता है, जिससे जिले के कुछ हिस्सों में बाढ़ आ जाती है। बागलकोट जिले में बाढ़ आना असामान्य था, जो हर कुछ वर्षों में होता था, जैसे कि 2005 और 2009 में। हालाँकि, 2019 के बाद से, जिले में बाढ़ लगभग हर साल आने वाली घटना बन गई है।

नारायणस्वामी ने सब-इंस्पेक्टर के परिवार को सांत्वना दी

विधायक के इस्तीफा की मांग के साथ ही जांच को सीबीआई को देने का किया आग्रह

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। विधान परिषद में विपक्ष के नेता चलवाडी नारायणस्वामी ने मंगलवार को करातगी तालुक के सोमनाला गांव का दौरा किया और मृतक उप-निरीक्षक परशुराम के परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की।

इस दौरान उन्होंने अपने एक महीने का वेतन 60,000 रुपये मृतक सब-इंस्पेक्टर परशुराम के परिवार को सौंप दिया। पूर्व विधायक बसवराज और पराना

मनवल्ली भी मौजूद थे। चलवाडी नारायणस्वामी ने कहा कि यादगीर पुलिस उप-निरीक्षक (पीएसआई) परशुराम, जिनकी तनाव और मानसिक उत्पीड़न के कारण दिल का दौरा पड़ने से मृत्यु हो गई, की पत्नी ने उनकी मौत के लिए यादगीर विधायक और उनके बेटे के खिलाफ लिखित शिकायत दर्ज की है।

इस भ्रष्ट कांग्रेस सरकार में ईमानदार और कुशल अधिकारियों का कोई अस्तित्व नहीं है। दोषी पक्ष के तहत तुरंत विधायक से इस्तीफा मांगा जाना चाहिए। इसके अलावा नारायणस्वामी ने कहा कि वह सरकार से मामले की जांच सीबीआई को सौंपने का आग्रह करते हैं।

एटीएम ग्राहकों को धोखा देने के आरोप में दो गिरफ्तार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। सुब्रमण्यपुरा पुलिस ने मंगलवार को बिहार के दो लोगों को गिरफ्तार किया, जो कथित तौर पर एटीएम में आने वाले लोगों के कार्ड बदलकर उन्हें धोखा देते थे। आरोपियों की पहचान बिहार के पूर्वी चंपारण के 28 वर्षीय विवेक कुमार और उसके साथी 24 वर्षीय चुन्नीलाल कुमार के रूप में हुई है। पुलिस ने विभिन्न बैंकों के 37 कार्ड और 7,500 रुपये की नकदी बरामद की है। पुलिस के अनुसार, आरोपी भोले-भाले लोगों को निशाना बनाकर एटीएम के इर्द-गिर्द घूमते थे। मदद का झांसा देकर दोनों कार्ड बदल लेते थे और असली कार्ड और पिन नंबर लेकर फरार हो जाते थे। इसी तरीके से आरोपियों ने 31 जुलाई को उत्तरहल्ली मेन रोड पर एक एटीएम में पिन बदलने आए एक व्यक्ति का कार्ड छीन लिया। आरोपी जल्द ही दूसरे एटीएम में गए और 75,000 रुपये निकाल लिए।

पीड़ित को अपने मोबाइल फोन पर ट्रांजेक्शन अलर्ट मिलने पर एहसास हुआ कि उसके साथ धोखाधड़ी हुई है और वह बैंक पहुंचा और शिकायत की। बैंक अधिकारियों ने पुलिस को सूचित करने से पहले ही लेनदेन को रोक दिया। शिकायत के आधार पर, पुलिस की एक टीम ने सीसीटीवी कैमरे की फुटेज का विश्लेषण किया और आरोपी तक पहुँचने से पहले एटीएम पर नजर रखी। एक अन्य घटना में, इलेक्ट्रॉनिक्स सिटी पुलिस ने एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया, जिसने पिछले महीने बेगुर में एक व्यक्ति का एटीएम कार्ड बदलकर उससे 61,500 रुपये ठग लिए थे। पीड़ित को पता ही नहीं चला कि उसके खाते से 61,500 रुपये निकल गए हैं। अपने गृहनगर पहुंचने पर उसे धोखाधड़ी का अहसास हुआ और बाद में उसने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने आरोपी को पकड़ लिया और उसके पास से 32 एटीएम कार्ड और 4,000 रुपये नकद बरामद किए।

सड़क हादसे में व्यक्ति की मौत

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो। करकला के मियार में सोमवार देर रात एक स्कूटर और टेम्पो में टक्कर हो गई, जिससे स्कूटर चला रहे काशीनाथ (38) की मौत हो गई। मियार निवासी काशीनाथ का कल्या के हलेकट्टे में सैलून था। दुर्घटना के समय वह अपनी दुकान बंद करके घर जा रहे थे। जब वह स्कूटर चला रहे थे, तभी उनके सामने से एक एम्बुलेंस गुजरी। एम्बुलेंस का पीछा करते हुए काशीनाथ ने नल्लूर बसादी की सड़क पर स्थित अपने घर की ओर जाने वाली सड़क पर मुड़ने का प्रयास किया। तेज गति से आ रहे एक टेम्पो ने काशीनाथ के स्कूटर को टक्कर मार दी। वह गंभीर रूप से घायल हो गए और उन्हें करकला सरकारी अस्पताल ले जाया गया। उसकी चोटों की गंभीरता के कारण उन्हे फिर मणिपाल अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया। प्रयासों के बावजूद, अस्पताल पहुंचने से पहले ही काशीनाथ ने दम तोड़ दिया। मूल रूप से हलेकट्टे के रहने वाले काशीनाथ चार साल पहले मियार में आकर बस गए थे। वह अविवाहित थे और सामाजिक कार्यों में सक्रिय रूप से शामिल थे, तथा हलेकट्टे के कल्या के चैतन्य मित्र मंडली के अध्यक्ष के रूप में कार्यरत थे। उनके परिवार में उनकी माँ और दो भाई हैं।

भजन संध्या का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। देवासी (राईका) समाज कनकपुरा रोड तातगुनी में स्थित समाज भवन में पवित्र सावन माह के तीसरे सोमवार को विशाल भजन संध्या का आयोजन देवासी द्वारा किया गया। जागरण का शुभारंभ भगवान शिव की तस्वीर के समक्ष दीप प्रज्वलित कर हुआ।

महादेव भजन मंडली के गायकों ने मधुर भजनों की प्रस्तुति दी। गायकों ने गणपति वंदना के बाद शिव भोला भंडारी

कुण लाया तुम्ड़ा इत्यादि भजनों की प्रस्तुति देकर भक्तों को झूमने पर मजबूर कर दिया। जागरण देर रात तक चलता रहा। इस अवसर पर देवासी समाज के बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे।

बस में सवार व्यक्ति को दिल का दौरा पड़ा, बचाने के तमाम प्रयासों के बावजूद उसकी मौत

मंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। एक निजी बस के चालक और कंडक्टर ने दयालुता दिखाते हुए सोमवार को एक यात्री को हृदयाघात के बाद अस्पताल पहुंचाया। हालांकि, अस्पताल पहुंचने से पहले ही उस व्यक्ति ने दम तोड़ दिया। परेरा ट्रैवल्स की बस सोमवार को सुबह करीब 8:30 बजे मंगलूरु से मणिपाल जा रही थी, तभी कोट्टारा चौकी पर एक यात्री उसमें चढ़ा। कुछ ही देर बाद वह व्यक्ति बेहोश हो गया। कौप नर्सिंग कॉलेज में सहायक लेक्चरर लिनेट ने प्राथमिक उपचार दिया और चालक और कंडक्टर को बताया कि उस व्यक्ति को हृदयाघात हुआ है। चालक और कंडक्टर ने तुरंत बस को मुक्का अस्पताल भेज दिया। कंडक्टर अनिल ने कहा जैसे ही यात्री बस में चढ़ा, वह एक साथी यात्री पर गिर पड़ा। शुरू में मुझे लगा कि उसे मिर्गी है, लेकिन जल्द ही हमें एहसास हुआ कि उसे दिल का दौरा पड़ा है और हमने उसे अस्पताल ले जाने का फैसला किया। अस्पताल के कर्मचारियों ने तुरंत उसका इलाज किया। ड्राइवर रवि ने कहा 2020 में कोविड की शुरुआत से पहले यात्री नियमित रूप से हमारी बस में आता था, लेकिन तब से मैंने उसे नहीं देखा। लिनेट ने बताया मैंने उस व्यक्ति पर सीपीआर किया क्योंकि वह हृदयाघात के कारण गिर गया था, लेकिन वह प्रतिक्रिया नहीं दे रहा था। फिर मैंने ड्राइवर और कंडक्टर को उसे निकटतम अस्पताल ले जाने का निर्देश दिया। सह-यात्री, ड्राइवर और कंडक्टर के सर्वोत्तम प्रयासों के बावजूद, दुर्भाग्य से अस्पताल पहुँचने से पहले ही उस व्यक्ति की मौत हो गई।

पीएम मोदी ने भारतीय अर्थव्यवस्था पर बिग बैंग नंबर जारी किए, बताया विकास का पूरा खाका

नई दिल्ली, 06 अगस्त (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को नमो ऐप पर 15-31 जुलाई के पखवाड़े के लिए अपने द्वि-साप्ताहिक भारत न्यूजलेटर के हिस्से के रूप में भारतीय अर्थव्यवस्था पर बिग बैंग नंबर जारी किए। इसमें प्रधानमंत्री ने दर्शाया कि भारत का मार्केट कैप रिकॉर्ड 5.5 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंच गया है। प्रधानमंत्री ने बताया कि लद्दाख और हिमाचल प्रदेश के बीच राज्य की सीमा पर शिनकुन ला में दुनिया की सबसे ऊंची सुरंग का निर्माण शुरू किया गया। वहीं, भारतीय एमएसएमई ने 4 वर्षों में 20.5 करोड़ से अधिक नौकरियां पैदा की, जबकि देश में 39% एमएसएमई का स्वामित्व अब महिलाओं के पास है, इसमें यह भी दर्शाया गया है।

इसके साथ ही इसमें बताया गया है कि देश में 1.4 लाख मान्यता प्राप्त स्टार्टअप 15.5 लाख नौकरियां पैदा कर रहे हैं। इसके साथ ही पिछले छह वित्तीय वर्षों में भारत में रोजगार 35 प्रतिशत बढ़कर 64.33 करोड़ हो गया है। इसके साथ ही इसमें जारी आंकड़ों के अनुसार विनिर्माण क्षेत्र (औपचारिक और अनौपचारिक संस्थाएं) में 2017-18 से 2022-23 तक 85 लाख रोजगार के अवसरों की वृद्धि देखी गई। वहीं, भारत का निर्यात 5.5 प्रतिशत बढ़कर 21.2 बिलियन डॉलर हो गया, जिसके परिणामस्वरूप 300 मिलियन डॉलर का ट्रेड सरप्लस हुआ है। इस वित्तीय वर्ष में निर्यात अब 800 अरब डॉलर से अधिक होने की तैयारी में है। जून में भारत में निर्मित इलेक्ट्रॉनिक

सामानों का निर्यात 16.9 प्रतिशत बढ़कर 2.82 बिलियन डॉलर हो गया। वहीं, पीएम मोदी ने जो आंकड़ा नमो ऐप पर जारी किया है, उसके अनुसार 2024-25 की पहली तिमाही में, भारत में निर्मित ऐप्पल आईफोन का निर्यात 3.8 बिलियन डॉलर तक पहुंच गया है, जो भारत के एफओबी मूल्य का 79% है। इसके साथ ही भारत का व्यापार घाटा जून में कम होकर 20.98 अरब डॉलर हो गया, जो मई में 23.78 अरब डॉलर था। भारत की बाहरी (एफडीआई) प्रतिबद्धताएं जून 2024 में बढ़कर 2.14 बिलियन डॉलर हो गईं, जबकि जून 2023 में यह 1.14 बिलियन डॉलर थी। वहीं, इंडिया इंक ने 2024 में विदेशी बॉन्ड से 32,619 करोड़ रुपये जुटाए। साथ ही एफपीआई ने भारतीय बाजारों में 30,772 करोड़ रुपये का निवेश किया। इसके साथ ही भारत का कार्ड भुगतान बाजार 2024 में 11.3 प्रतिशत बढ़कर 28.4 ट्रिलियन रुपये तक पहुंच जाने का भरोसा है। जीसीसी ने 6,667 लीजिंग सौदे पूरे किए, जिससे भारत में 16% की वृद्धि हुई। वित्त वर्ष 2024 के लिए लगभग 6 करोड़ नए आईटीआर भरे गए, इसमें से नई कर व्यवस्था के तहत 70 प्रतिशत कर दाता शामिल थे। घरेलू हवाई यातायात के तहत जून में यात्रियों की संख्या 5.76 प्रतिशत बढ़कर 13.2 मिलियन हो गई, जो पिछले साल 12.4 मिलियन थी। वहीं, ऑटोमोबाइल खुदरा बिक्री वित्त वर्ष 2025 की पहली तिमाही में 9 प्रतिशत बढ़कर 6.2 मिलियन यूनिट हो गई, जो वित्त वर्ष 2024 की पहली तिमाही में 5.7 मिलियन यूनिट थी। इसके साथ ही जनवरी-जून अवधि में पोर्शे इंडिया की बिक्री 40 प्रतिशत बढ़ी। बीएमडब्ल्यू इंडिया ने 2024 की पहली छमाही में 7,098 कारों, 3,614 बाइक और 2,000 ईवी की बिक्री के साथ रिकॉर्ड बनाया।

स्टील प्लांट हादसे में चार झुलसे

जगदलपुर, 06 अगस्त (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के जगदलपुर के नगरनार स्टील प्लांट में आज एक बड़ा हादसा हो गया है, जिसमें 4 लोग झुलसे और 2 की हालत गंभीर बताई जा रही है। टनल फर्नेस में शॉर्ट सर्किट हुई, जिससे भीषण आग लग गई। यह हादसा तब हुआ जब प्लांट में काम चल रहा था। इसी दौरान अचानक से शॉर्ट सर्किट के बाद टनल फर्नेस में भयानक आग भड़क गई। इस आग की6 चपेट में 4 लोग झुलस गए, जिनमें से 2 गंभीर बताए जा रहे हैं। आधिकारियों ने बताया कि ब्रेकर मेंटेनेंस का काम किया जा रहा था। तभी जोरदार विस्फोट हो गया। 2 गंभीर कर्मचारियों को रायपुर रेफर किया गया है।

मुर्मु को फिजी का सर्वोच्च नागरिक सम्मान पर मोदी, बिरला की बधाई

नई दिल्ली, 06 अगस्त (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी मोदी और लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला ने राष्ट्रपति दौपदी मुर्मु को फिजी के सर्वोच्च नागरिक सम्मान से विभूषित किए जाने पर उन्हें बधाई दी है और इसे देश के हर नागरिक के लिए गर्व का अवसर बताया है।

फिजी की यात्रा पर गईं श्रीमती मुर्मु को राजधानी सुवा के स्टेट हाउस में सोमवार को आयोजित समारोह में फिजी के राष्ट्रपति रातू विलियम मैवलिली काटोनिवेरे ने कंपेनियन ऑफ द ऑर्डर ऑफ फिजी सम्मान से सम्मानित किया। इस मौके पर श्रीमती मुर्मु ने कहा कि यह सम्मान भारत और फिजी के बीच गहरी मित्रता का प्रतीक है। प्रधानमंत्री ने श्रीमती मुर्मु को बधाई देते हुए सोसल मीडिया मंच एक्स पर कहा, द कम्पेनियन ऑफ द ऑर्डर ऑफ फिजी से सम्मानित होने पर राष्ट्रपति जी को बधाई। यह प्रत्येक भारतीय के लिए अत्यंत गर्व और खुशी का क्षण है। यह राष्ट्रपति जी के नेतृत्व के साथ-साथ भारत और फिजी के बीच ऐतिहासिक लोगों से लोगों के जुड़ाव की भी मान्यता है।

श्री बिरला ने एक बयान में कहा, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु जी को फिजी के सर्वोच्च नागरिक सम्मान, द कम्पेनियन ऑफ द ऑर्डर ऑफ फिजी से सम्मानित होने पर हार्दिक बधाई। यह प्रतिष्ठित सम्मान न केवल आपके असाधारण नेतृत्व और सार्वजनिक सेवा के प्रति समर्पण को दर्शाता है, बल्कि भारत के बढ़ते वैश्विक प्रभाव और प्रतिष्ठा को भी दर्शाता है। यह हम सभी के लिए गर्व का क्षण है।

भारत के धर्मगुरुओं ने बांग्लादेश में हिंदू समाज की रक्षा सुनिश्चित करने का किया आग्रह

नई दिल्ली, 06 अगस्त (एजेंसियां)। बांग्लादेश में सोमवार को शेख हसीना सरकार के तख्तापलट के बाद वहां हिंदुओं और उनके धार्मिक स्थलों पर हो रहे हमले को लेकर भारत के धर्मगुरुओं ने चिंता व्यक्त की है और पड़ोसी देश के हिंदू समाज की रक्षा सुनिश्चित किए जाने का आग्रह किया है। हसीना सरकार के तख्तापलट के बाद देश की बागडोर सेना के हाथ में है। धर्मगुरुओं ने हिन्दुओं, उनके प्रतिष्ठानों और मंदिरों पर हमलों को चिंता जताते हुये वहां की सेना से अनुरोध किया कि हिन्दू जनता की सुरक्षा सुनिश्चित की जाये।

विश्व हिंदू परिषद (विहिप) के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष एवं वरिष्ठ अधिवक्ता आलोक कुमार ने विश्व समुदाय से बंगलादेश में अल्पसंख्यकों की सुरक्षा तथा मानवाधिकारों की रक्षा के लिए प्रभावी कदम उठाने की अपील की है। श्री कुमार ने मंगलवार को यहां संवाददाताओं को संबोधित करते हुए कहा, हमारा पड़ोसी मुल्क बांग्लादेश इस समय अनिश्चितता, हिंसा और अराजकता में फंसा हुआ है। हसीना सरकार के त्यागपत्र और पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीन के देश छोड़ने के बाद अन्तरिम सरकार के गठन की प्रक्रिया चल रही है। संकट की इस घड़ी मे भारत बांग्लादेश के समस्त समाज के साथ एक मित्र के नाते मजबूती से खड़ा है।

उन्होंने कहा कि बंगलादेश में पिछले कुछ समय में हिन्दू, सिख तथा अन्य अल्पसंख्यकों के धार्मिक स्थानों, व्यापारिक प्रतिष्ठानों और घरों को भी नुकसान पहुंचाया गया है। उन्होंने बताया कि कल रात तक अकेले पंचगढ़ जिले में 22 घर, झीनैदाह में 20 घर तथा जैसोर में 22 दुकानों को कट्टरपंथियों ने निशाना बनाया। कट्टरपंथियों ने कई जिलों

में तो श्मशान तक तोड़ दिए गए। मंदिर और गुरुद्वारों को भी क्षति पहुंचाई गयी है। बांग्लादेश में शायद ही कोई जिला बचा हो, जो इनकी हिंसा तथा आतंक से बचा हो। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश में हिंदुओं की आबादी कभी 32 प्रतिशत थी, लेकिन अब 08 फीसदी से भी कम हैं वे भी लगातार जिहादी उत्पीड़न के शिकार हो रहे हैं।

योग गुरु स्वामी बाबा रामदेव ने हिन्दुओं और उनके धार्मिक स्थलों पर हमले को लेकर चिंता जताते हुए कहा,बांग्लादेश में हमारे हिंदू भाइयों पर किसी भी प्रकार की कोई क्रूरता, अत्याचार, जुल्म, ज़्यादती न हो। पड़ासी देश में हमारे हिंदू भाई जो वहां व्यापार कर रहे हैं या जो हमारे वहां पर हिंदू मंदिर हैं या हमारे भारतीय नागरिक वहां रह रहे हैं उनके साथ किसी प्रकार की कोई नाइंसाफी न हो इसके लिए पूरे देश को एकजुट रहना होगा और पहली बार मुझे यह देख करके प्रसन्नता हुई कि पूरा विपक्ष सरकार के साथ है और यही भारत की नीति होनी चाहिए नहीं तो जिस तरह से पुरी दुनिया में इस्लामिक कट्टरवाद बढ़ रहा है और वह भारत के पड़ोस में जिस तरह से उसने दस्तक दे दी है वह देश के लिए बहुत ही खतरनाक हो सकता है। हमारी इसी तरह की एकजुटता आगे भी लेनी चाहिए।

ज्योतिर्मठ पीठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने बांग्लादेश में कल तख्तापलट के बाद हिन्दुओं, उनके प्रतिष्ठानों और मंदिरों पर हमलों को चिंता जताते हुये वहां की सेना से अनुरोध किया कि हिन्दू जनता की सुरक्षा सुनिश्चित की जाये। शंकराचार्य ने कहा, हमें बांग्लादेश में राजनीतिक उथल-पुथल के बारे में सूचित किया गया है। देश सेना शासन के अधीन है। हम उम्मीद करते हैं कि सेना नागरिकों की सुरक्षा का अपना कर्तव्य अवश्य निभायेगी। बांग्लादेश में लगभग 10 प्रतिशत हिन्दू रहते हैं। उनकी सुरक्षा की जरूरत है, इसलिये हम सेना से यह सुनिश्चित करने का आग्रह करना चाहेंगे। गौरतलब है कि बंगलादेश में पिछले कुछ दिनों से जारी भारी तनाव और प्रदर्शनों के बीच प्रधानमंत्री शेख हसीना ने सोमवार को देश छोड़कर भारत में शरण ली। सुश्री हसीना के अपनी छोटी बहन शेख रेहाना के साथ देश छोड़ने के बाद हजारों प्रदर्शनकारियों ने उनके सरकारी आवास गणभवन पर धावा बोल दिया।

सुप्रीम कोर्ट ने मालेगांव विस्फोट के आरोपी कुलकर्णी की याचिका खारिज की

नई दिल्ली, 06 अगस्त (एजेंसियां)। उच्चतम न्यायालय ने 2008 के मालेगांव विस्फोट मामले में कथित तौर पर शामिल होने के आरोप में गिरफ्तार समीर कुलकर्णी की याचिका मंगलवार को खारिज कर दी। न्यायमूर्ति एम एम सुंदरेश और अरविंद कुमार की पीठ ने याचिका पर सुनवाई करने से इनकार करते हुए कुलकर्णी का पक्ष रख रहे अधिवक्ता से कहा कि वह बॉम्बे उच्च न्यायालय के आदेश में हस्तक्षेप करने के इच्छुक नहीं है। उच्च न्यायालय ने आरोपी कुलकर्णी की याचिका खारिज कर दी थी।

गौरतलब है कि महाराष्ट्र के नासिक जिले के मालेगांव शहर में एक मोटरसाइकिल से बंधे बम फटने से छह लोग मारे गए थे और लगभग 100 लोग घायल हो गए थे। शीर्ष अदालत के समक्ष याचिकाकर्ता की ओर से पेश अधिवक्ता विष्णु शंकर जैन के साथ वरिष्ठ अधिवक्ता श्याम दीवान ने तर्क दिया कि अभियोजन पक्ष ने गैरकानूनी गतिविधि

(रोकथाम) यूएपीए की धारा 45(2) के तहत मंजूरी नहीं ली है। उन्होंने दलील दी कि इस पृष्ठभूमि में यूएपीए के तहत आरोप कायम नहीं रह सकते। उन्होंने दावा किया कि यूएपीए के तहत केंद्र सरकार से एनआईए द्वारा अभियोजन के लिए मंजूरी नहीं मिली थी। श्री दीवान ने तर्क दिया कि जब मामला राष्ट्रीय जांच एजेंसी (आईएनए) को सौंपा गया, तो केंद्र द्वारा अनुमति ली जानी चाहिए थी। इस पर पीठ ने कहा, हमें निर्णय (उच्च न्यायालय के) में हस्तक्षेप करने का कोई कारण नहीं मिला।

न्यायालय ने अप्रैल में विशेष अदालत के समक्ष कुलकर्णी के खिलाफ कार्यवाही पर रोक लगा दी थी। कुलकर्णी ने दलील दी कि उनका मुख्य मामला यह है कि राज्य सरकार या केंद्र सरकार से अभियोजन के लिए कोई वैध पूर्व अनुमति नहीं होने के कारण मुकदमा आगे नहीं बढ़ सकता। उन्हें साध्वी प्रज्ञा सिंह ठाकुर और लेफ्टिनेंट कर्नल प्रसाद श्रीकांत पुरोहित सहित नौ अन्य लोगों के साथ उसी वर्ष विस्फोट की साजिश के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। आरोपी कुलकर्णी ने बॉम्बे उच्च न्यायालय के 28 जून 2023 के आदेश की सत्यता को चुनौती दी, जिसमें मुंबई की विशेष अदालत के 20 अप्रैल 2023 के आदेश को बरकरार रखा गया था। एनआईए ने दावा किया कि वर्तमान याचिका याचिकाकर्ता द्वारा कानून की प्रक्रिया के दुरुपयोग का उत्कृष्ट उदाहरण है, क्योंकि मुकदमा का निपटारा होने वाला है।

नीट प्रश्न पत्र लीक मामले में दो अभियुक्तों को मिली जमानत

पटना, 06 अगस्त (एजेंसियां)। बिहार में पटना की एक विशेष अदालत ने नेशनल टेस्टिंग एजेंसी की ओर से आयोजित राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) 2024 के प्रश्न पत्र लीक मामले में जेल में बंद दो अभियुक्तों को मंगलवार को जमानत पर मुक्त करने का आदेश दिया।

केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) की विशेष न्यायिक दंडाधिकारी कुमारी रिंकू की अदालत में याचिका दाखिल कर इस मामले के जेल में बंद अभियुक्त बिट्टू कुमार और रीना कुमारी की ओर से उन्हें मुक्त किए जाने की प्रार्थना की गई थी। दोनों पक्षों के दलीलें सुनने के बाद अदालत ने दोनों अभियुक्तों को दस-दस हजार रुपये के दो जमानतदारों के साथ इसी राशि का बंध पत्र दाखिल करने पर जमानत पर मुक्त किए जाने का आदेश दिया। सीबीआई ने 01 अगस्त 2024 को दाखिल किए गए अपने आरोप पत्र में इन दोनों अभियुक्तों को आरोपित नहीं किया है। सीबीआई द्वारा 13 अभियुक्तों के खिलाफ

NATIONAL TESTING AGENCY

दाखिल किए गए आरोप पत्र संज्ञान के बिंदु पर सुनवाई 09 अगस्त 2024 को होगी।

गौरतलब है कि 05 मई 2024 को पूरे देश में नीट 2024 की परीक्षा आयोजित की गई थी। इस परीक्षा के दौरान गड़बड़ी करने के आरोप में पटना के शास्त्री नगर थाना प्रभारी अमर कुमार ने कुछ लोगों को गिरफ्तार किया और शास्त्री नगर थाना कांड संख्या 358/2024 के रूप में एक प्राथमिकी दर्ज की। बाद में मामला आर्थिक अपराध इकाई को सौंप दिया गया। उसके बाद प्रश्न पत्र लीक होने का मामला उजागर हुआ और केंद्र सरकार ने मामले की जांच सीबीआई को सौंप दी। सीबीआई 23 जून 2024 को अपनी प्राथमिकी आरसी 224/2024 के रूप में भारतीय दंड विधान की धारा 120बी, 406, 407, 408 और 409 के तहत दर्ज करने के बाद अनुसंधान कर रही है। अदालत में यह मामला आरसी 6ई/2024 के रूप में दर्ज है। इस मामले में अभी तक 42 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है, जिनमें से 41 अभियुक्त न्यायिक हिरासत में जेल में बंद हैं और एक अभियुक्त सुशांत कुमार मोहंती पुलिस रिमांड पर हिरासती पूछताछ के लिए सीबीआई की अभिरक्षा में है। सीबीआई इस मामले में 01 जुलाई 2024 को 13 अभियुक्तों के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल कर चुकी है। अनुसंधान अभी जारी है। आज जिन दो अभियुक्तों को जमानत दी गई है उन्हें बंध पत्र दाखिल करने के बाद जेल से मुक्त कर दिया जायगा।

हिजाब पर बैन के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट जल्द ही करेगा सुनवाई

नई दिल्ली, 06 अगस्त (एजेंसियां)। उच्चतम न्यायालय ने मंगलवार को कहा कि मुंबई के एक निजी कॉलेज में विद्यार्थियों के हिजाब, नकाब, बुर्का, टोपी आदि पहनने पर लगाए गए प्रतिबंध को बरकरार रखने के बॉम्बे उच्च न्यायालय के फैसले को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई करेगा।

मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने कॉलेज के छात्रों के एक समूह द्वारा दायर इस याचिका पर सुनवाई करने पर सहमति जताते हुए याचिकाकर्ताओं के अधिवक्ता से कहा कि मामले को जल्द ही सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया जाएगा। पीठ के समक्ष याचिकाकर्ताओं के अधिवक्ता ने मामले को अत्यावश्यक बताते हुए शीघ्र सूचीबद्ध करने का अनुरोध किया। अधिवक्ता ने कहा, यूनिट टेस्ट जल्द ही होंगे, कृपया इसे सूचीबद्ध करें। मुख्य न्यायाधीश ने याचिकाकर्ताओं के वकील से कहा, मैंने मामले

की सुनवाई के लिए पहले ही एक पीठ को नियुक्त कर दिया है और इसे आने वाले दिनों में जल्द ही सूचीबद्ध किया जाएगा। विद्यार्थियों ने अपनी याचिका में तर्क दिया कि ड्रेस कोड मनमाना और भेदभावपूर्ण है। कॉलेज ने ड्रेस कोड लागू करने का आदेश देकर गलत किया है।

उन्होंने कहा, यह कोड उनके परिधान चुनने के अधिकार यानी संविधान के अनुच्छेद 19(1) (ए) के तहत उनकी निजता और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के अधिकार और संविधान के अनुच्छेद 25 के तहत उनके धर्म की स्वतंत्रता के अधिकार का उल्लंघन करता है। याचिकाकर्ताओं ने कहा कि ड्रेस कोड और परिसर में हिजाब, नकाब, बुर्का आदि पर प्रतिबंध उनके मौलिक अधिकारों का उल्लंघन करता है। कोड के अनुसार, विद्यार्थियों की पोशाक औपचारिक और शालीन होनी चाहिए और किसी भी विद्यार्थी के धर्म का खुलासा नहीं करना चाहिए। मुंबई में एन जी आचार्य और डी के मराठे कॉलेज के अधिकारियों ने अपने विद्यार्थियों को परिसर में हिजाब, नकाब, बुर्का, स्टोल, टोपी आदि पहनने से रोकने के लिए एक ड्रेस कोड निर्धारित किया है। नौ छात्राओं ने इस ड्रेस कोड को बॉम्बे उच्च न्यायालय में चुनौती दी थी, जहां न्यायमूर्ति ए एस चंदुरकर राजेश एस पाटिल की पीठ ने 26 जून को याचिका पर विचार करने से इनकार कर दिया था। उच्च न्यायालय ने कहा था कि ड्रेस कोड का पालन करने का आग्रह कॉलेज परिसर के भीतर है और याचिकाकर्ताओं की पसंद और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता अन्यथा प्रभावित नहीं होती है।

योगी सरकार का एक और बड़ा फैसला

बिना विवाद हो सकेगा विरासती सम्पत्ति का बंटवारा

लखनऊ, 06 अगस्त (एजेंसियां)। मात्र 5,000 रुपए के स्टाम्प शुल्क के साथ अपनी अचल सम्पत्ति को रक्तसंबंधियों के नाम करने की बड़ी सहूलियत देने के बाद उत्तर प्रदेश में अब पारिवारिक विभाजन और व्यवस्थापन में भी बड़ी सुविधा मिलने जा रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने निर्देश दिए हैं कि एक परिवार के सदस्यों के बीच अचल सम्पत्ति के बंटवारे तथा जीवित व्यक्ति द्वारा अपनी सम्पत्ति को अपने परिवारी जनों के नाम किए जाने पर देय स्टाम्प शुल्क भी 5,000 रुपए तय किया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि अधिक खर्च के कारण प्रायः परिवार में विभाजन की स्थिति में विवाद की स्थिति बनती है और कोर्ट केस भी होते हैं। न्यूनतम स्टाम्प शुल्क होने से परिवार के बीच सेटलमेंट आसानी से हो सकेगा। मंगलवार को एक महत्वपूर्ण बैठक में मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री जी के मार्गदर्शन में राज्य सरकार द्वारा आम आदमी के ईज़ ऑफ़ लिविंग के लिए अनेक प्रयास किए गए हैं। सम्पत्ति विभाजन और व्यवस्थापना प्रक्रिया में सरलीकरण से लोगों को और सुविधा होगी।

विभाजन विलेख में सभी पक्षकार विभाजित सम्पत्ति में संयुक्त हिस्सेदार होते हैं एवं विभाजन उनके मध्य होता है। विभाजन विलेख में प्रस्तावित छूट एक ही मृतक व्यक्ति के समस्त लीनियल डीसेंडेंट्स, जो सहस्वामी हों, को आच्छादित करेगी अर्थात यदि दादा की मूल सम्पत्ति में वर्तमान जीवित हिस्सेदार चाचा/भतीजा / भतीजी हैं, तो वह इसका उपयोग कर सकते हैं। व्यवस्थापन विलेख में व्यवस्थापन कर्ता पक्षकार (जीवित) अपनी व्यापक सम्पत्ति को कई पक्षकारों के मध्य निस्तारित करता है। व्यवस्थापन विलेख में प्रस्तावित छूट के अधीन व्यवस्थापन कर्ता पक्षकार अपने समस्त लीनियल डीसेंडेंट्स/डीसेंडेंट्स, जो किसी भी पीढ़ी के हों, के पक्ष में व्यवस्थापन कर सकता है। अर्थात सम्पत्ति यदि परदादा परदादी जीवित हों, तो उनके पक्ष में, एवं यदि प्रपौत्र/प्रपौत्री जीवित हों, तो उनके पक्ष में भी किया जा सकता है।

योगी सरकार के इस फैसले के बाद अब बिना विवाद पीढ़ियों की सम्पत्ति का आसानी से बंटवारा हो सकेगा। खुद के जीवित रहते अपनी अचल सम्पत्ति को परिवारीजनों को देने में सहूलियत होगी। मुख्यमंत्री के निर्देश पर विभाजन और व्यवस्थापन के लिए नई व्यवस्था शीघ्र लागू होगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने निर्देश दिए हैं कि एक परिवार के सदस्यों के बीच अचल सम्पत्ति के बंटवारे और जीवित व्यक्ति द्वारा अपनी सम्पत्ति को अपने परिजनों के नाम किए जाने पर देय स्टाम्प शुल्क भी 5,000 रुपए तय किया जाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अधिक खर्च के कारण प्रायः परिवार में विभाजन की स्थिति में विवाद की स्थिति बनती है और कोर्ट केस भी होते हैं।

न्यूनतम स्टाम्प शुल्क होने से परिवार के बीच सेटलमेंट आसानी से हो सकेगा। मंगलवार को एक महत्वपूर्ण बैठक में मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में राज्य सरकार द्वारा आम आदमी के ईज ऑफ लिविंग के लिए अनेक प्रयास किए गए हैं। सम्पत्ति विभाजन और व्यवस्थापना प्रक्रिया में सरलीकरण से लोगों को और सुविधा होगी।

अयोध्या बलात्कार कांड

बलात्कारी सपा नेता का गुर्गा सीतापुर का

अयोध्या/सीतापुर, 06 अगस्त (एजेंसियां)। अयोध्या सामूहिक दुष्कर्म के तार सीतापुर से जुड़ते ही लहरपुर का मूड़ीखेड़ा गांव पूरे प्रदेश में चर्चा में आ गया है। जिला मुख्यालय से 22 किलोमीटर दूर लहरपुर-सीतापुर मुख्य मार्ग से गनेशपुर मोड़ आता है, जहां से पक्के रास्ते पर तीन किलोमीटर आगे बढ़ने पर मूड़ीखेडा गांव की सीमा शुरू होती है। गांव के अंदर तंग खड़ंजा मार्ग पर तीसरा घर राजू खान का है। यह वही राजू है जिस पर अयोध्या में नाबालिग संग दुष्कर्म का आरोप है। घटना से राजू के जुड़ाव की जानकारी होने पर ग्रामीण शर्मिंदा हैं। वह कहते हैं कि यह बुरा हुआ।

राजू ने अपनी करतूत से पूरे गांव को कलंकित कर दिया। मूड़ीखेड़ा गांव में सोमवार को सन्नाटा था। ग्रामीणों से जब अयोध्या दुष्कर्म कांड पर चर्चा की तो उन्होंने सिर झुका लिया। राजू खान के संबंध में पहले तो कोई बात करने के लिए तैयार नहीं हुआ। बड़ी मुश्किल से रियाज खान ने बताया कि अखबार पढ़कर मामले की जानकारी हुई। घटना के कुछ दिन बाद ही राजू गांव आया था। कुछ देर रुकने के बाद चला गया। इसके बाद बोले, ऐसे घिनौने इंसान के बारे में बात नहीं करना चाहता। रेहान ने बताया कि घटना के बाद राजू लहरपुर कस्बे में रह रहा था। बाद में पता चला कि पुलिस ने उसे पकड़ लिया है। ग्रामीणों के अनुसार राजू लहरपुर कस्बा क्षेत्र के ठठेरी टोला में छिपा था। ग्रामीण मतीन खान ने बताया कि राजू कभी कभार ही गांव आता था। उसे देख कभी नहीं लगा कि कुछ ऐसा कर सकता है।

राजू खान के परिजन मूड़ीखेड़ा गांव में ही रह रहे हैं। सभी मजदूरी करते हैं। राजू के पांच भाई और चार बहनें हैं। परिवार के पास बस एक बीघा जमीन है, जिसकी देखभाल बड़ा भाई शादाब करता है। पिता अयाज खान 58 वर्ष के हैं। काफी देर तक दरवाजा खटखटाने के बाद भी वह घर से बाहर नहीं आए। ग्रामीणों ने बताया कि घटना की जानकारी के बाद से वह किसी से बातचीत नहीं कर रहे हैं। वहीं, घर की महिलाओं ने अंदर से ही उनके कहीं बाहर जाने की बात बताई।

मूड़ीखेड़ा निवासी अल्ताफ खान ने बताया कि राजू के परिवार की आर्थिक स्थिति दयनीय है। कच्चे बरामदे पर छप्पर पड़ा है। मकान पक्का बना है, लेकिन प्लास्टर नहीं है। परिवार के लोग मजदूरी कर खर्च चलाते हैं। करीब चार वर्ष पूर्व राजू साथियों के साथ अयोध्या चला गया था। वहीं, सपा नेता की बेकरी में काम करने लगा। कांग्रेस पार्टी के प्रतिनिधिमंडल ने जिला अध्यक्ष अखिलेश यादव की अगुवाई में जिला महिला चिकित्सालय पहुंचकर भदरसा कांड की पीड़िता से मिलकर उसका हाल जाना। पार्टी के जिलाध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा जांच के बाद दोषी पाए जाने पर दोषियों के खिलाफ सरकार सख्त कार्रवाई करे। उन्होंने कहा इस मामले में राजनीति नहीं होनी चाहिए।

महिला जिला अध्यक्ष रेनू राय ने कहा हम लोगों की संवेदना पीड़िता के साथ है। सरकार को पीड़िता के लिए उपयुक्त चिकित्सीय प्रबंध करना चाहिए। इस मुद्दे को राजनीतिक रंग न देकर न्यायालय को स्वतः संज्ञान लेकर बालिका के समुचित सुरक्षा की व्यवस्था की जानी चाहिए।

एक मंडल एक विश्वविद्यालय की परिकल्पना साकार

अब एक जिला एक विश्वविद्यालय का लक्ष्य: योगी

लखनऊ, 06 अगस्त (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राज्य के उच्च शिक्षा क्षेत्र में निजी निवेश को प्रोत्साहन देने के लिए नई नीति तैयार करने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि विगत 07 वर्षों में सतत प्रयासों से प्रदेश में एक मंडल-एक विश्वविद्यालय की परिकल्पना पूरी हो चुकी है। सभी 18 मंडलों में विश्वविद्यालयों की स्थापना हो चुकी है। कई मंडलों में निर्माण कार्य जारी है। मंडलों के बाद अब हमारा लक्ष्य एक जिला-एक विश्वविद्यालय का होना चाहिए। वर्तमान में 35 जनपदों में विश्वविद्यालय की उपलब्धता है, शेष असेवित जिलों में विश्वविद्यालयों के लिए निजी क्षेत्र बड़ा सहयोगी बन सकता है। उच्च शिक्षा में निजी क्षेत्र के वित्तपोषण को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। यह हमारे उद्देश्यों की पूर्ति में पूरक भूमिका निभा सकते हैं।

प्रदेश में उच्च शिक्षा की बढ़ती मांग को देखते हुए, निजी निवेश उच्च शिक्षा तक पहुंच बढ़ाने के सरकारी प्रयासों में सहायक हो सकता है। इससे छात्रों के लिए उपलब्ध संस्थानों, पाठ्यक्रमों और सीटों की संख्या में वृद्धि होगी, साथ ही यह शिक्षा और अनुसंधान की गुणवत्ता को बढ़ाने के प्रयासों में भी सहायता मिलेगी। भारत के सबसे युवा राज्य के रूप में उत्तर प्रदेश उच्च शिक्षा में एक विशेष स्थान रखता है। उत्तर प्रदेश, जिसकी औसत आयु 21 वर्ष है, जो 2030 तक बढ़कर 26 वर्ष हो जाएगी और भारत की युवा आबादी में इसका योगदान 16.5% होगा। वर्तमान में उत्तर प्रदेश की ग्रास एनरोलमेंट रेट (जीईआर) 25.6% है, जिसे राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुसार 2035 तक 50% तक बढ़ाना आवशयक है। निजी निवेश प्रोत्साहन नीति इस अंतर की पूरा सकती है।

योगी ने कहा कि उच्च शिक्षा में निजी निवेश वर्तमान समय की अनिवार्य आवश्यकता है। अन्य राज्यों की सम्बंधित नीति का अध्ययन करें। स्टेकहोल्डर्स से संवाद करें और यथाशीघ्र उच्च शिक्षा प्रोत्साहन नीति तैयार कर प्रस्तुत करें। नई नीति में निवेशकों को स्टाम्प ड्यूटी में छूट, कैपिटल सब्सिडी आदि प्रोत्साहन को यथोचित स्थान दें। नई नीति में आकांक्षात्मक जनपदों में विश्वविद्यालयों की स्थापना पर अतिरिक्त प्रोत्साहन का प्रावधान होना चाहिए। इसे प्राथमिकता दें। इसी प्रकार, विश्व की टॉप रैंकिंग वाले विश्वविद्यालयों के कैम्पस के प्रस्ताव पर भी विशेष प्रोत्साहन प्रावधान रखें।

भारत ग्रामीण संवाद का चौथे संस्करण

महिला किसानों को सशक्त बनाना महत्वपूर्ण: ब्रजेश पाठक

लखनऊ, 06 अगस्त (एजेंसियां)। लखनऊ के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित भारत ग्रामीण संवाद के चौथे संस्करण ने कृषि मूल्य श्रृंखलाओं में समावेश को बढ़ाने के महत्व को रेखांकित किया, ताकि किसानों की बाहरी तत्वों पर निर्भरता कम हो सके और उत्तर प्रदेश में आर्थिक समृद्धि को बढ़ावा मिल सके। ट्रांसफॉर्म रूरल इंडिया द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में विशेषज्ञों और नीति निर्माताओं के साथ एक पैनल चर्चा भी आयोजित की गई, जिसमें विभिन्न क्षेत्रों में कार्यबल की विविधता को बढ़ाने की तत्काल आवश्यकता पर जोर दिया गया, जिससे प्रभावी और स्थायी विकास पर ध्यान केंद्रित किया गया।

इस संवाद का एक महत्वपूर्ण पहलू ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार पर एक सत्र था, जिसकी शुरुआत ब्रजेश पाठक, उपमुख्यमंत्री और उत्तर प्रदेश सरकार के चिकित्सा शिक्षा, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री द्वारा की गई प्रमुख भाषण से हुई। उन्होंने जोर दिया, हम सार्वजनिक स्वास्थ्य ढांचे को सुदृढ़ करने और ग्रामीण क्षेत्रों में सामुदायिक भागीदारी को बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। निकट भविष्य में, उत्तर प्रदेश से प्रशिक्षित नर्सें पूरे देश में सेवाएं प्रदान करेंगी। नए विचार महत्वपूर्ण हैं और हमारी सरकार भारत ग्रामीण संवाद में प्राप्त नवोन्मेषी सुझावों पर काम करने के लिए प्रतिबद्ध है।

पैनल ने स्वास्थ्य सेवा की गुणवत्ता को बढ़ाने के लिए सामुदायिक आधारित मॉडलों को एक रणनीति के रूप में उजागर किया और इस बात पर जोर दिया कि विकास के लाभ को ग्रामीण उत्तर प्रदेश के सभी कोनों तक पहुंचाने के लिए सामूहिक कार्रवाई की आवश्यकता है, जिससे एक अधिक समावेशी और समृद्ध राज्य अर्थव्यवस्था का मार्ग प्रशस्त हो सके।

फ्लरिशिंग ग्रामीण उत्तर प्रदेश: एक ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था के लिए रणनीतियां शीर्षक वाले सत्र की अध्यक्षता कृषि उत्पादन आयुक्त डॉ. देवेश चतुर्वेदी ने की। इस सत्र ने कृषि में महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका और कृषि मूल्य श्रृंखलाओं को सृजनशील बनाने की आवश्यकता पर ध्यान केंद्रित किया, ताकि उत्तर प्रदेश को एक ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था में परिवर्तित करने के महत्वाकांक्षी लक्ष्य को प्राप्त किया जा सके। उन्होंने कहा, सरकार सड़कें, बिजलीकरण, सिंचाई, उर्वरक आदि जैसे कृषि-संबंधित सुविधाओं में महत्वपूर्ण निवेश कर रही है, लेकिन चुनौती यह है कि कृषि में अधिक निजी क्षेत्र के निवेश को आकर्षित किया जाए, ताकि ठंडी श्रृंखला सुविधाएं और बायबैक व्यवस्थाएं बनाई जा सकें, कृषि हानियों को कम किया जा सके और किसानों को बेहतर मूल्य मिल सके।

पैनल ने कृषि में प्रौद्योगिकी के एकीकरण की आवश्यकता, सतत कृषि प्रथाओं को बढ़ावा देने, और कृषि क्षेत्र को मजबूत करने में महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका को मान्यता देने पर भी चर्चा की। आवश्यक नीतिगत सुधार महिलाओं किसान की भलाई को और समर्थन प्रदान करेंगे और विकास को बढ़ावा देंगे। सत्र में फ्लिपकार्ट ग्रुप के सस्टेनेबिलिटी हेड निशांत गुप्ता और वॉलमार्ट के सोशल और एनवायर्नमेंटल इम्पैक्ट सलाहकार ने भी अपने विचार साझा किए, जिन्होंने उल्लेख किया कि महिलाओं को एफपीओ में संगठित करना मशीनीकरण और मूल्य वर्धन की व्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान करता है, जिससे अंततः कृषि आय बढ़ती है। संसाधनों तक पहुंच और उन पर नियंत्रण मजबूत मूल्य श्रृंखलाओं को प्रोत्साहित करने के लिए महत्वपूर्ण हैं। सत्र का समापन कृषि में महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए रणनीतिक उपायों की अपील के साथ हुआ, उनके राज्य की आर्थिक वृद्धि और व्यापक विकासात्मक लक्ष्यों को प्राप्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका को मान्यता देते हुए।

वर्कफोर्स डाइवर्सिफिकेशन: फ्लरिशिंग यूपी के लिए अनिवार्य शीर्षक वाले एक महत्वपूर्ण पैनल चर्चा ने उत्तर प्रदेश में विभिन्न क्षेत्रों में कार्यबल की विविधता को बढ़ाने की महत्वपूर्ण आवश्यकता पर जोर दिया। पैनल ने कार्यबल भागीदारी को बढ़ाने के लिए नवाचारी रणनीतियों को उजागर किया, विशेष रूप से उन समूहों के बीच जो कम प्रतिनिधित्व वाले हैं, जो राज्य में व्यापक आर्थिक विकास को बढ़ावा देने के लिए आवश्यक हैं। चर्चा को समृद्ध करते हुए, एसआईडीबीआई के जनरल मैनेजर मनीष सिन्हा ने कार्यबल में समावेशन के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि उद्यमियों को आदर्श स्थिति का इंतजार नहीं करना चाहिए उन्हें अब काम शुरू करना चाहिए। परिस्थितियां समानांतर रूप से सुधरेंगी।

ट्रांसफॉर्म रूरल इंडिया द्वारा, उत्तर प्रदेश सरकार के मुख्य सचिव के कार्यालय के साथ साझेदारी में, एक पब्लिक पॉलिसी इन एक्शन फेलोशिप 11 पहचाने गए जिलों के लिए भी शुरू की गई, जिसमें टीआरआई के माध्यम से राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन की डायरेक्टर पिंकी जोएल का समर्थन प्राप्त है। फेलोशिप के पहले चरण में, 11 पहचाने गए जिलों में तैनात पेशेवरों को, संबंधित जिला मजिस्ट्रेट की देखरेख में, आयोजन में नियुक्ति पत्र दिए गए। वे स्थानीय विभागों के साथ मिलकर राज्य सरकार की प्राथमिकताओं वाले कार्यक्रमों के तहत प्रगति में सुधार के लिए आवश्यक रणनीतिक समर्थन प्रदान करेंगे, विशेष रूप से सामुदायिक स्वास्थ्य और परिवार कल्याण के क्षेत्र में।

गौरव मिश्रा, डायरेक्टर ऑफ ऑपरेशन्स, ट्रांसफॉर्म रूरल इंडिया के अनुसार, 2021 में इसकी शुरुआत के बाद से, भारत ग्रामीण संवाद एक प्रमुख मंच बन गया है जो ग्रामीण विकास के आसपास बातचीत और सहयोगी चर्चाओं के लिए है। यह एक ऐसा मंच है जहां वास्तविक, क्रियात्मक विचार सामने आते हैं, जो समृद्ध ग्रामीण समुदायों के निर्माण में बहुत दूर तक जाता है। ट्रांसफॉर्म रूरल इंडिया (टीआरआई) द्वारा आयोजित भारत ग्रामीण संवाद 2024 का चौथा संस्करण, 1-8 अगस्त तक दिल्ली, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, झारखंड और छत्तीसगढ़ में आयोजित किया गया। इसका उद्देश्य ग्रामीण पुनर्जागरण को प्रेरित करना है। भारत ग्रामीण संवाद नागरिक समाज, सरकार और व्यापार के विविध स्वरूपों को एकत्र करता है ताकि ग्रामीण विकास के लिए विचारों और क्रियात्मक समाधानों को प्रेरित किया जा सके। अगस्त क्रांति सप्ताह के दौरान आयोजित, यह संवाद भारत की सबसे बड़ी जन संचालित आंदोलन की परिवर्तन और क्रिया की भावना को प्रतिध्वनित करता है। पैनल चर्चाओं, बहसों, फायरसाइड चैट्स और गोलमेज बैठकों के माध्यम से, भारत ग्रामीण संवाद का चौथा संस्करण जलवायु स्थिरता, स्वास्थ्य और पोषण, युवाओं की रोजगार, माइक्रो एंटरप्राइजेज, कृषि समृद्धि, लिंग समावेशिता, और स्थानीय शासन जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करता है, जिसका उद्देश्य एक समृद्ध ग्रामीण भारत का निर्माण करना है।

राष्ट्रपति को फिजी के सर्वोच्च सम्मान से विभूषित किया जाना गौरव का क्षण: योगी

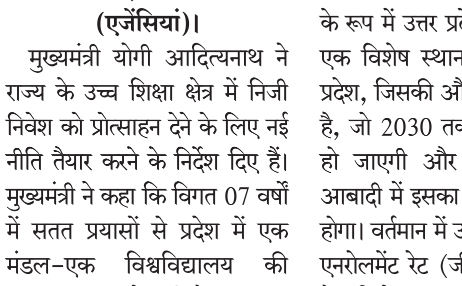

लखनऊ, 06 अगस्त (एजेंसियां)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु को फिजी के सर्वोच्च सम्मान कंपेनियन ऑफ द ऑर्डर ऑफ फिजी से सम्मानित किए जाने पर खुशी का इजहार करते हुये उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि उन्हें यह सम्मान फिजी के राष्ट्रपति ने प्रदान किया।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को अपने ऑफिशियल सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर लिखा माननीय राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु जी को फिजी के सर्वोच्च सम्मान 'कंपेनियन ऑफ द ऑर्डर ऑफ फिजी' से विभूषित किया जाना भारत के लिए गौरव का क्षण है। उन्होने लिखा यह सम्मान दोनों देशों के बीच अटूट ऐतिहासिक और सांस्कृतिक संबंधों की सर्वोच्च अभिव्यक्ति है, जो विश्व में शांति, सहयोग व सद्भावना के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। माननीय राष्ट्रपति का हार्दिक अभिनंदन और देश वासियों को बधाई।

मथुरा में कृष्ण जन्मोत्सव भव्यता से मनाने के निर्देश

लखनऊ, 06 अगस्त (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने मथुरा जिला प्रशासन एवं विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिये हैं कि भगवान श्रीकृष्ण का 5251वां जन्मोत्सव समारोह पूरी आस्था एवं अलौकिक ढंग से मनाया जाए।

उन्होंने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण की जन्माष्टमी के दिन देश दुनिया से बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं भक्त जन्मोत्सव को देखने के लिए आते हैं। इसलिए कार्यक्रम स्थल पर स्वास्थ्य, सुरक्षा, यातायात, पार्किंग, आवागमन मार्ग, विद्युत, साफ-सफाई, पेयजल, लाइटिंग एवं शौचालय आदि की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पर्याप्त पुलिस फोर्स के साथ ही आवागमन एवं निकासी के लिए सुरक्षित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

मंत्री ने कहा कि जन्मोत्सव का आयोजन दिव्य, भव्य एवं अलौकिक होना चाहिए। उन्होंने कहा कि संतो का सुझाव है कि रक्षाबंधन से लेकर नन्दोत्सव तक 09 दिवसीय पर्व मनाया जाए। इसके साथ ही सभी घरों, मंदिरों एवं आश्रमों में आयोजन किया जाए।

अयोध्या पहुंचे योगी ने रामलला के दरबार में लगाई हाजिरी

लखनऊ, 06 अगस्त (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मंगलवार को अयोध्या के दो दिवसीय दौरे पर पहुंचे। यहां महापौर, विधायक समेत जनप्रतिनिधियों व भाजपा नेताओं ने मुख्यमंत्री का स्वागत किया।

मुख्यमंत्री मंगलवार शाम रामकथा पार्क पहुंचे। य़हां से मुख्यमंत्री सीधे हनुमानगढ़ी पहुंचे, जहां संकटमोचन हनुमान के चरणों में हाजिरी लगाई। यहां मुख्यमंत्री को स्मृति चिह्न भी भेंट किया गया। उन्होंने यहां दर्शन-पूजन के उपरांत अयोध्यावासियों व श्रद्धालुओं का अभिवादन किया। इसके बाद मुख्यमंत्री श्रीराम जन्मभूमि पहुंचे और श्रीरामलला के चरणों में शीश झुकाया। मुख्यमंत्री ने यहां भी विधिवत दर्शन-पूजन किया। मुख्यमंत्री ने श्री राम जन्मभूमि में चल रहे निर्माण कार्यों की भी जानकारी ली। योगी ने उस दौरान भी श्रीराम व संकटमोचन

हनुमान के चरणों में हाजिरी लगाई। दर्शन-पूजन के दौरान प्रभारी मंत्री सूर्य प्रताप शाही, महापौर गिरीश पति त्रिपाठी, विधायक वेदप्रकाश गुप्त, अमित सिंह चौहान, रामचंद्र यादव, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय आदि मौजूद रहे।

संपादकीय

आपदा में खड़ा हिमाचल

यहां बादल का फटना एडवाइजरी बन जाता है, क्योंकि हम आपात की स्थिति में ही तैनात हैं। गुरुवार के दिन बादल, बरसात और बाढ़ बता रही थी कि इस विपदा की घड़ी में कौन मौजूद है। कल का दिन मुआयना कर गया कि हम किस दौर के राहत काल में हैं। हमने राहत के पहरुआ बने मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू के सरोकार देखे, सरकार का व्यवहार और प्रशासन का कदमताल देखा। दिल्ली से आती हुई घंटियां मुख्यमंत्री कार्यालय के फोन ने सुनीं। गृहमंत्री अमित शाह ने बाकायदा जायजा लिया स्थिति का, तो राहुल गांधी ने सरकार को तुजुर्बा दिया। चिंताओं से ग्रस्त जगत प्रकाश नड्डा की पावती आई, तो कहीं बीच में चंबा का दौरा छोड़ मंत्री विक्रमादित्य सिंह बाढग़्रस्त दुरुह क्षेत्रों की ओर निकल गए। गुजरती बाढ़ से ही संवेदना का आगमन कष्ट देख रहा है, सिसकियां सुन रहा है और कहीं व्यक्तिगत योगदान के नए मुहावरे गढ़ रहा है, लेकिन इसी बीच जिनके फोन आते हैं-खत नहीं आते, क्या कहें। आश्चर्य है कि आपदा में खड़ा हिमाचल अपनी ही एक सांसद से गुजारिश कर रहा है कि इस वक्त राज्य उनके लायक नहीं है। उनके पांव में छाले न पड़ जाएं, कहीं रुह कांप न जाए और कहीं उन्हें मालूम न हो जाए कि पहाड़ किस तरह ऐसे हादसों से रू-ब-रू होता है। मोहतरमा कंगना रनौत की निजी जिंदगी के आराम बतौर सांसद, जनप्रतिनिधित्व के दायित्व को हराम कर सकते हैं, यह वह खुद सोशल मीडिया को बता रही हैं। इस तरह वह हिमाचल की पीड़ा को निम्न स्तर पर पहुंचाती हुई कहती हैं कि उन्हें सलाह मिली है कि आपदाग्रस्त संसदीय क्षेत्र में फिलवक्त न आएं। कोई बात नहीं, हम खुद ही खुद को दुरुस्त करते हैं, ताकि एक सांसद के सामने लाल कालीन बिछा कर स्वागत कर सकें। मंडी की सांसद का बयान उनकी साफगोई की वजह से उन्हें निर्दोष करार दे सकता है, लेकिन लापता हुए लोगों-तैरती हुई लाशों व गुम होते रिश्तों का भी कोई दोष नहीं। दोष तो हिमाचल सरकार का न पिछले साल था और न ही इस साल है। दोष पिछले साल बरसात से हुई दस हजार करोड़ के नुकसान या इतनी राहत राशि मांग कर हिमाचल का नहीं था। हम नहीं चाहते कि कंगना को बतौर सांसद हिमाचल आने में कोई दिक्कत हो, लेकिन यह जरूर चाहते हैं कि वह प्रदेश के हक में जुबान खोलें। हम पिछले साल और इस साल हुए नुकसान का अनुमान बना कर उन्हें भेज दें, वह कृपया राहत दिलाकर आजादी का एहसास और एहसान कराएं। बहरहाल अब सवाल हर सांसद से भी है कि पिछली राहत की टांगें क्यों टूटीं और इस बार बात फोन से आगे राहत की जुबां में होनी चाहिए। ऊंचे संबोधनों की कोई लागत नहीं होती, लेकिन जमीं पर चलने के लिए खून खर्चीला हो गया। गुमसुम है माहौल क्योंकि, साहब को यकीं नहीं है। इन बादलों का पता हो सकता है किसी को मालूम नहीं, लेकिन जमीन को मालूम है कि उसने खुद को खोया कितना है। हम आपदा को महोत्सव बना कर नहीं खेल सकते और दर्द को केवल उछाल नहीं सकते। मरहम लगाने के लिए हाथ खोलने और राहत का स्पर्श देने के लिए कदम उठाने पड़ेंगे। हिमाचल से लोकसभा व राज्यसभा के समस्त भाजपा सांसदों का फर्ज यह नहीं कि राज्य का हालचाल पूछने के लिए मुख्यमंत्री को केवल फोन कर दें, बल्कि आपदा की सूचना प्रधानमंत्री तक पहुंचानी है। आखिर संसदीय क्षेत्र में भी प्रदेश का दर्द जब बहता है, तो दायित्व की राष्ट्रीय संवेदना को ही एहसास होना चाहिए। अब राहत का पैकेज जिस दिल, क्षमता और संवेदना से चाहिए, वह दिल्ली को बताना पड़ेगा जहां हिमाचल के प्रतिनिधि ये सांसद हैं।

> हमने राहत के पहरुआ बने मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू के सरोकार देखे, सरकार का व्यवहार और प्रशासन का कदमताल देखा। दिल्ली से आती हुई घंटियां मुख्यमंत्री कार्यालय के फोन ने सुनीं। गृहमंत्री अमित शाह ने बाकायदा जायजा लिया स्थिति का, तो राहुल गांधी ने सरकार को तुजुर्बा दिया। चिंताओं से ग्रस्त जगत प्रकाश नड्डा की पावती आई, तो कहीं बीच में चंबा का दौरा छोड़ मंत्री विक्रमादित्य सिंह बाढग़्रस्त दुरुह क्षेत्रों की ओर निकल गए। गुजरती बाढ़ से ही संवेदना का आगमन कष्ट देख रहा है, सिसकियां सुन रहा है और कहीं व्यक्तिगत योगदान के नए मुहावरे गढ़ रहा है, लेकिन इसी बीच जिनके फोन आते हैं- खत नहीं आते, क्या कहें। आश्चर्य है कि आपदा में खड़ा हिमाचल अपनी ही एक सांसद से गुजारिश कर रहा है कि इस वक्त राज्य उनके लायक नहीं है। उनके पांव में छाले न पड़ जाएं, कहीं रुह कांप न जाए और कहीं उन्हें मालूम न हो जाए कि पहाड़ किस तरह ऐसे हादसों से रू-ब-रू होता है। मोहतरमा कंगना रनौत की निजी जिंदगी के आराम बतौर सांसद, जनप्रतिनिधित्व के दायित्व को हराम कर सकते हैं, यह वह खुद सोशल मीडिया को बता रही हैं।

चार न्यायाधीशों ने इन वर्गों के आरक्षण में उसी तरह क्रीमी लेयर की व्यवस्था लागू करने की भी आवश्यकता जताई

आरक्षण के भीतर आरक्षण की व्यवस्था का अहम फैसला

ललित गर्ग

> न्यायालय के इस तरह के फैसले मिसाल ही नहीं, मशाल बन कर सामने आ रहे हैं, जिससे राष्ट्र की विसंगतियों एवं विडम्बनाओं से मुक्ति की दिशाएं उद्घाटित हो रही है। यह फैसला कई बिल्कुल अलग-अलग वजहों से अहम माना जा रहा है। क्योंकि बड़ा सच यह है कि ओबीसी समाज की तरह एससी-एसटी समुदाय में भी कई जातियों की आर्थिक-सामाजिक स्थिति न केवल कहीं कमजोर है, बल्कि उन्हें अपने ही वर्ग की अन्य जातियों से भेदभाव का भी सामना करना पड़ता है। यह एक ऐसी सच्चाई है, जिससे कोई इन्कार नहीं कर सकता।

सुप्रीम कोर्ट ने अनुसूचित जातियों-जनजातियों यानी एससी-एसटी समुदाय में आरक्षण के भीतर आरक्षण का रास्ता साफ करके आरक्षण की व्यवस्था को तार्किक, न्यायसंगत, समानतापूर्ण बनाने का सराहनीय कार्य किया है। न्यायालय के इस तरह के फैसले मिसाल ही नहीं, मशाल बन कर सामने आ रहे हैं, जिससे राष्ट्र की विसंगतियों एवं विडम्बनाओं से मुक्ति की दिशाएं उद्घाटित हो रही है। यह फैसला कई बिल्कुल अलग-अलग वजहों से अहम माना जा रहा है। क्योंकि बड़ा सच यह है कि ओबीसी समाज की तरह एससी-एसटी समुदाय में भी कई जातियों की आर्थिक-सामाजिक स्थिति न केवल कहीं कमजोर है, बल्कि उन्हें अपने ही वर्ग की अन्य जातियों से भेदभाव का भी सामना करना पड़ता है। यह एक ऐसी सच्चाई है, जिससे कोई इन्कार नहीं कर सकता। यह भी एक तथ्य है कि एससी-एसटी समुदाय में कई जातियां ऐसी हैं, जिन्हें आरक्षण का न के बराबर लाभ मिला है। ऐसा इसीलिए हुआ है, क्योंकि आरक्षण का अधिक लाभ इन वर्गों की अपेक्षाकृत समर्थ जातियां उठाती हैं। यही स्थिति ओबीसी में है। कई अति पिछड़ी जातियों तक आरक्षण का लाभ नहीं पहुंचा है। राजनीतिक एवं संवैधानिक विसंगतियों के कारण ऐसा होता रहा है।

सुप्रीम कोर्ट की सात सदस्यीय संविधान पीठ ने जहां छह-एक के बहुमत से एससी-एसटी आरक्षण में कोटे के भीतर कोटे को संविधानसम्मत बताया, वहीं चार न्यायाधीशों ने इन वर्गों के आरक्षण में उसी तरह क्रीमी लेयर की व्यवस्था लागू करने की भी आवश्यकता जताई, जैसी ओबीसी आरक्षण में है। सुप्रीम कोर्ट ने अपने इस फैसले से 2004 के पांच सदस्यीय संविधान पीठ के फैसले को पलट दिया, जिसमें कहा गया था कि एससी-एसटी समुदाय एक जैसा है और उनकी विभिन्न जातियों में कोई भेद नहीं किया जा सकता। यह वस्तुस्थिति नहीं थी, इस विसंगति को सुधार कर सुप्रीम कोर्ट ने न्यायसंगत उपक्रम किया है। अब राज्यों एवं केन्द्र सरकार को बहुत सावधानी से कदम उठाने होंगे। इस ताजे फैसले के बाद अनेक राज्यों में जातिगत गणना की होड़ शुरु हो सकती है एवं राजनीति दलों में आरक्षण का मुद्दा नये आक्रामक रूप में उभर सकता है। लेकिन एक आदर्श समता, समानता एवं संतुलनमूलक समाज-

व्यवस्था को निर्मित करने की दिशा में कोर्ट का यह फैसला अहम है।

संविधान पीठ के अनुसार, आरक्षण का मुख्य मकसद आर्थिक और सामाजिक समानता लाना है, पर इसके लिए शहर और गांव की सामाजिक हकीकत में अंतर के साथ आर्थिक पहलुओं को ध्यान में रखना जरूरी है। एससी समुदाय में भी दो बड़े वर्ग है, जिनमें गहरा फासला है। बड़े अफसरों और बड़े वकीलों के बच्चों की तुलना में मैला ढोने वाले बच्चों से करना कैसे न्यायसंगत हो सकता है? इसलिए पीछे रह गई जातियों को मुख्यधारा में लाने के लिए ओबीसी की तर्ज पर एससी में भी कोटे के भीतर कोटे को न्यायाधीशों ने सांविधानिक माना है। आज के समय में इस फैसले की जरूरत को समझा जा सकता है, लेकिन समस्या यह है कि देश में 140 करोड़ जनसंख्या की सामाजिक स्थिति और आर्थिक हैसियत के आंकड़े स्पष्ट तौर पर उपलब्ध नहीं है। ऐसी स्थिति में जनसंख्या के आधार पर आनुपातिक आरक्षण की मांग बढ़ने से सामाजिक और राजनीतिक विद्वेष बढ़ सकता है। क्या इस फैसले से राज्यों में मनमानी बढ़ सकती है? अब नौजवानों से जुड़े अनेक मुद्दों जैसे रोजगार, कोचिंग, अग्निवीर, नीट, इंटर्नशिप, नकल और शिक्षा पर बहस के बीच इस फैसले से क्रीमीलेयर का मुद्दा फिर गरमा सकता है। सुप्रीम कोर्ट ने एससी-एसटी आरक्षण में उपवर्गीकरण करने का अधिकार राज्य सरकारों को भी दे दिया है। इस अधिकार का दुरुपयोग होने की आशंका भी है, क्योंकि सत्तारूढ़ राजनीतिक दल वोट बैंक बनाने के लालच में एससी-एसटी जातियों का मनमाना उपवर्गीकरण कर सकते हैं। राजनीतिक दलों को यह समझना होगा कि आरक्षण सामाजिक न्याय का जरिया है, न कि वोट बैंक की राजनीति का हथियार। वैसे भी अब तक देश में आरक्षण वोट बैंक को सुदृढ़ बनाने का हथियार बना रहा है और राजनीतिक दल इसका अनुचित लाभ उठाते हुए अपेक्षित समुदायों तक आरक्षण का लाभ नहीं पहुंचने दिया।

सुप्रीम कोर्ट के नये फैसले के बाद स्थितियां उग्र एवं आक्रामक होने के साथ प्रभावी भी होगी। इसलिये अब आरक्षण का कई पहलुओं से मूल्यांकन जरूरी हो गया है। वैसे फैसले में साफ कर दिया गया है कि किसी भी तरह का उप-वर्गीकरण स्पष्ट और भरोसेमंद डेटा के ही आधार पर ही किया जा सकता है। देखा जाए तो इस शर्त के जरिए फैसले का संकीर्ण एवं स्वार्थपूर्ण राजनीतिक हितों के लिए इस्तेमाल करने की संभावित कोशिशों पर अंकुश लगाने का प्रयास किया गया है। एससी, एसटी, ओबीसी, दिव्यांग, महिला, ईडब्ल्यूएस जैसी सभी वर्गों के आरक्षण को जोड़ा जाए, तो 99 फीसदी आबादी आरक्षण के दायरे में आ जाती है। चारों राज्यों में होने वाले चुनावों के मद्देनजर देखें, तो इस फैसले के बाद आरक्षण की राजनीति के साथ अदालतों में मुकदमेबाजी भी बढ़ सकती है, जिसका समाधान सूझबूझ एवं लोकतांत्रिक तरीके से करना होगा। अनुच्छेद-19 के तहत नागरिकों को पूरे देश में व्यवसाय और रोजगार का अधिकार है, इसलिए आरक्षण के माध्यम से न्याय और समानता स्थापित करने के लिए जातियों के व्यापक वर्गीकरण की राष्ट्रीय नीति को न्यायिक मान्यता देनी पडे़गी। आरक्षण के बावजूद अपेक्षित लोगों को इसका लाभ न मिलना संवैधानिक एवं राजनीतिक विसंगति का प्रमाण है। ताजे फैसले के बाद राज्य सरकारें अब अनुसूचित जाति व जनजाति वर्ग में भी आरक्षण के लिए अलग-अलग श्रेणियां बना सकती हैं। इस फैसले के बाद इन वर्गों में हाशिए पर पड़ी जातियों को आरक्षण का फायदा मिलने की उम्मीद जगी है। ऐसा इसलिए भी क्योंकि यह बात भी लगातार उठाई जा रही थी कि समुचित अवसर नहीं मिलने के कारण आरक्षित एससी-एसटी वर्ग में भी ऐसी कई जातियां हैं जो सामाजिक और आर्थिक तौर पर पिछड़ेपन से उबर नहीं पा रही हैं। आरक्षण के बावजूद भूमिहीन एवं निर्धन लोगों की स्थिति आज भी दयनीय एवं असंतुलित है।

दृष्टि कोण

सारे पहाड़ी भारत में भूस्खलन का खतरा

इसरो द्वारा गत वर्ष तैयार भूस्खलन की दृष्टि से संवेदनशील देश के 147 जिलों के मानचित्र में हिमालयी राज्यों में उत्तराखण्ड को सर्वाधिक और दक्षिण में केरल को दूसरे नम्बर पर संवेदनशील दर्शाया गया था। मानचित्र में उत्तराखंड के रुद्रप्रयाग और टिहरी समेत सभी 13 जिले भूस्खलन के लिये संवेदनशील बताये गये थे। उसी मानचित्र में केरल के सभी 14 जिलों को भी संवेदनशील माना गया था, जिनमें केरल के थ्रिसूर को तीसरे, पालाक्काड पांचवें, मालपापुरम सातवें, कोजिकोडा दसवें और वायनाड को 13वें नम्बर पर रखा गया था।

वैज्ञानिक अध्ययन का नतीजा पिछले साल हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में देख चुके थे। अब इसरो की भविष्यवाणी केरल में 30 जुलाई की प्रातः सामने आ गयी। अगर वैज्ञानिकों, पर्यावरणविदों और विशेषज्ञ संस्थानों की चेतावनियों की अनदेखी करते रहेंगे तो इसी तरह के भयावह हादसों का इंतजार करना पड़ेगा। पश्चिमी घाट और हिमालयी राज्यों में भूस्खलन का जोखिम अवश्य ही प्राकृतिक है जिसे हम दूर नहीं कर सकते लेकिन यह जोखिम मानवीय कारकों के कारण काफी बढ़ गया है।

भारतीय वन सर्वेक्षण विभाग की 2001 की रिपोर्ट पर गौर करें तो उस समय केरल में 11,772 सघन वन और 3,788 खुले वन थे। नवीनतम वर्ष 2021 की रिपोर्ट में राज्य में 1,944 वर्ग किमी अति सघन, 9,472 वर्ग किमी सामान्य सघन और 9,837 खुले वन दिखाये गये हैं। नवीनतम रिपोर्ट के सघन वनों की दोनों श्रेणियों को जोड़ा जाये तो वह 11,416 वर्ग किमी बनता है। जबकि 2001 में राज्य में कुल 11,772 वर्ग किमी सघन वन थे। इस तरह राज्य में दो दशकों में 356 वर्ग किमी सघन वन गायब हो गये।

वर्ष 2019 की रिपोर्ट की तुलना में भी 2 साल के अन्दर ही केरल में 36 वर्ग किमी सघन वन घट गये और खुले वनों का आकार 136 वर्ग किमी बढ़ गया। सघन वन धरती की एक प्राकृतिक छतरी होते हैं जो कि बारिश की तेज बूंदों को तो थामती ही है, साथ ही उन वृक्षों की जड़ें मिट्टी को जकड़े रखती हैं जिससे भूस्खलन रुकता है। भूस्खलन पहाड़ी क्षेत्रों में ही होता है, इसीलिये हिमालयी राज्यों के साथ ही पश्चिमी घाट से संबंधित कर्नाटक, तमिलनाडू, महाराष्ट्र, गोवा और गुजरात के पहाड़ी क्षेत्रों को भूस्खलन के लिये अधिक संवेदनशील माना गया है। केरल के 14 में से 10 जिले पहाड़ी हैं जहां 16,959 वर्ग किमी क्षेत्र में वन हैं। इन वनों में 15,49 वर्ग किमी अति सघन, 7,212 वर्ग किमी सामान्य सघन और 7,212 वर्ग किमी खुले वन हैं। वनों का ह्रास इन्हीं पहाड़ी जिलों में हो रहा है।

वायनाड का नवीनतम भूस्खलन केरल की कोई नयी त्रासदी नहीं है। यहां भूस्खलनों के लिये प्राकृतिक कारण तो अवश्य हैं मगर इसके लिये मानवीय कारण भी कम जिम्मेदार नहीं हैं। सन् 2001 में कोट्टायम जिले में भी एक बड़े भूस्खलन में कई लोग मारे गए और व्यापक क्षति हुई थी। मानसून के मौसम में, इडुक्की जिले और अन्य क्षेत्रों में भूस्खलन के कारण जान-माल के नुकसान के उदाहरण मौजूद हैं। सन् 2018 की बाढ़ के साथ राज्य भर में कई भूस्खलन हुए। उस समय खासकर इडुक्की, वायनाड और मलप्पुरम के पहाड़ी जिलों में भारी नुकसान हुआ था। इसी तरह 2019 में भी विभिन्न जिलों में भीषण भूस्खलन हुआ। उस समय वायनाड में पुथुमाला और मलप्पुरम में कवलप्पारा जैसे इलाके गंभीर रूप से प्रभावित हुए थे। अगस्त, 2020 में इडुक्की जिले के पेट्टीमुडी इलाके में एक भयावह भूस्खलन हुआ, जिसमें कम से कम 66 लोग मारे गए।

केरल में मानसून के मौसम में भारी और तीव्र वर्षा होती है जिससे मिट्टी की धारण क्षमता कमजोर होने से भूस्खलन होता है। कोचीन विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (सीयूएसएटी) में वायुमंडलीय राडार अनुसंधान केन्द्र के एक अध्ययन के अनुसार अरब सागर के गर्म होने से घने बादल तंत्र बन रहे हैं, जिससे केरल में कम समय में ही अत्यधिक भारी वर्षा हो रही है और भूस्खलन की संभावना बढ़ रही है। अध्ययन में कहा गया है कि वर्षा की तीव्रता में वृद्धि मानसून के मौसम में पूर्वी केरल में पश्चिमी घाट के उच्च से मध्य-भूमि ढलानों में भूस्खलन की संभावनाएं बढ़ रही हैं। वनों को कृषि और शहरी क्षेत्रों में बदलने से मिट्टी को स्थिर करने में मदद करने वाला प्राकृतिक वनस्पति आवरण कम हो रहा है।

कुछ अलग

आरक्षण के उप-वर्गीकरण

अनुसूचित जाति (एससी) और अनुसूचित जनजाति (एसटी) के आरक्षण में ही आरक्षण के उप-वर्गीकरण पर 7 न्यायाधीशों की संविधान पीठ का फैसला सामाजिक न्याय के लिए 'मील का पत्थर' साबित हो सकता है। मंडल के बाद यह दूसरा ऐतिहासिक फैसला है। 'मील का पत्थर' तभी साबित हो सकता है, जब क्रीमीलेयर वाला फैसला लागू किया जाएगा। आरक्षण में उप-वर्गीकरण का अधिकार राज्य सरकारों को दिया गया है। यह अभी तक राष्ट्रपति के पास ही सुरक्षित था। संसद में ही प्रस्ताव पारित कर, किसी भी जाति को, आरक्षण के दायरे में लाया जा सकता था अथवा जाति को आरक्षण से बाहर भी किया जा सकता था। बहरहाल वह अधिकार यथावत रहेगा, लेकिन एससी और एसटी अपने आरक्षण के कोटे में, दबी-कुचली, पिछड़ी, विपन्न जातियों का, उप-वर्गीकरण कर सकेंगे। फिलहाल दलित और आदिवासियों को शिक्षा और नौकरियों में क्रमशः 15 फीसदी और 7.5 फीसदी आरक्षण हासिल है। संविधान पीठ के दो कथन महत्वपूर्ण हैं। एक, एससी-एसटी के कोटे में कुछ जातियों का उप-वर्गीकरण करने से संविधान के अनुच्छेद 14 और अनुच्छेद 341 का उल्लंघन नहीं होता। समानता का सिद्धांत यथावत रहेगा। दूसरे, आरक्षण एक पीढ़ी तक सीमित कर देना चाहिए। यदि पहली पीढ़ी आरक्षण का लाभ लेकर उच्च स्थिति तक पहुंच गई है, तो दूसरी पीढ़ी को आरक्षण का अधिकार नहीं मिलना चाहिए। जस्टिस बीआर गवई ने एससी-एसटी पर भी, ओबीसी की तरह, 'क्रीमीलेयर' लागू करने की बात कही है। यह विवादास्पद मुद्दा बन सकता है। आरक्षण के आधार पर जो दशकों से राजनीति करते आ रहे हैं अथवा आरक्षण के कारण ही राजस्थान की एक खास जाति में पीढ़ी-दर-पीढ़ी आईएएस अफसर बनते रहे हैं, वे अपने हिस्से को बंटने क्यों देंगे? संविधान-निर्माता बाबा अंबेडकर के पौत्र प्रकाश अंबेडकर ने संविधान पीठ के फैसले की आलोचना की है और इसे 'सामाजिक पूर्वाग्रह' करार दिया है। उनकी आशंका है कि दलितों का कोटा कम होने लगेगा। बहरहाल संविधान पीठ ने कहा है कि सरकार को एससी-एसटी श्रेणी के बीच 'क्रीमीलेयर' की पहचान करने और उन्हें आरक्षण के दायरे से बाहर करने की नीति जरूर तैयार करनी चाहिए। यह अवधारणा भी स्पष्ट होनी चाहिए। ओबीसी और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग को आरक्षण उनकी सालाना आय के आधार पर तय किया जाता है। क्रीमीलेयर की सीमा 8 लाख रुपए सालाना है। यानी करीब 67,000 रुपए महीना। यह वर्ग विपन्न कैसे हो सकता है? दूसरी ओर वे भारतीय भी हैं, जो 375 रुपए रोजाना कमाने में भी असमर्थ हैं। बेहतर होता कि क्रीमीलेयर पर भी न्यायिक फैसला सुनाया जाता। बहरहाल फैसले के जोखिम भी सामने आने लगे हैं। पर्याप्त संभावना है कि एससी-एसटी अब एक समूह नहीं रह जाएगा। उनके भीतर ही अलग-अलग वर्ग खड़े हो जाएंगे और फिर उनसे जुड़ी नई राजनीति उबलने लगेगी। केंद्र सरकार में ही एनडीए की सहयोगी लोजपा (रामविलास) ने फैसले पर पुनर्विचार करने का आग्रह किया है, ताकि एससी-एसटी वर्ग में भेदभाव न हो और वे कमजोर न पड़ें। चूंकि इसे राज्य लागू कर सकेंगे, लिहाजा यह सवाल मौजू है कि कब तक यह निर्णय लागू किया जा सकेगा। एससी-एसटी की गणना उपलब्ध है, लिहाजा जातीय जनगणना अनिवार्य नहीं है। राज्य सरकारें विशेषज्ञ-पैनल बना सकती हैं। वे शोध और डाटा के जरिए बताएंगे कि कौनसी जाति सामाजिक, शैक्षिक और आर्थिक तौर पर पिछड़ी है और उन्हें आरक्षण के दायरे में लाना बहुत जरूरी है। पीठ ने 2004 में 'ईवी चिन्नैया बनाम आंध्र' वाले मामले में दिए गए फैसले को रद्द कर दिया है।

देश दुनिया से

भ्रष्टाचार पर कानून बनाने में लापरवाही

> देश की शीर्ष अदालत ने वर्ष 2018 में एक जनहित रिट याचिका पर आदेश दिया था कि चुनाव लडऩे वाले प्रत्याशियों के अलावा उनके परिवार के लोगों की सम्पत्ति और आय के स्त्रोतों की जानकारी देने के लिए केंद्र सरकार कायदे-कानून बनाए। करीब 6 साल बीतने के बावजूद केंद्र सरकार इस आदेश की पालना करने में विफल रही। इस पर केंद्र सरकार के खिलाफ अवमानना कार्रवाई को लेकर दायर याचिका को सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई के लिए स्वीकार कर लिया है। आश्चर्य की बात यह है कि लोकसभा और चार राज्यों के विधानसभा चुनाव में भाजपा ने विपक्षी दलों के नेताओं को भ्रष्टाचार को प्रमुख मुद्दा बनाया था। प्रधानमंत्री मोदी सहित अन्य वरिष्ठ भाजपा नेताओं ने विपक्षी दलों पर भ्रष्टाचार को लेकर जमकर कटाक्ष किया था।

विपक्षी दलों के नेताओं पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाने वाली केंद्र सरकार सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बावजूद जनप्रतिनिधियों के भ्रष्टाचार रोकने के लिए कानून बनाने में नाकाम रही है। इस मामले में सुप्रीम कोर्ट में केंद्र सरकार के खिलाफ अवमानना की कार्रवाई को लेकर याचिका को स्वीकार कर लिया है। देश की शीर्ष अदालत ने वर्ष 2018 में एक जनहित रिट याचिका पर आदेश दिया था कि चुनाव लडऩे वाले प्रत्याशियों के अलावा उनके परिवार के लोगों की सम्पत्ति और आय के स्त्रोतों की जानकारी देने के लिए केंद्र सरकार कायदे-कानून बनाए। करीब 6 साल बीतने के बावजूद केंद्र सरकार इस आदेश की पालना करने में विफल रही। इस पर केंद्र सरकार के खिलाफ अवमानना कार्रवाई को लेकर दायर याचिका को सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई के लिए स्वीकार कर लिया है। आश्चर्य की बात यह है कि लोकसभा और चार राज्यों के विधानसभा चुनाव में भाजपा ने विपक्षी दलों के नेताओं को भ्रष्टाचार को प्रमुख मुद्दा बनाया था। प्रधानमंत्री मोदी सहित अन्य वरिष्ठ भाजपा नेताओं ने विपक्षी दलों पर भ्रष्टाचार को लेकर जमकर कटाक्ष किया था। प्रधानमंत्री मोदी ने विपक्षी गुट को भ्रष्ट लोगों का जमावड़ा बताया था। प्रधानमंत्री ने भ्रष्टाचार के मुद्दे पर विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा था कि विपक्षी नेता नोटों के बंडलों के साथ रंगे हाथों पकड़े जा रहे हैं। झारखंड और बंगाल में ऐसे मामले उजागर हो रहे हैं। वे दिल्ली की जनता को लूटने का कोई मौका नहीं छोड़ते। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर निशाना साधते हुए पीएम ने कहा कि राजनीति में बदलाव के लिए आए लोगों ने दिल्ली की जनता को धोखा दिया है। पीएम ने कहा था कि शराब घोटाला हो या नेशनल हेराल्ड घोटाला, भ्रष्टाचारियों से एक-एक पैसा वसूला जाएगा। यह मोदी की गारंटी है। जिसने भी लूट की है, उसे जनता का पैसा वापस करना होगा।

हम इस पर कानूनी राय लेंगे। उन्होंने कहा कि मोदी भ्रष्ट लोगों के धन का एक्सरे करेंगे। जिन्होंने लूट की है, उन्हें जेल जाना होगा। इतना ही नहीं राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव का जवाब देते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भ्रष्टाचार के खिलाफ कार्रवाई करना एनडीए सरकार का एक मिशन है, न कि चुनावी लाभ का मामला। प्रधानमंत्री ने भ्रष्टाचार और काले धन पर और अधिक कार्रवाई करने का संकल्प लेते हुए कहा कि सरकार ने जांच एजेंसियों को भ्रष्ट लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने के लिए पूरी आजादी दे दी है। प्रधानमंत्री ने कहा कि इस कार्रवाई में किसी को भी बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने पहले आम आदमी पार्टी (आप) के खिलाफ सबूतों के साथ गंभीर आरोप लगाने और बाद में लोकसभा चुनाव लडऩे के लिए उसके साथ गठबंधन करने के लिए कांग्रेस पर निशाना साधा। प्रधानमंत्री ने कहा कि मैं बिना किसी झिझक के यह कहना चाहता हूं और देशवासियों को भी बताना चाहता हूं कि मैंने एजेंसियों को भ्रष्ट लोगों और भ्रष्टाचार के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की पूरी आजादी दी है। सरकार कहीं भी हस्तक्षेप नहीं करेगी। प्रधानमंत्री ने कहा कि उन्हें (जांच एजेंसियों को) ईमानदारी के लिए ईमानदारी से काम करना चाहिए। भ्रष्टाचार में लिप्त कोई भी व्यक्ति कानून से बच नहीं पाएगा। यह मोदी की गारंटी है। विपक्षी सदस्यों के इस आरोप का जिक्र करते हुए कि सरकार जांच एजेंसियों का दुरुपयोग कर रही है, प्रधानमंत्री मोदी ने दिवंगत मुलायम सिंह यादव जैसे विपक्षी नेताओं के बयानों का हवाला दिया, जिन्होंने यूपीए सरकार पर उनके खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) का इस्तेमाल करने का आरोप लगाया था। उन्होंने यह भी कहा कि यहां तक कि सुप्रीम कोर्ट ने भी सीबीआई को पिंजरे में बंद तोता करार दिया था। उन्होंने कहा कि केंद्रीय जांच एजेंसियों पर आरोप लगाए गए हैं। कहा गया है कि केंद्र सरकार जांच एजेंसियों का दुरुपयोग कर रही है। प्रधानमंत्री ने कहा कि आप शराब घोटाला करती है, आप भ्रष्टाचार करती है, आप बच्चों के लिए कक्षाएं बनाने में घोटाला करती है, आप पानी घोटाला भी करती है, कांग्रेस आप के खिलाफ शिकायत करती है।

कांग्रेस आप को अदालत में घसीटती है और अगर कार्रवाई होती है तो वे मोदी को गाली देते हैं। इन आरोपों के जवाब में कांग्रेस और इंडिया गठबंधन के दलों का कहना था कि भाजपा जिन नेताओं पर करोड़ों के घोटाले का आरोप लगाती है, बाद में उन्हें ही अपनी पार्टी में शामिल करवा कर केस वापस ले लेती है। भाजपा के पास ऐसी वॉशिंग मशीन है, जिसमें 10 साल पुराना केस भी डालो तो आरोपी बेदाग होकर निकलता है। कांग्रेस ने विपक्ष के ऐसे 51 मामलों को गिनवाया जिन पर कार्रवाई चल रही है। इसके अलावा उन्होंने 20 केस ऐसे गिनाए, जिनमें भाजपा और उसकी सहयोगी दल के नेताओं पर केस दर्ज हैं।

आप का नजरिया

प्रदर्शन हो आर्थिक पुरस्कार का मानक

इसमें दो राय नहीं कि खेलों के विकास के लिये वर्ष 2016-17 में केंद्र सरकार द्वारा लायी गई योजना 'खेलो इंडिया' खेलों के विकास की दृष्टि से एक अभिनव योजना थी। जिसका मकसद था कि देश भर में खेलों में सामूहिक भागीदारी बढ़ाने के साथ खेलों की उत्कृष्टता को भी संबल मिले। जिसके मूल में मकसद यह भी था कि देश में खेलों के बुनियादी ढांचे के निर्माण व उन्नयन में मदद मिले। जिसको लेकर केंद्र सरकार का दावा था कि यह योजना खिलाड़ियों को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय खेल स्पर्धाओं में उच्चस्तरीय प्रदर्शन के लिये प्रेरित करेगी। निश्चित रूप से देश के कई राज्य राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ियों को तैयार करने के मामले में दूसरे राज्यों की तुलना में बेहतर प्रदर्शन कर भी रहे हैं। लेकिन इस योजना की सफलता तभी तार्किक हो पाएगी जब आर्थिक सहायता खिलाड़ियों के प्रदर्शन और सफलता के आधार पर तय होगी। जैसे कि देश में विभिन्न उद्योगों में स्वस्थ प्रतियोगिता विकसित करने के लिये उद्योगों की सफलता का मानक उत्पादन का स्तर तथा गुणवत्ता होती है। कमोबेश खेलों में भी स्वस्थ स्पर्धा को बढ़ाने के लिये इस तर्ज पर आर्थिक सहायता दिये जाने की उम्मीद की जाती रही है। कहने का अभिप्राय यह है कि राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले राज्यों को आर्थिक रूप से पुरस्कृत किया ही जाना चाहिए। फिलहाल देश के विभिन्न राज्यों के खिलाड़ी वर्षों के अभ्यास व कड़ी मेहनत के बाद पेरिस ओलंपिक में अपनी किस्मत आजमा रहे हैं। इसी बीच केंद्र की खेलो इंडिया योजना के तहत खेलों के बुनियादी ढांचे के विकास के लिये राज्यों को आवंटित धन को लेकर एक अप्रिय विवाद खड़ा हो गया है। निश्चित रूप से यह अप्रिय विवाद उठने का समय असंगत है। निश्चित रूप से पेरिस ओलंपिक में पदक जीतने के लिये संघर्ष कर रहे खिलाड़ियों के मनोबल पर इसका धनात्मक प्रभाव तो नजर नहीं ही आएगा। दरअसल, कांग्रेसी नेतृत्व वाले मुखर विपक्ष और कुछ खेल पंडितों का आरोप है कि राज्यों को आर्थिक राशि वितरण में भेदभाव किया गया है। आरोप है कि केंद्र ने हरियाणा-पंजाब जैसे राज्यों के साथ भेदभाव किया है। दलील है कि पेरिस ओलंपिक में भाग लेने गये भारतीय खिलाड़ियों के दल में संख्या के हिसाब से पांचवां हिस्सा हरियाणा से है। लेकिन राष्ट्रीय-अंतर्राष्ट्रीय स्पर्धाओं मे धूम मचाने वाले हरियाणा के हिस्से में खेलो इंडिया योजना के तहत महज 66.6 करोड़ रुपये ही आए हैं। वहीं दूसरी ओर गुजरात, जिसके चुनिंदा खिलाड़ी ही पेरिस ओलंपिक में खेलने गए हैं, उसे खेलो इंडिया योजना के तहत 426 करोड़ रुपये की राशि आवंटित की गई। उत्तर प्रदेश को भी योजना के तहत 438 करोड़ रुपये मिले। विपक्षी दलों का कहना है कि उत्तर प्रदेश से सिर्फ छह ही एथलीट ओलंपिक में भाग लेने गए हैं। वहीं पुरुष हॉकी में दबदबा रखने वाले पंजाब के हिस्से में खेलों के संरचनात्मक विकास के लिये सिर्फ 78 करोड़ रुपये ही आए हैं। विपक्षी दल के राजनेताओं का कहना है कि केंद्र सरकार ने इस योजना के अंतर्गत धन आवंटन के लिये किन मापदंडों का पालन किया गया, उसे सार्वजनिक करने की जरूरत है।

बांग्लादेश में 300 से अधिक भारतीय ट्रक फंसे, मंदिरों पर हमला

ढाका, 06 अगस्त (एजेंसियां)। बांग्लादेश में तख्तापलट और हिंसा भड़कने के बाद भारत-बांग्लादेश सीमा पर 250-300 भारतीय ट्रक फंसे हुए हैं। वहीं हिंसक भीड़ ने ढाका स्थित इंदिरा गांधी सांस्कृतिक केंद्र और चार हिंदू मंदिरों पर हमला किया है। इन हमलों में मंदिरों को मामूली नुकसान हुआ है। कुछ हिंदुओं को भी निशाना बनाए जाने की सूचना है।

ट्रकों की आवाजाही रूकने पर पेट्रापोल के क्लीयरिंग एजेंट्स स्टाफ वेलफेयर एसोसिएशन के सचिव कार्तिक चक्रवर्ती ने बताया कि पेट्रापोल लैंड पोर्ट से माल की आवाजाही सोमवार को रुकने से ट्रकों की आवाजाही बंद हो गई है।

बांग्लादेश के हिंदू, बौद्ध और ईसाई एकता परिषद के नेता काजोल देबनाथ ने बताया है कि देश के चार मंदिरों पर हमले हुए हैं। इन हमलों में मंदिरों को मामूली नुकसान हुआ है।

प्रधानमंत्री हसीना के सत्ता से हटने के बाद हिंदू समुदाय के लोगों में स्थिति को लेकर डर है, लेकिन अभी तक कोई बड़ी घटना सामने नहीं आई है। भीड़ द्वारा निशाना बनाए गए भारतीय सांस्कृतिक केंद्र का उद्घाटन मार्च 2010 में हुआ था। इस केंद्र में योग, हिंदी, भारतीय शास्त्रीय संगीत और भारतीय नृत्य कलाओं के बारे में जानकारी और प्रशिक्षण दिया जाता है। इस केंद्र के पुस्तकालय में भारत से संबंधित 21 हजार पुस्तकों का भी संग्रह है।

बांग्लादेश में हिंसा की घटनाओं के मद्देनजर भारत-बांग्लादेश सीमा पर पेट्रापोल लैंड पोर्ट से माल की आवाजाही सोमवार को रुक गई। पेट्रापोल के क्लीयरिंग एजेंट्स स्टाफ वेलफेयर एसोसिएशन के सचिव कार्तिक चक्रवर्ती ने बताया कि बांग्लादेश की ओर 250-300 भारतीय ट्रक फंसे हुए हैं।

पेट्रापोल भारत-बांग्लादेश की सीमा पर स्थित लैंड पोर्ट है। चक्रवर्ती ने कहा कि हम बांग्लादेश के नए प्रशासन से ट्रकों, माल और ड्राइवरों की सुरक्षा सुनिश्चित करने का अनुरोध करेंगे। बता दें कि हर दिन औसतन 450-500 ट्रक भारत से दक्षिण एशिया के सबसे बड़े लैंड पोर्ट पेट्रापोल के माध्यम से बांग्लादेश जाते हैं। लगभग 150-200 ट्रक दूसरी तरफ से आते हैं।

सालाना, लगभग 22 लाख लोग पेट्रापोल चेक प्वाइंट के माध्यम से सीमा पार करते हैं। पेट्रापोल बंगाल के उत्तर 24 परगना जिले के बनगांव में स्थित है, जो भारत और बांग्लादेश के बीच अंतरराष्ट्रीय सीमा पर है। यह कोलकाता से लगभग 80 किलोमीटर की दूरी पर है। वहीं, एलआईसी ने सोमवार को कहा कि एलआईसी ऑफ बांग्लादेश लिमिटेड का कार्यालय सात अगस्त तक बंद रहेगा।

न्यूज ब्रीफ

सिएटल में गोलीबारी की घटना में चार लोग घायल

सैन फ्रांसिस्को। अमेरिका में गोलीबारी की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही। अब राज्य वॉशिंगटन के सिएटल में गोलीबारी में कम से कम चार लोग घायल हो गए। एक समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार पुलिस को घटनास्थल पर 20 साल की एक लड़की मिली, जिसके सिर पर गोली लगने का घाव था और 20 साल का एक लड़का मिला, जिसकी उंगली में गोली मारी गई थी। जब पुलिस इस घटना की जांच कर रही थी, तब उन्हें शख्स के सिर और उसके पीठ के निचले हिस्से पर गोली के घाव दिखे और उनके एंकल से एक गाड़ी स्वीडिश फर्स्ट हिल अस्पताल के एंट्री गेट से टकरा गई। पुलिस ने जांच में पाया कि दुर्घटनाग्रस्त वाहन पर कई बार गोलियां चलाई गई थीं। पुलिस के अनुसार इसके अतिरिक्त 20 साल का एक तीसरा व्यक्ति के दाहिने पैर में गोली लगी। गोली लगने के घाव के साथ पास के कैसर परमानेंट मेडिकल केंद्र में चला गया। पुलिस ने कहा कि गोलीबारी के लिए जिम्मेदार संदिग्ध आरोपी भाग गया और इस मामले में अभी तक कोई गिरफ्तारी नहीं हुई है, मामले की जांच की जा रही है। हाल ही में इससे पहले न्यूयॉर्क के रोचेस्टर शहर के एक पार्क में गोलीबारी से एक व्यक्ति की मौत हो गई थी। साथ ही घटना में छह लोग घायल भी बताए जा रहे हैं। घायलों को पास के अस्पताल में भर्ती कराया गया और पुलिस ने इस मामले में घटनास्थल पर मौजूद लोगों से इस घटना का वीडियो भी मांगा।

चीन से गदगद पाक बोला-जो उसने किया है वो अमेरिका भी नहीं कर सकता

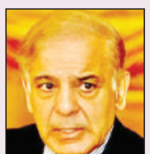

लाहौर। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने कहा कि अमेरिका के साथ संबंधों को सुधारा जाना चाहिए, लेकिन यह पाक और चीन के बीच संबंधों की कीमत पर नहीं होना चाहिए। लाहौर के मॉडल टाउन स्थित आवास पर पत्रकारों से चर्चा के दौरान शहबाज शरीफ ने कहा कि अमेरिका के साथ संबंधों को सुधारा जाना चाहिए, लेकिन यह पाक और चीन के बीच संबंधों की कीमत पर नहीं होना चाहिए। एक पाकिस्तानी अखबार के मुताबिक, शहबाज शरीफ ने कहा कि चीन ने देश के लिए जो किया है, वह अमेरिका कभी नहीं कर सकता। चीन और पाकिस्तान आर्थिक गलियारे का दूसरा चरण तेजी से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने बताया कि हाल ही में चीन के विशेषज्ञ पाकिस्तान की यात्रा पर आए थे। चीनी विशेषज्ञों ने दोनों देशों के बीच विभिन्न क्षेत्रों में आपसी सहयोग बढ़ाने को लेकर सकारात्मक रुख अपनाया है। उन्होंने चीन से फिर से कर्ज का अनुरोध किया है। उन्होंने कहा, अगर चीन द्वारा पाकिस्तान सरकार को कर्ज चुकाने के लिए पांच से सात वर्ष का समय दिया गया तो देश में बिजली के दामों के साथ-साथ महंगाई को कम किया जा सकेगा। इस दौरान, पाकिस्तानी प्रधानमंत्री ने देश में चीनी नागरिकों की सुरक्षा को लेकर भी प्रतिबद्धता जताई। कुछ समय पहले पाकिस्तान के विदेश विभाग ने भी कहा था कि बेहतर संबंधों के लिए चीन के साथ रिश्तों की कुर्बानी नहीं दे सकते। पाकिस्तान के विदेश कार्यालय की प्रवक्ता मुमताज जहरा ने कहा, हमारे लिए अमेरिका के साथ रिश्ते और चीन के साथ रिश्ते, दोनों ही जरूरी हैं। उन्होंने कहा, हम इस बात में यकीन नहीं रखते कि एक देश के साथ संबंधों के लिए दूसरे देश के साथ रिश्तों की कुर्बानी दे दी जाए।

ब्रिटेन सरकार की मांग, संयुक्त राष्ट्र के नेतृत्व में हो बांग्लादेश हिंसा की जांच

लंदन। बांग्लादेश में छात्रों के विरोध प्रदर्शनों के बाद पूर्व पीएम शेख हसीना को इस्तीफा देकर देश छोड़ना पड़ा। अब ब्रिटेन सरकार ने इसकी स्वतंत्र संयुक्त राष्ट्र के नेतृत्व में जांच की मांग की है, जिसमें सैकड़ों लोग मारे गए थे। बांग्लादेश अब अंतरिम सरकार का इंतजार कर रहा है और सेना प्रमुख प्रदर्शनकारियों से मिलने की योजना बना रहे हैं, जिससे लगता है हिंसक विद्रोह के बाद बांग्लादेश में अब स्थिति सामान्य हो सकती है। इस आंदोलन ने शेख हसीना को सत्ता छोड़ने पर मजबूर कर दिया। जो 1971 के मुक्ति संग्राम में लड़ने वाले दिग्गजों के परिवारों के लिए विवादास्पद कोटा प्रणाली के साथ शुरू हुआ था, जिसमें युवा बेरोजगारी ज्यादा थी। जैसे-जैसे अशांति बढ़ती गई, सैकड़ों प्रदर्शनकारियों ने उनके आवास पर हमला बोल दिया उनके आवास परिसर में तोड़फोड़ और लूटपाट की। हसीना ने सोमवार को इस्तीफा दे दिया और सैन्य हेलीकॉप्टर से देश छोड़कर भारत आ गईं। शेख हसीना ने भारत में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल से मुलाकात की। लंदन जाने की योजना है लेकिन लंदन प्रशासन की ओर से उन्हें शरण देने के बारे में कोई जानकारी नहीं दी गई। ब्रिटेन के विदेश सचिव डेविड लैमी ने कहा कि ब्रिटेन बांग्लादेश में शांतिपूर्ण और लोकतांत्रिक भविष्य तय करने के लिए कार्रवाई देखना चाहता है, लेकिन उन्होंने शेख हसीना के आगमन का उल्लेख नहीं किया है। लैमी ने कहा बांग्लादेश में पिछले कई दिनों से हिंसा और जान-माल की हानि हुई है। सेना प्रमुख द्वारा एक संक्रमणकालीन अवधि की घोषणा की गई है।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने फिजी की संसद को किया संबोधित, बोलीं

भारत और फिजी में जीवंत लोकतंत्र सहित काफी कुछ एक समान है

सुवा, 06 अगस्त (एजेंसियां)। फिजी की दो दिवसीय यात्रा पर गईं राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मंगलवार को वहां की संसद को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि भारत वैश्विक मंच पर मजबूती से उभर रहा है। भारत एक मजबूत, लचीला और अधिक समृद्ध राष्ट्र बनने के साथ-साथ प्राथमिकताओं के अनुसार फिजी के साथ साझेदारी करने के लिए तैयार है। उन्होंने इस मौके पर दोनों देशों के लोगों के पारस्परिक लाभ के लिए अपनी साझेदारी की पूरी क्षमता का उपयोग करने के लिए एक साथ आने को कहा।

राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि आकार में बहुत अंतर होने के बावजूद भारत और फिजी में जीवंत लोकतंत्र सहित काफी कुछ एक समान है। उन्होंने कहा कि 10 वर्ष पहले इसी हॉल में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कुछ मूल्यों का जिक्र किया था जो भारत और फिजी को जोड़ते हैं। उन्होंने कहा कि हमारा लोकतंत्र, हमारे समाज की विविधता तथा प्रत्येक व्यक्ति की स्वतंत्रता, सम्मान और अधिकारों के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को बताता है। ये साझा मूल्य शाश्वत हैं, आगे भी हमारा मार्गदर्शन करते रहेंगे।

राष्ट्रपति मुर्मू ने यह भी कहा कि बाकी दुनिया को फिजी से बहुत कुछ सीखने की जरूरत है। फिजी की सौम्य जीवनशैली, परंपराओं तथा रीति-रिवाजों के प्रति गहरा सम्मान, खुला और बहुसांस्कृतिक वातावरण, फिजी को तेजी से संघर्षों में घिर रही इस दुनिया में इतना खास बनाता है। इसमें कोई आश्चर्य नहीं कि फिजी वह जगह है जहां बाकी दुनिया अपनी खुशियां ढूंढने आती है।

राष्ट्रपति फिजी में सर्वोच्च नागरिक सम्मान से अलंकृत

सुवा। भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू अपनी तीन देशों की यात्रा के पहले चरण में फिजी की राजधानी सुवा में हैं। फिजी के राष्ट्रपति रातू विलियामे मैवलीली कटोनिवेरे ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को कंपेनियन ऑफ द ऑर्डर ऑफ फिजी से सम्मानित किया। यह फिजी का सर्वोच्च नागरिक सम्मान है। राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि यह सम्मान भारत और फिजी के बीच मित्रता के गहरे संबंधों का परिचायक है। यह सचित्र विवरण भारत की राष्ट्रपति के एक्स हैंडल पर साझा किया गया है। द्रौपदी मुर्मू का सुवा पहुंचने पर फिजी के प्रधानमंत्री सीटिवेनी राबुका ने जोरदार स्वागत किया। राष्ट्रपति फिजी के बाद न्यूजीलैंड और तिमोर-लेस्ते जाएंगी। किसी भारतीय राष्ट्राध्यक्ष की फिजी और तिमोर-लेस्ते की पहली यात्रा है। इस यात्रा से दोनों देशों के बीच ऐतिहासिक संबंधों को और मजबूती मिलेगी। विदेश मंत्रालय के सचिव जयदीप मजूमदार ने पिछले दिनों नई दिल्ली में राष्ट्रपति की यात्रा का ब्यौरा साझा किया था। इसमें कहा गया था कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू पांच से 10 अगस्त तक तीन देशों फिजी, न्यूजीलैंड और तिमोर-लेस्ते की यात्रा पर रहेंगी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की एक्ट ईस्ट नीति के अंतर्गत दक्षिण-पूर्व एशिया और प्रशांत क्षेत्र पर भारत ने विशेष रूप से ध्यान केन्द्रित किया है। यह तीनों देश भारत की एक्ट ईस्ट नीति के तहत आते है। भारत और फिजी के बीच राजनयिक संबंधों के 75 वर्ष पूरे हो गए हैं।

राष्ट्रपति मुर्मू अपनी तीन देशों की यात्रा के पहले चरण में फिजी की राजधानी सुवा में हैं। राष्ट्रपति मुर्मू ने फिजी में अपने संबोधन में कहा कि भारत एक सक्षम और संवेदनशील देश के रूप में उभर रहा है। हमने वैश्विक मंच पर महत्वपूर्ण नेतृत्व की भूमिका निभाई है। पिछले वर्ष हमारी जी-20 अध्यक्षता की ऐतिहासिक सफलता ने दर्शाया कि भारत का समावेशी, निर्णायक, महत्वाकांक्षी और कार्योन्मुखी नेतृत्व विश्व के लिए क्या कर सकता है। जैसा कि हमने जी-20 की अध्यक्षता के दौरान किया था। हम ग्लोबल साउथ के हितों को जोर से आवाज देने के लिए हर वैश्विक मंच का उपयोग करना जारी रखेंगे और भविष्य की पीढ़ियों के लिए एक निष्पक्ष, न्यायसंगत और सुरक्षित दुनिया बनाने का प्रयास करेंगे।

उन्होंने कहा कि भारत सरकार ने प्रवासी भारतीयों के साथ संबंधों को और प्रगाढ़ बनाने तथा उनकी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए ओवरसीज सिटीजन ऑफ इंडिया कार्ड या ओसीआई कार्ड सहित अनेक पहलें शुरू की हैं। प्रवासी परिवारों की युवा पीढ़ी के लिए हमारे पास उन्हें अपनी भारतीय जड़ों से जोड़ने के लिए एक भारत को जानो कार्यक्रम है। मुझे यह जानकर बहुत खुशी हो रही है कि बड़ी संख्या में फिजी के युवा इस कार्यक्रम से लाभान्वित हुए हैं।

राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि उन्हें विश्वास है कि सुवा में स्थापित होने वाले 'सुपर स्पेशलिटी कार्डियोलॉजी हॉस्पिटल' सहित नयी परियोजनाएं फिजी और व्यापक प्रशांत क्षेत्र के लोगों की प्राथमिकता वाली जरूरतों को पूरा करने में मदद करेंगी। इससे पहले राष्ट्रपति मुर्मू का 'स्टेट हाउस' में राष्ट्रपति कटोनिवेरे ने स्वागत किया जहां दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत बनाने के तरीकों पर चर्चा की।

उन्होंने सुवा में महात्मा गांधी मेमोरियल हाई स्कूल में महात्मा गांधी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की और वहां उपस्थित छात्रों के साथ बातचीत की। इसके साथ ही उन्होंने सुवा में राष्ट्रीय युद्ध स्मारक पर भी पुष्पांजलि अर्पित की और शहीद सैनिकों को श्रद्धांजलि दी।

चीन को समर्पित हो सकती है बांग्लादेश की नई सरकार

ढाका, 06 अगस्त (एजेंसियां)। पड़ोसी देशों के साथ हमारी सीमाएं लगती हैं, वहां राजनीतिक अस्थिरता होना अच्छा नहीं है। इससे राजनयिक ही नहीं बल्कि व्यापारिक रिश्ते और नागरिक संबंध भी प्रभावित होते हैं। बांग्लादेश के साथ भारत सबसे लंबी 4096 किलोमीटर की भूमि सीमा साझा करता है। इसी प्रकार यदि राजनयिक संबंधों की बात करें तो भारत पहला देश था, जिसने उसके अस्तित्व में आने के बाद 1971 में राजयनिक संबंध स्थापित किए। बांग्लादेश में बगावत भारत के लिए अच्छी खबर नहीं है। ऐसा दो कारणों से है। एक इससे भारत-बांग्लादेश के द्विपक्षीय संबंध कुछ हद तक प्रभावित होंगे। दूसरे वहां बनने वाली नई सरकार का झुकाव चीन की तरफ होने की आशंका व्यक्त की जा रही है। सेना की अंतरिम सरकार से भी वैसे संबंधों की उम्मीद नहीं की जा सकती है जैसे शेख हसीना के नेतृत्व वाली सरकार से थी।

भविष्य में अगर वहां शेख हसीना की बांग्लादेश अवामी लीग पार्टी सरकार नहीं बनाती है और कोई दूसरी पार्टी सरकार बनाती है तो यह आशंका है कि उसका झुकाव चीन की तरफ हो सकता है। तीसरी, आशंका यह है कि बांग्लादेश में कट्टरपंथी तत्वों की सक्रियता बढ़ सकती है, जिन्हें शेख हसीना के शासन में काफी हद तक नियंत्रण में रखा गया था। उन्हें नियंत्रित करना बांग्लादेश सरकार का जिम्मा होगा, लेकिन परोक्ष रूप से वह भारतीय जनमानस को थोड़ा-बहुत प्रभावित कर सकते हैं।जहां तक शेख हसीना के भारत के रास्ते लंदन रवाना होने की बात है, इस बात से बांग्लादेश के साथ संबंधों पर असर नहीं पड़ेगा। भारत ने उन्हें यहां रहने की अनुमति नहीं देकर सिर्फ उतना ही किया जितना एक राजयनिक प्रोटोकॉल के तहत किया जा सकता था। इसलिए बांग्लादेश की नई सरकार के रुख पर इसका कोई असर नहीं होगा।

हालांकि पिछले पांच दशकों में बांग्लादेश की राजनीति में उतार-चढ़ाव आए और फौजी राष्ट्रपति के हाथ में भी कमान रही, लेकिन भारत-बांग्लादेश संबंधों में ज्यादा उतार-चढ़ाव नहीं दिखा। इसलिए इस घटना को भी विशेषज्ञ अच्छा तो नहीं मानते हैं, लेकिन बहुत निराश नहीं हैं।रक्षा विशेषज्ञो की का कहना है कि कहा कि शेख हसीना भारत समर्थक और लंबे समय से सत्ता में थी। इससे पूर्व भी जब 2001 तक वह सत्ता में थी तो भारत के साथ रिश्ते प्रगाढ़ हुए थे। फिलहाल वहां सेना सत्ता संभालने जा रही है, जिसका रुख भारत को लेकर तटस्थ रहने की संभावना है।

कमला हैरिस को सोशल मीडिया पर 4 हजार बार धमकी देने वाले पर चलेगा मुकदमा

वाशिंगटन, 06 अगस्त (एजेंसियां)। अमेरिका की उपराष्ट्रपति कमला हैरिस से एक युवक इतना गुस्सा हो गया कि उसने एक दो बार नहीं बल्कि हजारों पर उन्हे जान से मारने की धमकी दे डाली। अदालत के रिकॉर्ड के मुताबिक फ्रैंक लुसियो कैरिलो ने कमला हैरिस, राष्ट्रपति जो बाइडन, एफबीआई के डायरेक्टर क्रिस्टोफर रे सहित एरिजोना राज्य के कई अधिकारियों और अन्य लोगों को दक्षिणपंथी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म गेटर पर कई धमकियां दी थीं। एफबीआई ने कैरिलो की 4,359 पोस्ट पाईं, जिनमें कमला हैरिस सहित दूसरे कई सराकरी अधिकारियों को निशाना बनाया गया था।

अदालत के रिकॉर्ड के मुताबिक अपनी कई पोस्ट में कैरिलो ने कथित तौर पर हैरिस की आंखें निकालने की धमकी दी और उपराष्ट्रपति को मारने के विभिन्न तरीकों को विस्तार से सामने रखा। कैरिलो ने कथित तौर पर एक अपशब्द भरे भाषण में लिखा कि 'मैं तुम्हारी आंखें निकाल दूंगा। उसने उम्मीद जताई कि कमला हैरिस धीमी पीड़ादायक मौत मरेगी। अदालत के रिकॉर्ड में कई ऐसे ही पोस्ट का हवाला दिया गया है, जिसमें उपराष्ट्रपति कमला हैरिस के साथ-साथ अन्य लोगों के खिलाफ बड़ी और साफ धमकियां दी गई हैं। जिसमें 2023 में एक इस्लामोफोबिक पोस्ट भी शामिल है। जिसमें उसने लिखा था कि लोगों को अपनी बंदूकें लेकर बाहर जाना चाहिए और सभी मुसलमानों को मार देना चाहिए। जब एफबीआई एजेंट पहली बार सोशल मीडिया पोस्ट के बारे में कैरिलो के घर पहुंचे, तो कैरिलो ने कहा कि 'मैंने इसे पोस्ट किया है। अदालत के दस्तावेजों के अनुसार कैरिलो ने यह भी कहा कि 'मुझे लगता है कि मुझे एक वकील की जरूरत पड़ेगी। संघीय एजेंटों ने उनके घर से दो हथियार बरामद किए, जिसमें 2023 में खरीदी गई एक पिस्तौल और इस साल खरीदी गई एक राइफल शामिल है।

पाकिस्तान में इस साल आतंकवादियों से लड़ाई के दौरान 139 सैनिक मारे गए

पाकिस्तानी सेना ने पिछले 15 दिनों के दौरान 24 आतंकवादियों को मार गिराया

इस्लामाबाद, 06 अगस्त (एजेंसियां)। पाकिस्तानी सेना ने कहा कि 2024 के पहले सात महीनों के दौरान आतंकवादियों के खिलाफ जारी लड़ाई में अधिकारियों सहित 139 सैनिकों की जान चली गई। पाकिस्तानी सेना की मीडिया शाखा इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) के एक वरिष्ठ अधिकारी ने पत्रकारों को सुरक्षा स्थिति के बारे में जानकारी दी। जिसमें सेना और कानून प्रवर्तन एजेंसियों (एलईए) के व्यापक आतंकवाद विरोधी प्रयासों और पेशेवर गतिविधियों पर प्रकाश डाला गया। उन्होंने कहा कि सुरक्षा बलों और एलईए ने देश भर में 23,622 खुफिया-आधारित ऑपरेशन किए। कुल मिलाकर 2,045 ऑपरेशन अकेले पिछले 15 दिनों में किए गए।

शरीफ ने पाकिस्तानी सेना, खुफिया एजेंसियों, पुलिस और अन्य एलईए के अथक प्रयासों पर जोर देते हुए कहा कि पिछले 15 दिनों के दौरान 24 आतंकवादियों को मार गिराया गया है। अधिकारी ने कहा कि सरकार ने आधिकारिक तौर पर प्रतिबंधित तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) को फितना अल-खवारिज (बाहरी विद्रोह) और सभी संबंधित आतंकवादियों को खारिजी (बहिष्कृत) करार दिया है। महानिदेशक ने कहा कि यह शरारत करने वाला समूह है। यह न तो कोई विचारधारा है और न ही इसका धर्म या पाकिस्तान से कोई लेना-देना है। अधिकारी ने कहा कि पूरा देश बहादुर शहीदों और उनके परिवारों को श्रद्धांजलि देता है। यह प्रतिबद्धता देश की आंतरिक और सीमा सुरक्षा सुनिश्चित करने पर पाकिस्तानी सुरक्षा बलों, एलईए और खुफिया एजेंसियों के अटूट फोकस को रेखांकित करती है। उन्होंने आतंकवाद के खिलाफ तब तक लड़ाई जारी रखने के देश के संकल्प की पुष्टि की जब तक कि अंतिम आतंकवादी का सफाया नहीं हो जाता, जिससे पाकिस्तान में स्थायी शांति और स्थिरता सुनिश्चित हो सके।

तख्तापलट के बाद राष्ट्रपति मोहम्मद शहाबुद्दीन ने जारी किया आदेश

बांग्लादेश की जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया को तत्काल रिहा किया जाए

ढाका, 06 अगस्त (एजेंसियां)। बांग्लादेश में पिछले कई दिनों से चल रहे विरोध प्रदर्शन के बीच नाटकीय घटनाक्रम में प्रधानमंत्री शेख हसीना का तख्तापलट होने और देश छोड़ने के बाद जहां सेना ने सत्ता संभाल ली है। वहीं देशभर में अराजकता और हिंसा के बीच राष्ट्रपति मोहम्मद शहाबुद्दीन ने जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया को तत्काल रिहा करने के आदेश दिए हैं।

बांग्लादेश के राष्ट्रपति कार्यालय की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है, बैठक में सर्वसम्मति से बीएनपी अध्यक्ष बेगम खालिदा जिया को रिहा करने का फैसला किया गया। इसके अलावा, छात्र भेदभाव विरोधी आंदोलन और हाल की घटनाओं से संबंधित विभिन्न मामलों में गिरफ्तार किए गए सभी बंदियों को रिहा करने का फैसला किया गया। सांप्रदायिक सौहार्द को किसी भी तरह से बाधित न होने देने के लिए भी मजबूत सहमति बनी।

राष्ट्रपति की तरफ से जारी विज्ञप्ति के अनुसार अंतरिम सरकार के गठन के उद्देश्य से राष्ट्रपति मोहम्मद सहाबुद्दीन, थल सेनाध्यक्ष, नौसेना और वायु सेना के प्रमुख और विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं और नागरिक की अध्यक्षता में बंगभवन में एक बैठक आयोजित की गई। देश के समाज प्रतिनिधि बैठक में आरक्षण विरोधी आंदोलन में मारे गए लोगों की याद में शोक प्रस्ताव लिया गया और उनकी दिवंगत आत्माओं की शांति और क्षमा के लिए प्रार्थना की गई। बैठक में तुरंत अंतरिम सरकार बनाने का फैसला किया गया। बैठक में सभी से देश में कानून-व्यवस्था की स्थिति को नियंत्रित करने के लिए धैर्य और सहनशीलता बरतने का आग्रह किया गया और सेना को लूटपाट और हिंसक गतिविधियों से रोकने के लिए सख्त कार्रवाई करने का निर्णय लिया गया।

बैठक में सर्वसम्मति से बीएनपी अध्यक्ष बेगम खालिदा जिया को तुरंत रिहा करने का निर्णय लिया गया। इसके अलावा, भेदभाव विरोधी आंदोलन और हाल ही में विभिन्न मामलों में हिरासत में लिए गए सभी कैदियों को रिहा करने का निर्णय लिया गया। बैठक में इस बात पर भी सहमति बनी कि समुदाय को किसी भी तरह से नष्ट नहीं किया जाना चाहिए।

इससे पहले बांग्लादेश में सोमवार को बवाल बढ़ने के बाद शेख हसीना ने प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया और वो देश छोड़कर भारत पहुंच गई हैं। ज्ञात रहे कि गाजियाबाद के हिंडन एयरफोर्स स्टेशन के सेफ हाउस में रखा गया है। इस समय बांग्लादेश के हालत अस्थिर बने हुए हैं। कई शहरों में छात्रों का प्रदर्शन देखा जा रहा है।

बांग्लादेश में सरकारी नौकरियों में आरक्षण व्यवस्था के मुद्दे पर शुरू हुआ बवाल शुरू हुआ। और ऐसा नहीं है कि ये अचानक से आज-कल में ही शुरू हुआ। पहले भी इसको लेकर विरोध प्रदर्शन हो चुके हैं। प्रदर्शनकारी इस कथित विवादास्पद रिजर्वेशन सिस्टम को खत्म करने की मांग कर थे, जिसके तहत बांग्लादेश मुक्ति संग्राम (1971) में हिस्सा लेने वाले लड़ाकों के रिश्तेदारों को सरकारी नौकरियों में 30 प्रतिशत आरक्षण देने का प्रावधान किया गया है।

अंतरिम सरकार के प्रमुख बनने को नोबेल विजेता मोहम्मद यूनुस राजी

बांग्लादेश में लंबे समय तक सत्तारूढ़ रहीं शेख हसीना के छात्र आरक्षण आंदोलन की हिंसक लपटों के बीच देश छोड़ने के बाद अंतरिम सरकार के गठन की प्रक्रिया तेज हो गई है। बांग्लादेश के प्रमुख बांग्लाभाषी अखबार प्रोथोम अलो के अनुसार, नोबेल पुरस्कार प्रोफेसर मोहम्मद यूनुस अंतरिम सरकार के प्रमुख बनने को राजी हो गए हैं। प्रोथोम अलो और द डेली स्टार के अनुसार, आंदोलन के समन्वयकों में से एक नाहिद इस्लाम ने मंगलवार तड़के एक वीडियो संदेश में यह जानकारी दी है। उन्होंने कहा है कि प्रोफेसर यूनुस के नेतृत्व में अंतरिम सरकार के गठन की रूपरेखा तैयार की जा रही है। उनकी प्रो. यूनुस से बात हो गई है। छात्रों के आह्वान पर वह बांग्लादेश की रक्षा के लिए यह अहम जिम्मेदारी लेने को तैयार हो गए हैं।

पेरिस ओलंपिक: अमेरिकी महिला तैराक कैटी ने लारिसा के रिकार्ड की बराबरी की

अब तक ओलंपिक में जीत चुकी हैं 9 स्वर्ण पदक

पेरिस, 06 अगस्त (एजेंसियां)।

अमेरिका की महिला तैराक स्वीमर कैटी लेडेकी ने पेरिस ओलंपिक खेलों में दो स्वर्ण जीतकर एक अहम उपलब्धि अपने नाम की है। कैटी के अब ओलंपिक में 9 स्वर्ण हो गये हैं। इसके साथ ही उन्होंने ओलंपिक के महिला वर्ग में सबसे अधिक 9 स्वर्ण जीतने के लारिसा लातयनीना के रिकॉर्ड की बराबरी की है। लारिसा ने साल 1956 और 1960 के ओलंपिक में तब के सोवियत संघ की ओर से जिमनास्टिक में 9 स्वर्ण जीते थे। वहीं कैटी ने साल 2012 से अब तक के अपने ओलंपिक केरियर में 9 स्वर्ण सहित कुल 14 पदक जीते हैं। इसी के साथ ही कैटी अपने ही हमवतन माइकल फेल्प्स व मार्क स्पिट्ज जैसे तैराकों के क्लब में शामिल हो गयी है।

फ़ेल्प्स के बाद चार ओलंपिक में एक ही इवेंट में स्वर्ण जीतने वाली कैटी दूसरी तैराक है। उसने 2012 के लंदन ओलंपिक में 800 मीटर महिला फ्रीस्टाइल इवेंट में भी स्वर्ण जीता था। इसके अलावा 2016 के रियो, 2020 के टोक्यो और 2024 के पेरिस ओलंपिक में भी उसे स्वर्ण मिला था। पेरिस ओलंपिक में कैटी ने 800 और 1500 मीटर फ्रीस्टाइल इवेंट में स्वर्ण, 4 गुणा 200 फ्रीस्टाइल में रजत और 400 मीटर फ्रीस्टाइल में कांस्य पदक जीता था। ओलंपिक तैराकी में अब तक कैटी से ज्यादा पदक अमेरिका के ही फेल्प्स के नाम हैं। फेल्प्स ने 23 स्वर्ण सहित 28 पदक जीते हैं। ने ही जीते हैं। अमेरिका के मेल स्वीमर मार्क स्पिट्ज और सी ड्रेसल ने भी ओलंपिक तैराकी इवेंट में 9 स्वर्ण जीते हैं। स्पिट्ज ने 11 और ड्रेसल ने 10 मेडल जीते हैं.

कैटी अब 2028 में होने वाले लॉस एंजिलिस ओलंपिक में भी उतरेंगी। उन्होंने पेरिस ओलंपिक के पहले कहा था, 'अपने देश में होने वाले ओलंपिक में उतरने का मौका खास होता है. इस समय मैं निश्चित रूप से 2028 के ओलंपिक में भाग लेने के बारे में सोच रही हूं। भले ही मैं रिले इवेंट में भाग लूं, लेकिन ऐसा करना चाहती हूं।'

डुप्लांटिस ने नौवीं बार स्वर्ण जीतकर बनाया रिकार्ड

सेंट डेनिस। स्वीडन के आर्मंड डुप्लांटिस ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पेरिस ओलंपिक खेलों की पोल वॉल्ट स्पर्धा में नौवीं बार स्वर्ण पदक जीता है। डुप्लांटिस ने इस मुकाबले में 6.025 मीटर की कूद लगाकर अपना ही विश्व रिकॉर्ड तोड़ा। इस एथलीट ने ओलंपिक खेलों में पहली बार यह उपलब्धि हासिल की है। डुप्लांटिस के इस मैच में स्वीडन के राजा और रानी भी उपस्थित थे। ये एथलीट लगातार दूसरा स्वर्ण पदक जीतकर और एक सेंटीमीटर के अंतर से नौवीं बार रिकॉर्ड तोड़कर अब महान पोल वॉल्ट खिलाड़ी सर्गेई बुबका के काफी करीब पहुंच गया है। डुप्लांटिस ने पोल वॉल्ट में इससे पहले भी 2019 में 6.17 मीटर की ऊँचाई पर कूदकर नया विश्व रिकॉर्ड स्थापित किया, और 2020 में इस रिकॉर्ड को बढ़ाकर 6.18 मीटर का रिकार्ड बनाया था। 2020 टोक्यो ओलंपिक में उन्हें उन्होंने 6.02 मीटर की ऊँचाई पर कूदकर स्वर्ण पदक जीता। इसके अलावा 2018 और 2022 वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप में भी स्वर्ण जीते थे। उन्होंने 2018 और 2022 वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप में पोल वॉल्ट इवेंट में स्वर्ण पदक जीते।

न्यूज ब्रीफ

एशियाई लाठीखेल प्रतियोगिता में बंगाल के श्रीजीत ने जीते तीन पदक

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के श्रीजीत पाल ने 4-5 अगस्त 2024 को थिम्फू, भूटान में आयोजित *द्वितीय दक्षिण एशियाई लाठीखेल प्रतियोगिता* में दो स्वर्ण और एक रजत पदक जीतकर भारत का नाम रोशन किया। श्रीजीत पाल ने इस प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन किया है। प्रतियोगिता में कई दक्षिण एशियाई देशों के खिलाड़ियों ने भाग लिया और अपने-अपने देशों के लिए पदक जीते। श्रीजीत पाल के उत्कृष्ट प्रदर्शन ने न केवल पश्चिम बंगाल बल्कि पूरे भारत को गर्वित किया है। उनकी इस उपलब्धि ने लाठी खेल के क्षेत्र में नए मानदंड स्थापित किए हैं। यह प्रतियोगिता भूटान की राजधानी थिम्फू में आयोजित की गई थी, जहां विभिन्न आयु और वजन वर्गों में खिलाड़ियों ने भाग लिया। श्रीजीत पाल ने अपने अद्वितीय कौशल और धैर्य से स्वर्ण और रजत पदक जीते, जिससे उनकी खेल प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रमाण मिला है। श्रीजीत पाल की इस उपलब्धि पर उनके परिवार, दोस्तों और समर्थकों ने उन्हें बधाई दी है। इस सफलता के बाद लोगों को उम्मीद है कि वे भविष्य में भी इसी प्रकार से उत्कृष्ट प्रदर्शन करते रहेंगे और भारत का नाम अंतरराष्ट्रीय मंच पर रोशन करते रहेंगे।

दक्षिण अफ्रीका के नए बल्लेबाजी कोच बने इमरान खान

केप टाउन। पूर्व क्रिकेटर इमरान खान दक्षिण अफ्रीका के नये बल्लेबाजी कोच होंगे। इमरान के पास केवल एक मैच का अनुभव है,ऐसे में उन्हें कोच बनाये जाने से सभी हैरान हैं। क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका (सीएसए) ने कहा कि इमरान को नया बल्लेबाजी कोच बनाया गया है। इस क्रिकेटरने साल 2009 में एक टेस्ट मैच खेला था। वह पिछले पांच साल से डॉल्फिस टीम के कोच थे। इमरान अभी अफ्रीकी टीम के साथ वेस्टइंडीज दौरे पर हैं। वहीं टीम के बल्लेबाजी कोच एश्वेल प्रिंस निजी कारणों से इस दौरे से बाहर हैं। इमरान डॉल्फिस के कोच के रूप में काफी सफल रहे हैं। साल 2020-21 और 2022-23 में उनके कोच रहते हुए टीम ने एक चार दिवसीय टूर्नामेंट जीता था। इसके अलावा 2020-21 के एकदिवसीय कप में उनकी टीम संयुक्त रूप से विजेता रही थी। इसके अलावा उनकी टीम तीन बार सीएसए टी-20 चैलेंज के फाइनल में पहुंची थी। इमरान के कार्यकाल के दौरान ही कई खिलाड़ी राष्ट्रीय टीम में अपनी जगह बना पाये हैं। इसने कीगन पीटरसन,केशव महाराज, सारेल ईवी जैसे खिलाड़ी शामिल है। अपने करियर के दौरान इमरान को टेस्ट प्रारुप में अच्छा प्रदर्शन करने के लिए जाना जाता था। उन्होंने 161 प्रथम श्रेणी मैचों में 9367 रन बनाए थे। इसमें 20 शतक भी शामिल थे। इसके अलावा उन्होंने 121 लिस्ट ए और 51 टी-20 मैच भी खेले थे। इमरान ने कहा कि मैं केजेडएन क्रिकेट यूनियन को उनके समर्थन के लिए धन्यवाद देना चाहता हूं। यह एक अविश्वसनीय यात्रा रही है। इस यूनियन के लिए कोचिंग करना मेरे लिए बेहद खुशी की बात रही है।

पूर्व क्रिकेटर विनोद कांबली बीमार, चलने में भी हो रही परेशानी

मुम्बई। भारतीय टीम के पूर्व क्रिकेटर रहे विनोद कांबली का एक ऐसा वीडियो आया है जिसमें वह ठीक से चल भी नहीं पा रहे हैं। सोशल मीडिया में वायरल इस वीडियो में देखा जा सकता है कि कांबली एक बाइक के पास खड़े हैं। वे कुछ सेकंड वहां खड़े रहते हैं। फिर अचानक लड़खड़ाने से लगते हैं। इस पर वहां खड़ा व्यक्ति उन्हें सहारा देता है। कुछ और लोग सहारे के लिए आगे बढ़ते हैं। इसके बाद दो व्यक्ति कांबली को सहारा देकर वहां तक पहुंचाते हैं, जहां उन्हें जाना होता है। अब इस पर लोगों की अलग-अलग तरीके की प्रतिक्रिया आयी है। कई लोगों का मानना है कि कांबली काफी बीमार हैं जबकि कुछ लोगों ने कहा कि उन्होंने काफी शराब पी हुई है, इसी कारण वह नशे के कारण चल नहीं चल पा रहे। एक व्यक्ति ने लिखा कि कांबली को देखकर यह नहीं लग रहा कि वे नशे हैं। हां, वे बीमार हो सकते हैं।

पेरिस ओलंपिक भाला फेंक प्रतियोगिता

नीरज चोपड़ा ने पहले ही प्रयास में फाइनल के लिए किया क्वालिफाई

पेरिस, 06 अगस्त (एजेंसियां)।

भारत के शीर्ष भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा ने पेरिस ओलंपिक के फाइनल के लिए क्वालीफाई कर लिया है। नीरज ने पहले ही प्रयास में ग्रुप बी में 89.34 के थ्रो के साथ फाइनल में जगह बनायी। वहीं भारत के अन्य भाला फेंक खिलाड़ी किशोर जेना ने 80.21 मीटर के साथ समापन किया। उन्होंने पहले प्रयास में 80.73 का थ्रो फेंका था और दूसरे में फाउल किया इस कारण वह क्वालीफाई नहीं कर पाये। भाला फेंक मुकाबला दो चरणों ग्रुप और खिताब के लिए होता है। ग्रुप चरण में 84 मीटर का थ्रो भी क्वालीफाई करने के लिए मान्य होता है, जबकि शीर्ष 12 खिलाड़ी फाइनल के लिए क्वालीफाई करते हैं।

दोनों ही खिलाड़ियों को अलग अलग ग्रुप में रखा गया है। पहले 16 एथलीट के ग्रुप में शामिल जेना फाइनल में जगह बनाने में नाकाम रहे। ऐस में अब सभी की उम्मीदों टोक्यो आलंपिक के स्वर्ण विजेता नीरज चोपड़ा पर लगी हैं। नीरज दूसरे ग्रुप में भाला फेंकने वाले खिलाड़ियों में पहले स्थान पर थे।

पहले ग्रुप में भारत के हाथ नाकामी मिली। क्वालिफिकेशन में जेना 84 मीटर का मार्क हासिल करने में नाकाम रहे। उनको पहले ही दौर से बाहर होना पड़ा। पेरिस ओलंपिक 2024 में जैवलिन थ्रो इवेंट के क्वालिफिकेशन राउंड में किशोर जेना ने पहला थ्रो 80.73 मीटर का फेंका जबकि दूसरा थ्रो फाउल हो गया. इसके बाद तीसरे थ्रो और आखिरी थ्रो में वह 80.21 मीटर तक ही भाला फेंक पाए।

नीरज के अलावा पाकिस्तान के उनके प्रतिद्वंद्वी अरशद नदीम ने भी पहले ही प्रयास में कमाल का प्रदर्शन किया और 86.59 मीटर का थ्रो कर फाइनल के लिए क्वलिफाई कर लिया।

विनेश फोगाट फाइनल में पहुंची

नई दिल्ली 06 अगस्त (एजेंसियां)। पेरिस ओलंपिक 2024 में भारतीय रेसलर विनेश फोगाट ने (50 किग्रा श्रेणी) सेमीफाइनल मुकाबले में क्यूबा की युसनेलिस गुज़मैन को हराकर फाइनल में एंट्री कर ली है। अगर वह फाइनल मुकाबले को जीत जाती है तो भारत के खाते में एक गोल्ड मेडल पक्का आ जाएगा. विनेश ने सेमीफाइनल में युसनेलिस गुजमैन को 5-0 से हराया। फाइनल में वह यूएस की सारा हिल्डेब्रांट से भिड़ेगी।पहले डेढ़ मिनट में दोनों खिलाड़ी ने अपना भरपूर जोर लगाया लेकिन एक दूसरे के खिलाफ एक भी प्वाइंट दर्ज नहीं कर सके। इसके बाद भारत की विनेश फोगाट ने 1 अंक दर्ज किया और पहले राउंड में 1 प्वाइंट से बढ़त बनाई।दूसरे राउंड में विनेश फोगाट ने शानदार परफॉर्म करते हुए 2 प्वाइंट दर्ज किए. इस तरह उन्होंने फिर से 2 अंक दर्ज किए. जिसके बाद उन्होंने 5-0 से बढ़त बनाई. आ-खिरी के जब 37 सेकेंड बचे तो विनेश 5-0 से आगे थी। आखिरी के 30 सेकेंड में क्यूबा की रेसलर ने भरपूर जोर लगाया। लेकिन वह एक भी प्वाइंट दर्ज नहीं कर सकी। इस तरह विनेश ने मैच जीत लिया. पहलवानी में वह साक्षी मलिक के बाद ओलंपिक मेडल जीतने वाली दूसरी भारतीय महिला पहलवान बन जाएंगी।

निशा दहिया को जानबूझकर कोरियाई खिलाड़ी ने घायल किया: राष्ट्रीय कोच

पेरिस, 06 अगस्त (एजेंसियां)।

भारतीय टीम के राष्ट्रीय कोच वीरेंद्र दहिया ने कहा है कि पेरिस ओलंपिक में महिला पहलवान निशा दहिया को साजिश कर घायल किया गया है। इसी कारण निशा क्वार्टर फाइनल मैच हार गईं। कोच के अनुसार निशा एक समय क्वार्टर फाइनल में विरोधी उत्तर कोरियाई खिलाड़ी से 8-2 से आगे चल रही थी। इसके बाद जब उसे चोट लगी तो मांगने पर भी चिकित्सा सहायता नहीं दी गयी। इसी कारण वह अंतिम क्षणों में मुकाबला हार गई। कोच दहिया ने कहा, "उसे जानबूझकर चोटिल किया गया। हमने देखा था कि कलाई के जोड़ के पास उस पर हमला बोला गया। इसी कारण उसके हाथ से पदक निकल गया।" कोच ने कहा, "जिस तरह से निशा ने शुरुआत की थी, पदक उसको मिलना था पर उसे धोखेबाजी कर छीन लिया गया। निशा रक्षण और जवाबी हमले दोनों में बेहतर थी उसने एशियाई क्वालीफायर में पहले भी इस पहलवान को हराया था।"

पहले दौर में ही निशा ने उत्तर कोरिया की सोल गम पर बढ़त बना ली थी। वहीं दूसरे दौर में जब वह उतरी तो अंक लेकर बढ़त को और बड़ा कर लिया। इसी दौरान वह चोटिल हो गई उस समय वह 8-2 से आगे चल रही थी। तब उन्होंने चिकित्सा सहायता की अपील की पर नहीं मिली। ऐसे में भयंकर दर्द के बाद भी वह मैदान पर जमी रही।

सीए के सीईओ निक हॉकले ने की अपना पद छोड़ने की घोषणा

नई दिल्ली, 06 अगस्त (एजेंसियां)।

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) निक हॉकले ने घोषणा की है कि वह आगामी सत्र के बाद अपने पद से इस्तीफा दे देंगे। पिछले 13 वर्षों से क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया से जुड़े हॉकले ने जून 2020 में सीए के अंतरिम सीईओ के रूप में पद संभाला था। इसके 11 महीने बाद स्थायी सीईओ बनाए गए थे।

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया की ओर से जारी विज्ञप्ति में हॉकले ने कहा, यह एक कठिन निर्णय था। हालांकि एक ब्लॉकबस्टर ग्रीष्मकाल के वादे के बाद और हमारी पांच साल की रणनीतिक योजना अच्छी तरह से आगे बढ़ी है, यह सही समय है कि मैं आगे बढ़ूं और नई चुनौती लूं। बोर्ड के पास अपने अगले सीईओ को खोजने के लिए पर्याप्त समय है ताकि वर्तमान में मौजूद मजबूत नींव पर काम किया जा सके।

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के अध्यक्ष माइक बेयर्ड ने इसकी पुष्टि करते हुए कहा है कि निक ने बोर्ड को सलाह दी थी कि सीईओ के रूप में उनकी अगली ग्रीष्म ऋतु अंतिम होगी। बेयर्ड ने कहा कि सीईओ के रूप में, निक ने महामारी के दौरान अभूतपूर्व चुनौती के दौर में खेल को संभाला और महत्वपूर्ण विकास और स्थिरता प्रदान की। उन्होंने आगे कहा कि जैसा कि निक कहते हैं, उनका पूरा ध्यान हमारे प्रशंसकों, खिलाड़ियों, प्रसारकों, साझेदारों और पूरे ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट के लिए एक और सफल ग्रीष्मकाल प्रदान करने पर है और अगले वर्ष जब वह पद से हटेंगे तो उनकी विरासत और उपलब्धियों का जश्न मनाने का समय होगा। बेयर्ड ने कहा कि निक के निर्णय का समय बोर्ड को एक सुचारु परिवर्तन सुनिश्चित करने की अनुमति देता है और हम शीघ्र ही उनके उत्तराधिकारी को खोजने और नियुक्त करने की प्रक्रिया शुरू करेंगे। हॉकले के मार्च 2025 के अंत तक पद छोड़ने की उम्मीद है या संभवत: उनके उत्तराधिकारी की नियुक्ति की प्रक्रिया के आधार पर बाद में भी पद छोड़ सकते हैं।

उपलब्धियों से भरा कार्यकाल- हॉकले को जून 2020 में क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया का अंतरिम सीईओ नियुक्त किया गया था और फिर ग्यारह महीने बाद स्थायी सीईओ बनाया गया। उनके कार्यकाल के दौरान महिला और पुरुष दोनों टीमों ने टी20 और वनडे वर्ल्ड कप जीता और पुरुष टीम विश्व टेस्ट चैंपियनशिप की भी विजेता बनी। इस दौरान ऑस्ट्रेलिया की टीम ने 1988 के बाद 2022 (24 वर्षों बाद) में पहली बार पाकिस्तान का दौरा किया। हॉकले 2012 में ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट से जुड़े थे।

साउथ अफ्रीका टी20 लीग में खेलेंगे दिनेश कार्तिक, पार्ल रॉयल्स के साथ किया करार

दिनेश कार्तिक साउथ अफ्रीका की टी20 लीग में खेलने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी बनेंगे

केपटाउन, 06 अगस्त (एजेंसियां)।

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व विकेटकीपर व बल्लेबाज दिनेश कार्तिक अगले साल साउथ अफ्रीकी टी20 लीग (एसए20) में खेलेंगे। रॉयल्स स्पोर्ट्स ग्रुप के स्वामित्व वाली फ्रेंचाइजी पार्ल रॉयल्स ने मंगलवार को सीजन-3 के लिए अपने सबसे नए विदेशी खिलाड़ी के रूप में दिग्गज भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज दिनेश कार्तिक को शामिल करने की घोषणा की है। कार्तिक साउथ अफ्रीकी टी20 लीग में खेलने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी होंगे।

हाल ही में 39 वर्षीय बल्लेबाज कार्तिक ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) सीजन 2024 के बाद खेल के सभी प्रारूपों से संन्यास ले लिया था, लेकिन अब उन्होंने साउथ अफ्रीकी टी20 लीग में पार्ल रॉयल्स के लिए खेलने का फैसला किया है। कार्तिक का फ्रेंचाइजी में स्वागत करते हुए रॉयल्स के क्रिकेट निदेशक कुमार संगकारा ने कहा कि दिनेश ने सफेद गेंद के क्रिकेट में भारत के लिए अच्छा खेलें हैं। उनका समृद्ध अनुभव सीज़न 3 के लिए हमारी टीम को मजबूत बनाने में योगदान देगा। वह जिस तरह से खेल के प्रति अपना दृष्टिकोण रखते हैं, उसके कारण वह हमेशा लीगों में प्रतिनिधित्व करने वाली टीमों के लिए एक बड़ी संपत्ति साबित हुए हैं, इसलिए यह हमारे लिए एक रोमांचक अनुबंध है और हम उनके आने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। कार्तिक ने क्रिकेट में वापसी और एसए20 में खेलने पर कहा कि मेरे पास दक्षिण अफ्रीका में खेलने और वहां जाने की बहुत सारी यादें हैं और जब यह अवसर मेरे सामने आया, तो मैं मना नहीं कर सका, क्योंकि क्योंकि प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में वापस आना और रॉयल्स के साथ इस अविश्वसनीय प्रतियोगिता को जीतना कितना खास होगा। उन्होंने कहा कि भले ही मुझे आईपीएल में रॉयल्स का प्रतिनिधित्व करने का मौका न मिला, लेकिन मैं पार्ल रॉयल्स टीम में शामिल होकर बहुत खुश हूं, जिसमें बहुत अनुभव, गुणवत्ता और क्षमता है। मैं निश्चित रूप से समूह में शामिल होने और एक रोमांचक सीजन में योगदान देने के लिए उत्सुक हूं।

कार्तिक का आईपीएल करियर कई टीमों के साथ लंबा और शानदार रहा है, लेकिन उन्होंने कभी राजस्थान रॉयल्स के लिए नहीं खेला। कार्तिक सफेद गेंद के क्रिकेट में एक फिनिशर के रूप में अपनी भूमिका के लिए जाने जाते हैं। उनका भारतीय टीम के लिए एक शानदार अंतरराष्ट्रीय करियर रहा है। उन्होंने भारतीय टीम के लिए 26 टेस्ट मैच, 94 वनडे और 60 टी20 मैच खेले हैं। बल्लेबाज ने टेस्ट मैचों में 1025 रन, वनडे फॉर्मेट में 73.24 की स्ट्राइक रेट और 30.21 की औसत से 1752 रन और टी20 मैचों में 142.62 की स्ट्राइक रेट और 26.38 की औसत से 686 रन बनाए। दिनेश कार्तिक ने 257 आईपीएल मैचों में 135.36 के स्ट्राइक और 26.32 की औसत से 4842 रन बनाए हैं। ओवरऑल कार्तिक ने टी20 प्रारूप में विभिन्न टीमों से खेलते हुए 401 मैचों में 136.96 की स्ट्राइक रेट से 7407 रन बनाए हैं।

आज तीसरा वन-डे जीतकर सीरीज बराबर करने उतरेगी टीम इंडिया

कोलंबो, 06 अगस्त (एजेंसियां)।

भारतीय क्रिकेट टीम अब बुधवार को मेजबान श्रीलंका को कराकर तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज को बराबरी पर लाने के इरादे से उतरेगी। अभी भारतीय टीम इस सीरीज में 1-0 से पीछे है। ऐसे में अगर वह ये मैच नहीं जीत पाती है। तो सीरीज हार जाएगी।

सीरीज का पहला मैच टाई रहा था जबकि दूसरा श्रीलंका ने जीता है। ऐसे में तीसरा मैच अगर टाई भी रहता है तो भारतीय टीम सीरीज हार जाएगी। ऐसे मे भारतीय टीम के ऊपर श्रीलंका में सीरीज हार का खतरा मंडरा रहा है। इससे पहले भारतीय टीम को 1997 में श्रीलंका के खिलाफ अंतिम बार एकदिवसीय सीरीज में हार का सामना करना पड़ा था। तब अर्जुन रणतुंगा की अगुवाई वाली टीम ने भारतीय टीम को हराया था। उसके बाद से ही भारत और श्रीलंका के बीच तब से 11 एकदिवसीय सीरीज हुई हैं और सभी में भारतीय टीम जीती है।

भारत के पास इस सीरीज को जीतने का अवसर अब नहीं है। भारतीय टीम की बल्लेबाजी एकदिवसीय सीरीज में अच्छी नहीं रही है। विशेषकर मध्यक्र रन नहीं बना पाया है। इसी कारण टीम इस प्रकार के हालातों में फंसी है। यहां के आर प्रेमदासा स्टेडियम की पिच से स्पिनरों को काफी मदद मिल रही है जिसपर कप्तान रोहित शर्मा के अलावा अन्य बल्लेबाज विफल रहे हैं।

अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली भी अभी तक केवल 38 रन ही बना पाए हैं। इससे भी टीम की मुश्किलें बढ़ गयी हैं।

अब वह इस मैच में अधिक से अधिक रन बनाना चाहेंगे। कोहली को रोहित से मिली आक्रामक शुरुआत को ही आगे बढ़ाने की जरूरत है पर अभी तक वह इसमें विफल रहे हैं। उन्हें संघर्षरत मध्यक्रम के बल्लेबाजों के साथ मिलकर पारी को आगे बढ़ाना होगा। इसके लिए उन्हें और अन्य बल्लेबाजों को रोहित की तरह स्पिनरों पर हावी होकर खेलना होगा।

श्रीलंकाई स्पिनरों का सामना करने का तरीका अब तक भारतीय बल्लेबाज नहीं सीख पाये हैं। यहां तक कि स्पिनरों के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन करने वाले शिवम दुबे पिछले मैच में जैफ्री वांडरसे की आसान लेग स्पिन को भी नहीं समझ पाए। वापसी करते हुए श्रेयस अय्यर और केएल राहुल भी अभी तक असफल रहे हैं। केवल रोहित ने दूसरे एकदिवसीय में 64 रन बनाये थे।

भारत के अन्य बल्लेबाजों को भी उन्हीं की तरह खेलना होगा। भारत इस मैच में शिवम की जगह रियान पराग को अवसर दे सकता है जो स्पिनरों को अच्छी तरह से खेलते हैं।

दोनो ही टीमों की संभावित अंतिम 11 प्लेयर

भारत – शुभमन गिल, रोहित शर्मा (कप्तान), विराट कोहली, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), श्रेयस अय्यर, रियान पराग, वाशिंगटन सुंदर, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, अर्शदीप सिंह, मोहम्मद सिराज

श्रीलंका – पथुम निसांका, अविष्का फर्नांडो, कुसल मेंडिस (विकेटकीपर), सदीरा समरविक्रमा, चैरिथ असलांका (कप्तान), कामिंडु मेंडिस, जेनिथ लियानाज, डुनिथ वेलालेज, अकिला धनंजय, असिथा फर्नांडो, जेफरी वेंडरसे

देश के प्रमुख रईसों में शामिल मुकेश अंबानी की रिलायंस इंडस्ट्रीज का जलवा 21 साल से बरकरार

मुंबई,06 अगस्त (एजेंसियां)। देश के प्रमुख रईसों में शामिल मुकेश अंबानी के स्वामित्व वाले रिलायंस इंडस्ट्रीज लगातार 21 सालों से फॉर्च्यून ग्लोबल लिस्ट में अपनी जगह बनाए हुए है। कोई भी भारतीय कंपनी इतने लंबे समय तक इस लिस्ट में बनी नहीं रह सकी है। यह इसका अपनी तरह का अलग रिकॉर्ड है। फॉर्च्यून ने अपनी वेबसाइट पर 2024 की लिस्ट जारी करते हुए कहा कि पिछले साल इसका रेवेन्यू 108.8 अरब डॉलर और मुनाफा 8.4 अरब डॉलर था। ऑयल एंड नेचुरल गैस लिमिटेड (ओएनजीसी)और भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) भी इस लिस्ट में शामिल हैं। मगर ओएनजीसी 22 स्थान फिसलकर नंबर 180 और बीपीसीएल 25 स्थान नीचे जाकर 258वें नंबर पर आ गई हैं। इस लिस्ट में टाटा मोटर्स ने 66 पायदान की लंबी छलांग मारी है। टाटा ग्रुप की यह कंपनी अब 271वें नंबर पर आ गई है। एचडीएफसी बैंक 306वें नंबर और गोल्ड एवं डायमंड ज्वेलरी बनाने वाले राजेश एक्सपोर्ट्स सूची में 463वें नंबर पर मौजूद हैं। वालमार्ट लगातार 11वें साल नंबर 1 पायदान पर, अमेजन नंबर दो पर पहुंची फॉर्च्यून के अनुसार, अमेरिकी कंपनी वॉलमार्ट लगातार 11वें साल नंबर 1 पायदान पर रही है। पिछले साल नंबर 4 पर रही अमेजन 2024 की लिस्ट में नंबर 2 पर आ गई है। सऊदी अरामको 2023 में नंबर 2 से गिरकर नंबर 4 पर आ गई है। हालांकि, 121 अरब डॉलर के मुनाफे के साथ यह लगातार तीसरे साल लिस्ट में सबसे ज्यादा प्रॉफिट वाली कंपनी बनी हुई है। चीन की सरकारी कंपनी स्टेट ग्रिड लिस्ट में नंबर 3 पर रही है। टॉप 10 में और चीनी कंपनियां भी हैं। फॉर्च्यून ग्लोबल 500 सालाना रैंकिंग है जो दुनिया की सबसे बड़ी कंपनियों को उनके कुल राजस्व के आधार पर सूचीबद्ध करती है। यह सूची अमेरिकी पत्रिका फॉर्च्यून की ओर से प्रकाशित की जाती है।

पिछले साल का रेवेन्यू 108.8 अरब डॉलर और मुनाफा 8.4 अरब डॉलर

प्रथम पृष्ठ का शेष...

लक्ष्य भारत...

पाकिस्तान और बांग्लादेश के अलावा चीन, अमेरिका और इंग्लैंड से भी बांग्लादेश के लिए एक अलग ही कहानी तैयार कर माहौल बिगाड़ा जा रहा था। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म से जिस तरीके की सूचनाएं आगे बढ़ाई जा रही थीं, उनमें से ज्यादातर लोगों के हैंडल या तो सेना की अंदरूनी जानकारी रखने वाले लोग थे या फिर वह अलग-अलग तरीकों से अंदरूनी जानकारियां जताकर पूरा प्रोपेगेंडा सेट कर रहे थे। अमेरिका, बांग्लादेश, पाकिस्तान और चीन समेत जापान और हंगरी से बांग्लादेश के भीतर चल रहे पूरे आंदोलन को हवा दी जा रही थी। खुफिया एजेंसियों का कहना है कि इनमें से बहुत से अकाउंट तो बॉट थे। जबकि कई अकाउंट की तफ्तीश करने पर पता चला है कि इनमें से बहुत से लोग लगातार दक्षिण एशिया के मामलों में पहले से दखल देकर माहौल बिगड़ने की पूरी साजिश रचते आए हैं, उनका पूरा बैकग्राउंड ऐसा ही रहा है। इस आंदोलन की शुरुआत तो आरक्षण को लेकर हुई, लेकिन धीरे-धीरे इसमें विदेशी दखल बढ़ता गया और हालात बदतर होते चले गए।बांग्लादेश में माहौल को तनावपूर्ण करने के लिए जिस तरीके से जमीन पर आंदोलन चलाया जा रहा था, ठीक उसी तरह से सोशल मीडिया पर भी उग्रता नजर आ रही थी। बड़ी साजिश के तहत 17 जुलाई को सोशल मीडिया के प्लेटफार्म पर कुछ ऐसे इनपुट तैयार किए गए, जिसके आधार पर बांग्लादेश के भीतर माहौल खराब होने की पूरी नींव रखी गई। बांग्लादेश के लिए दुनिया के अलग-अलग हिस्सों, जिसमें पाकिस्तान और चीन से कुछ ऐसे हैशटैग तैयार किए गए, जिससे माहौल में गर्मी आई। इसमें बांग्लादेशी स्टूडेंट्स को बचाने के अभियान के साथ-साथ खालिदा जिया को छुड़ाने और शेख हसीना को सत्ता से उतारने जैसे बड़े अभियान भी शामिल थे। खुफिया एजेंसी को मिली जानकारी के मुताबिक आंदोलन के दौरान ऐसे अभियानों को बांग्लादेश की आवाम तक पहुंचाने के लिए जो टारगेट फिक्स किया गया था, वह पर्याप्त माना जा रहा था। 16 जुलाई से लेकर 18 जुलाई के दौरान अलग-अलग माध्यम से तकरीबन 5 करोड़ लोगों तक उस पूरे एजेंडे को पहुंचाया गया, जिसका पूरा खाका चीन और पाकिस्तान जैसे मुल्कों में खींचा गया था।दक्षिण एशिया के मामलों के जानकार और दिल्ली विश्वविद्यालय में प्रवक्ता डॉक्टर अभिषेक प्रताप सिंह कहते हैं कि बांग्लादेश में चल रहे आंदोलन की तासीर को अगर आप समझें, तो पता चलता है कि कैसे इसके भीतर साजिश रची जाती रही। उनका कहना है कि शुरुआत तो आरक्षण को लेकर आंदोलन से हुई थी। लेकिन धीरे-धीरे आंदोलन के बीच में जिस तरीके के अन्य मुद्दे प्रवेश करते गए। वह इशारा करते हैं कि इसके पीछे बड़ी साजिश काम कर रही थी। डॉ अभिषेक कहते हैं कि आरक्षण के मुद्दे पर शुरू हुए आंदोलन में धीरे-धीरे शेख हसीना को सत्ता से बाहर करने की बात शुरू हुई। जब बांग्लादेश के अलग-अलग हिस्सों में चल रहे आंदोलन के दौरान शेख हसीना को सत्ता से हटाने की आवाज बुलंद होने लगी। ठीक इसी दौरान खालिदा जिया को भी जेल से रिहा करने की मांग बीच में उठने लगी। विदेशी मामलों के जानकार और भारतीय विदेश सेवा से रिटायर्ड आलोक सिन्हा कहते हैं कि यह बात बिल्कुल सच है कि आरक्षण आंदोलन के दौरान उन सभी मुद्दों को इसमें शामिल किया गया, जिससे बांग्लादेश में अस्थिरता की स्थिति पैदा हो। यही वजह रही कि सिर्फ शेख हसीना को सत्ता से बाहर करने की आवाज ही नहीं उठी बल्कि खालिदा जिया को हटाने के साथ-साथ बांग्लादेश की नीतियों और बांग्लादेशी सरकार के स्थानीय और विदेशी मामलों पर आंदोलन के दौरान सवाल उठने लगे।रिटायर्ड आईएफएस अधिकारी आलोक कहते हैं कि जब कोई भी आंदोलन अपने मुख्य मुद्दे से भटक कर उन मुद्दों की ओर चला जाता है, जिससे सरकार की अस्थिरता हो, तो फिर उसके पीछे मंसूबे भी तलाशने पड़ते हैं। उनका कहना है कि जिस तरीके की सूचनाएं लगातार आ रही हैं कि आरक्षण आंदोलन की जमीन पर बांग्लादेश को अस्थिर करने की विदेशी साजिशें रची गईं, वह बहुत हद तक कामयाब होती हुई भी दिख रही हैं। हालांकि इन साजिशों के बदले बांग्लादेश को बड़ी कीमत भी चुकानी पड़ रही है। आगे के जो हालात नजर आ रहे हैं, उसमें फिलहाल ऐसा नहीं दिख रहा है कि बांग्लादेश अपनी बेहतरी के लिए अब बहुत जल्दी कुछ कर सकेगा। बांग्लादेश के हालात पर फिलहाल भारत समेत पूरे दक्षिण एशिया और दुनिया भर के अलग अलग मुल्क नजर बनाए हुए हैं।

सेंट मार्टिन और बंगाल...

बयान में कहा गया, कृपया खुद का इस्तेमान न होने दें। मैं यह कहने आई हूं कि जो लोग मेरे प्यारे बच्चों की लाशें लाएंगे, उन्हें सजा मिलेगी। शायद आज मैं देश में होती तो और अधिक जानें जातीं, अधिक संपत्ति नष्ट होती। इसलिए मैंने खुद को हटा लिया। मैं आपकी जीत के साथ आयी थी, आप मेरी ताकत थे, आपने मुझे नहीं चाहा, तो मैं खुद ही चली गयी, इस्तीफा दे दिया। बयान में कहा गया, मेरे (पार्टी के) सहयोगी, जो वहां हैं, हिम्मत नहीं हारेंगे। अवामी लीग बार बार खड़ी हुई है। ये आपने कर दिखाया है। निराश मत होइए। मैं जल्द ही लौटूंगी इंशाअल्लाह। हार मेरी है लेकिन जीत बंगलादेश के लोगों की है। वे लोग जिनके लिए मेरे पिता और मेरे परिवार ने अपनी जान दे दी। मुझे खबर मिली है कि कई नेताओं और कार्यकर्ताओं की हत्या हो चुकी है और घरों में तोड़फोड़ और आगज़नी हुई है। बयान में कहा गया, अल्लाह आपकी मदद जरूर करेगा। मैं अपने युवा छात्रों से दोहराना चाहूंगी, मैंने आपको कभी रजाकार नहीं कहा। मेरे शब्दों को तोड़-मरोड़ कर पेश किया गया है। मेरा आपसे अनुरोध है कि आप उस दिन का पूरा वीडियो देखें। एक दल ने आपको खतरे में डालकर आपका फायदा उठाया है। मुझे विश्वास है कि आप एक दिन इसका एहसास कर पाएंगे। बयान की आखिरी पंक्ति में लिखा है, मेरे देशवासियों, स्वस्थ रहें, मेरे सुनहरे बंगलादेश का ख्याल रखना, जय बांग्ला जय बंगबंधु :शेख हसीना। इस प्रकार से इस बयान में अमेरिका का नाम लिया गया है और सेंट मार्टिन द्वीप एवं बंगाल की खाड़ी में अमेरिकी प्रभुत्व से इंकार करने और एक पार्टी द्वारा युवाओं को भड़काये जाने की बात कही गई है।

सभी दलों ने ...

जयशंकर ने मंगलवार को संसद के दोनों सदनों को बताया कि भारत सरकार बांग्लादेश के अधिकारियों के संपर्क में हैं। उन्होंने कहा कि भारत बांग्लादेश में वहां के अल्पसंख्यकों पर हो रहे हमलों के बारे में बांग्लादेश के अधिकारियों से बात कर रहा है। जयशंकर ने कहा, अपने राजनयिक मिशनों के जरिए हम वहां के भारतीय समुदाय के साथ संपर्क में हैं। पड़ोसी देश में इस जटिल और अभी भी लगातार अस्थिर बने हुए हालात को देखते हुए सीमा सुरक्षा बलों को सतर्क रहने का निर्देश दिया गया है।संसद में दिए गए बयान में विदेश मंत्री ने पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के भारत आने को लेकर भी सरकार का रुख साफ किया। उन्होंने हसीना के बहुत कम समय के नोटिस पर भारत आने के अनुरोध के बारे में भी बताया। उन्होंने कहा कि पांच अगस्त को प्रदर्शनकारी कर्फ्यू के बावजूद ढाका में एकत्र हुए। हमारी समझ यह है कि सुरक्षा संस्थानों के प्रमुखों के साथ बैठक के बाद प्रधानमंत्री शेख हसीना ने इस्तीफा देने का फैसला किया। बहुत कम समय के नोटिस पर उन्होंने कुछ समय के लिए भारत आने की मंजूरी मांगी। विदेश मंत्री ने कहा कि हमें बांग्लादेश के अधिकारियों से उड़ान की मंजूरी के लिए अनुरोध मिला। इसके बाद हसीना वह कल शाम दिल्ली पहुंचीं।जयशंकर ने बताया कि अनुमान है कि पड़ोसी देश में 19,000 भारतीय नागरिक हैं, जिनमें से लगभग 9,000 छात्र हैं। हालांकि, ज्यादातर छात्र जुलाई के महीने में ही भारत लौट आए। जयशंकर ने कहा कि बांग्लादेश के सेना प्रमुख जनरल वकार-उज-जमान ने पांच अगस्त को राष्ट्र को संबोधित किया। उन्होंने हालात को संभालने और अंतरिम सरकार के गठन की बात की। हम अपने राजनयिक मिशनों के माध्यम से बांग्लादेश में भारतीय समुदाय के साथ में हैं। भारत अल्पसंख्यकों की स्थिति के संबंध में भी स्थिति की निगरानी कर रहा है। जयशंकर ने कहा कि बांग्लादेश के साथ भारत के दशकों से गहरे संबंध हैं। वहां के हालात से यहां भी चिंता उत्पन्न हुई है। वहां जून से हालात बिगड़ने शुरु हुए और यह सिलसिला अब तक जारी है। जो कुछ पड़ोसी देश में हुआ, उसका एक सूत्री एजेंडा यह था कि प्रधानमंत्री शेख हसीना इस्तीफा दे दें।

जयशंकर ने इस बात पर भी जोर दिया कि बांग्लादेश के आर्मी चीफ के साथ लगातार संपर्क साधा जा रहा है। उन्होंने उम्मीद जताई है कि बांग्लादेश में जो भी सरकार बनेगी, वह भारत के लोगों को सुरक्षा प्रदान करेगी। अब जानकारी के लिए बता दें कि इस मुद्दे पर एक सर्वदलीय बैठक पहले ही हो चुकी है। सभी पार्टियों को सरकार ने अपना स्टैंड बता दिया है, तमाम नेता भी अभी केंद्र के साथ मजबूती से खड़े दिख रहे हैं। बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने भी कहा है कि वे सरकार का इस मुद्दे पर समर्थन करती हैं।

अभी भारत में...

शेख हसीना लंदन जाने वालीं थीं, लेकिन अब वे अन्य जगहों के बारे में विचार कर रही हैं। ब्रिटिश सरकार का कहना है कि लंदन में शेख हसीना को किसी भी संभावित जांच के तहत कानूनी सुरक्षा मिलने की संभावना नहीं है।सोमवार को ब्रिटेन के विदेश मंत्री डेविड लैमी ने लंदन में कहा कि बांग्लादेश में बीते कुछ सप्ताह से जबरदस्त हिंसा का दौर देखा गया। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश में अभूतपूर्व हिंसा के बीच जान-माल की दुखद हानि देखी है और देश के लोग संयुक्त राष्ट्र के नेतृत्व में पूर्ण और स्वतंत्र जांच के हकदार हैं। हसीना की यात्रा योजनाओं में कुछ अड़चन आ गई हैं और वह अगले कुछ दिनों तक भारत में ही रह सकती हैं। उन्होंने स्थिति को गतिशील भी बताया और कहा कि इस मामले में कोई निश्चित रास्ता या स्पष्टता नहीं है। हसीना ने बड़े पैमाने पर विरोध-प्रदर्शनों के बाद प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया।

मणिपुर को...

आउट कैंपेन चला रहे थे। बाल्केनाइजेशन प्लॉट (टुकड़ों में तोड़ने का प्लान) का खुलासा करते हुए उन्होंने बताया कि मणिपुर में हाल ही में जो हिंसक वारदातें हुई हैं, वह दरअसल एक सोची समझी साजिश का हिस्सा हैं। उन्होंने कहा कि इसका बांग्लादेश से सीधा कनेक्शन है। उन्होंने आशंका जताई कि बांग्लादेश का धार्मिक आधार पर विभाजन हो सकता है। बालकेनाइजेशन प्लॉट का खुलासा करते हुए उन्होंने आगे कहा कि कुछ विदेशी शक्तियां बांग्लादेश और म्यांमार के कुछ इलाके को काटकर पूर्वी तिमोर जैसा एक नया ईसाई देश बनाने की साजिश रच रहे हैं। म्यांमार का कुकी चिन प्रांत, बांग्लादेश का चटगांव पहाड़ी इलाका और भारत के मिजोरम को मिला कर नया देश बनाने की साजिश रची जा रही है और इसका बेस बंगाल की खाड़ी में होगा। उन्होंने कहा कि म्यांमार का कुकी-चिन इलाका ईसाई बहुल है, इसलिए उन्हें आसानी से बरगलाया जा सकता है। कुकी-चिन नेशनल फ्रंट अलगाववादी संगठन के उग्रवादी ईसाई विद्रोहियों की मदद के लिए म्यांमार सेना से लड़ रहे हैं। यह गुट कई बार बांग्लादेशी सेना पर घातक हमले भी कर चुका है। उन्होंने कहा कि यदि बांग्लादेश का कोई हिस्सा कुकी-चिन विद्रोहियों के चलते अशांत है, तो इसके परिणाम दिल्ली में भी महसूस किए जाएंगे। यह पूर्वोत्तर के कुछ हिस्सों में हिंसा भड़का सकते हैं और ड्रग माफिया युवाओं को हिंसा करने के लिए प्रेरित कर सकते हैं। उनका दावा है कि शेख हसीना के बांग्लादेश की प्रधानमंत्री बनने के बाद भारत विरोधी ताकतें बांग्लादेश की धरती का इस्तेमाल भारत विरोधी गतिविधियों के लिए नहीं कर पा रही थीं। इसलिए ईसाई राज्य बनने से भारत के लिए सुरक्षा संबंधी चिताएं भी पैदा होंगी।

कुकी-चिन नेशनल फ्रंट (केएनएफ) मुख्य रूप से बांग्लादेश के सिलहट और चटगांव हिल, भारत के पूर्वोत्तर राज्यों और म्यांमार के चिन राज्य में एक्टिव है। भारत के मणिपुर और मिजोरम राज्यों में, उन्हें कुकी और मिजो के तौर पर जाना जाता है, जबकि म्यांमार में उन्हें चिन के रूप में जाना जाता है। केएनएफ की स्थापना ढाका विश्वविद्यालय से ललित कला स्नातक नाथन बॉम ने 2017 में बावम लोगों के लिए एक स्वतंत्र संप्रभु राज्य बनाने के लिए की थी, जिसमें रंगमती और बंदरबन जिलों के भीतर नौ उपजिले (उप-जिले) शामिल थे। खुद बांग्लादेश पुलिस की आतंकवाद विरोधी इकाई रैपिड एक्शन बटालियन (आरएबी) ने भी माना है कि केएनएफ की रणनीति सशस्त्र संघर्ष के माध्यम से म्यांमार-बांग्लादेश सीमा पर कुकी-चिन लोगों के लिए स्वायत्तता हासिल करना है। वहीं कुकी-चिन भारत के पूर्वोत्तर और म्यांमार में भी सक्रिय उग्रवादी समूहों का हिस्सा हैं। वहीं चिन राज्य से बड़ी संख्या में कुकी भारत के मिजोरम राज्य में चले गए हैं। इस बीच, भारत के मणिपुर में कुकी और मैतई के बीच जो हिंसक संघर्ष चल रहा है, वह इसी का परिणाम माना जा सकता है। कुकी-चिन अलगाववादी संगठन ने न केवल हिंसा को भड़काया है, बल्कि हथियारों और नशीले पदार्थों की तस्करी को भी बढ़ावा दिया है। म्यांमार से शरणार्थियों की अवैध एंट्री को देखते हुए भारत ने 1643 किलोमीटर लंबी भारत-म्यांमार सीमा पर बाड़ लगाने का फैसला किया है।

गौरतलब है कि अवामी लीग के नेता शुरू से आरोप लगाते रहे हैं कि बाइडन सरकार म्यांमार में इन विद्रोही ताकतों की मदद कर रही है और अमेरिकी प्रशासन ने पहले ही बर्मा अधिनियम पर हस्ताक्षर कर दिए हैं, जिसके तहत अमेरिकी प्रशासन म्यांमार के विद्रोहियों को गैर-घातक सहायता प्रदान कर रहा है। म्यांमार सरकार ने विद्रोहियों को अमेरिकी सहायता पर आपत्ति जताई है, लेकिन अमेरिका का कहना है कि वह म्यांमार में बढ़ते चीनी प्रभाव को रोकने के लिए विद्रोहियों की मदद कर रहा है।

कोरोना काल में ...

18 माह के डीए का एरियर जारी करने के लिए सरकार से आग्रह किया है। डीए एरियर का मुद्दा पहले भी कई बार उठाया जा चुका है। नेशनल ज्वाइंट काउंसिल ऑफ एक्सन (एनजेसीए) के वरिष्ठ सदस्य एवं अखिल भारतीय रक्षा कर्मचारी महासंघ (एआईडीईएफ) के महासचिव सी श्रीकुमार ने बताया, कर्मियों के हितों से जुड़े मुद्दे, जिसमें पुरानी पेंशन बहाली सहित कई दूसरी मांगें शामिल हैं, लगातार उठाए जा रहे हैं। कर्मचारियों ने कोरोनाकाल में रोके गए 18 महीने के डीए/डीआर के भुगतान के लिए प्रदर्शन किया है। कैबिनेट सचिव को स्टाफ साइड की राष्ट्रीय परिषद (जेसीएम) द्वारा 18 माह के डीए एरियर के भुगतान के लिए लिखा गया था। इस बाबत वित्त मंत्रालय को भी प्रतिवेदन दिया गया। कर्मचारी संगठनों ने इस विषय में केंद्र सरकार को सुप्रीम कोर्ट के फैसले का हवाला भी दिया था।

केंद्र सरकार के कर्मचारी और पेंशनर्स, कोरोनाकाल में रोके गए 18 महीने के डीए एरियर के भुगतान को लेकर लंबे समय से मांग कर रहे हैं। केंद्र सरकार ने बजट सत्र में यह बात मानी थी कि डीए की बकाया राशि जारी करने के लिए कई कर्मचारी संगठनों की ओर से आवेदन मिले हैं। हालांकि सरकार ने इस संबंध में कोई ठोस भरोसा देने की बजाए साफ तौर से कह दिया कि मौजूदा परिस्थितियों में डीए के एरियर को जारी करना व्यावहारिक नहीं है। मतलब, केंद्र सरकार अपने कर्मचारियों को 34 हजार करोड़ से अधिक की डीए/डीआर राशि का भुगतान नहीं करेगी। बजट सत्र के दौरान वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने कहा था, अभी भी केंद्र सरकार का राजकोषीय घाटा एफआरबीएम अधिनियम में दर्शाए स्तर से दोगुने से अधिक चल रहा है। ऐसे में डीए/डीआर का एरियर देना संभव नहीं है। सी. श्रीकुमार बताते हैं, सुप्रीम कोर्ट का फैसला है कि ऐसे मामलों में कर्मचारी को छह फीसदी ब्याज के साथ उसका भुगतान करना होता है।केंद्र सरकार ने कोरोनाकाल के दौरान जनवरी 2020 से जून 2021 तक 18 महीने का महंगाई भत्ते और महंगाई राहत की 3 किस्तें रोक ली थीं। उस वक्त सरकार ने आर्थिक स्थिति ठीक नहीं होने की बात कही थी। राष्ट्रीय परिषद (जेसीएम) के सचिव शिव गोपाल मिश्रा ने तब कैबिनेट सचिव के साथ हुई बैठक में इस मुद्दे को उठाया था। कर्मियों को उम्मीद थी कि उन्हें बकाया राशि मिल जाएगी, लेकिन केंद्र सरकार ने इसे सिरे से खारिज कर दिया। सी. श्रीकुमार के मुताबिक, सरकार के मन में खोट आ चुका है। केंद्र ने 2020 के प्रारंभ में कोविड-19 की आड़ लेकर सरकारी कर्मियों और पेंशनरों के डीए/डीआर पर रोक लगा दी थी। उस वक्त कर्मियों के 11 फीसदी डीए का भुगतान रोक कर केंद्र सरकार ने करोड़ों रुपए बचा लिए थे। उसके बाद कर्मचारी संगठनों के प्रतिनिधियों ने 18 माह के एरियर के भुगतान को लेकर सरकार को कई तरह के विकल्प सुझाए थे। इनमें एरियर का एकमुश्त भुगतान करना भी शामिल था।कोरोनाकाल के बाद केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने यह घोषणा की थी कि कर्मचारियों को 28 फीसदी के हिसाब से महंगाई भत्ता मिलेगा। उस वक्त उन्होंने एरियर को लेकर कोई बात नहीं कही। केंद्रीय मंत्री की घोषणा का अर्थ यह था कि बढ़े हुए डीए की दर एक जुलाई 2021 से 28 फीसदी मान ली जाए। इसके अनुसार जून 2021 और जुलाई 2021 के बीच डीए में एकाएक 11 फीसदी वृद्धि हो गई, जबकि डेढ़ साल की अवधि में डीए की दरों में कोई वृद्धि दर्ज नहीं की गई। एक जनवरी 2020 से लेकर एक जुलाई 2021 तक डीए/डीआर फ्रीज कर दिया गया था। कोरोना संक्रमण काल में डीए की तीन किस्त (1 जनवरी 2020, 1 जुलाई 2020, 1 जनवरी 2021) रोक दी गई थी। इसके बाद सरकार ने जुलाई 2021 में महंगाई भत्ते को बहाल कर दिया था। तब 18 महीने की बकाया तीन किस्तों का पैसा देने पर सरकार चुप हो गई।

मौका मिला...

बैतूल के एसपी निश्चल झरिया ने बताया कि सीजेआई चंद्रचूड़ के खिलाफ सोशल मीडिया पर अवांछनीय टिप्पणी करने वाले आरोपी के खिलाफ केस दर्ज किया था। आरोपी पुलिस की गिरफ्त में हैं। उससे पूछताछ की जा रही है।

हिंदू पार्षद...

हतिबंधा में हिंदुओं के 12 घरों को आग के हवाले कर दिया गया। दिनाजपुर में भी हिंदुओं के कई मकान तोड़े गए हैं। कई मंदिरों पर ही हमला हुआ और इनमें मूर्तियाँ तोड़ी गईं। बांग्लादेश के बड़े तटीय शहर खुलना में भी हिंदुओं के घरों में लूटपाट और तोड़फोड़ हुई।बांग्लादेश के खुलना में भी इस्कॉन मंदिर को भी जला दिया गया, यहां रखी मूर्तियां भी तोड़ दी गईं। इस्लामी कट्टरपंथियों ने इस मंदिर में हिंदू समुदाय के छुपने के बाद हमला किया। शरण लेने वाले यहां से भाग गए लेकिन मूर्तियों को काफी नुकसान पहुंचाया गया। इसके अलावा मौलवी बाजार में भी काली मंदिर पर हमला किया गया। इस मंदिर को आग लगा दी गई है। ट्विटर पर डाली गई एक वीडियो में दावा किया गया कि एक हिंदू व्यक्ति को इस्लामी कट्टरपंथियों ने जीवित जला दिया। ठाकुरगांव में भी हिंदू महिलाओं को निशाना बनाया और मंदिर तोड़े गए।बांग्लादेश में प्रधानमंत्री शेख हसीना के देश छोड़ने के साथ ही लगातार हिंदू अल्पसंख्यकों पर हमले जारी हैं। बांग्लादेश हिंदू बौद्ध ईसाई एकता परिषद ने इस दौरान देश में हिंदू मंदिरों, घरों और दुकानों पर हुए हमलों की एक लिस्ट जारी की है। एक्स (पहले ट्विटर) हैंडल वॉयस ऑफ बांग्लादेशी हिंदू के अनुसार, यह सभी हमले मात्र पांच घंटे के भीतर हो गए। हालांकि, हमलों की असल संख्या इस लिस्ट से कहीं अधिक हो सकती है। इस संस्था द्वारा जारी लिस्ट में 54 हमलों के बारे में बताया गया है।इस लिस्ट के अनुसार, शेरपुर में श्रीबर्डी उपजिला युवा एकता परिषद के अध्यक्ष के घर पर हमला किया गया, तोड़फोड़ हुई और लूटपाट भी की गई। इसके अलावा खुलना के रूपसा थाना क्षेत्र के हाईगेट गांव में श्यामल कुमार दास और स्वजन कुमार दास के घर पर हमला हुआ। खुलना शहर के ही टूटपारा में खुलना जिला एकता परिषद के अध्यक्ष बिमन बिहारी अमित और युवा एकता परिषद के अध्यक्ष अनिमेष सरकार रिंकू के घर पर हमला हुआ। डाकोप के आमतली बनिसंता में जयंत गेन के घर और कोयरा के दारपारा में भी अल्पसंख्यकों पर हमला हुआ। उनके घरों में तोड़फोड़ की गई और लूटपाट की गई। लक्ष्मीपुर में पूजा परिषद के नेता और व्यवसायी दीपक साहा के घर और कार्यालय पर हमला कर तोड़फोड़ और लूटपाट की गई। कोषोरगंज के कुलियारचर के अगरुपुर गांव में नकुल कुमार और सुहसंत के घरों को जलाया गया। चटगांव के रौज़ान में उज्जल चक्रवर्ती के घर पर हमला और लूटपाट की गई।जसूर के अभयनगर के धोपडी पालपारा गांव में तीन घरों को जला दिया गया। बघारपारा के नारिकेल बरिया में बाबुल साहा के गोदाम समेत 22 दुकानों में तोड़फोड़ और लूटपाट की गई, केशवपुर, बेचपारा और बरमनपारा में अल्पसंख्यकों के घरों पर हमला किया गया। सतखैरा में भी अल्पसंख्यकों की दुकानों को लूटा गया, कोल-ारोआ में जिला एकता परिषद के अध्यक्ष विश्वजीत साधु के घर पर हमला कर लूटपाट की गई। एकता परिषद के केंद्रीय सहायक संगठन सचिव डॉ. सुब्रत घोष के घर पर हमला कर इस्लामी कट्टरपंथियों ने उसे जला दिया।

शैस्तागंज बाजार, हबीगंज में उपजिला एकता परिषद के अध्यक्ष असित बरन दास की दुकान पर हिंसक हमला, तोड़फोड़ और लूटपाट की गई। नरैल के लोहागरा में अल्पसंख्यकों के घरों पर हमला किया गया, तोड़फोड़ और लूटपाट भी हुई। अब यहां के हिंदू बेघर हैं। बोगरा में हिंसा की कई घटनाएं हुई हैं। बरगोला के तिलपट्टी में अल्पसंख्यकों की 5-7 दुकानों पर हमला, तोड़फोड़ और लूटपाट की गई। इसी तरह, दुपचांचिया उपजिला के सहपुकुर गांव में डॉ गौतम कुमार मंडल के घर पर हमला किया गया और लूटपाट की गई।पटुआखाली में कुआकाटा के राधा गोविंद मंदिर पर हमला हुआ और तोड़फोड़ की गई। अनंत मुखर्जी के घर पर हमला किया गया, तोड़फोड़ की गई और लूटपाट भी हुई। सदर, पंचगढ़ के वार्ड 2 और 3 में अल्पसंख्यकों के घरों को निशाना बनाया गया, तोड़फोड़ की गई और लूटपाट की गई। नोआखली के हटिया के सोनादिया में सहदेव रॉय के घर पर हमला और लूटपाट हुई। ठाकुरगांव के सदर में अल्पसंख्यकों के घरों पर हमला किया गया, तोड़फोड़ और लूटपाट की गई। इसके अलावा, पीरगंज के वार्ड 2 में श्मशान मंदिर पर हमला किया गया और उसे इस्लामी कट्टरपन्थियों ने जला दिया।झेनैदाह में भारी हिंसा हुई। यहां चकलापारा नगरपालिका में 10 अल्पसंख्यक परिवारों के घरों पर लगातार हमले, तोड़फोड़ और लूटपाट की गई। कोटचंदपुर में भी अल्पसंख्यकों की दुकानों पर हमला किया गया और लूटपाट की गई। हथुरिया, बेरा थाना और पबना में अल्पसंख्यकों के घरों पर हमला हुआ और यहां भी तोड़फोड़ और लूटपाट की गई। नेत्रकोना में रामकृष्ण मिशन और सदर में इस्कॉन मंदिर पर हमला किया गया और तोड़फोड़ की गई। भीड़ ने अल्पसंख्यकों के घरों पर भी हमला किया, तोड़फोड़ की और लूटपाट की। सदर, मुंशीगंज में अल्पसंख्यकों के घरों पर हमला किया गया, तोड़फोड़ की गई और लूटपाट की गई।चांदपुर के फरीदगंज उपजिला में हरिपद दास के घर पर हमला किया गया, तोड़फोड़ की गई और लूटपाट की गई। नारायणगंज के अराईहाजर में राम डॉक्टर के घर पर हमला करने और तोड़फोड़ करने की कोशिश की गई। नेत्रकोना में रामकृष्ण मिशन और सदर में इस्कॉन मंदिर पर हमला हुआ। इस्लामी कट्टरपंथियों की भीड़ ने अल्पसंख्यकों के घरों पर भी हमला किया, तोड़फोड़ की और लूटपाट की। चांदपुर के फरीदगंज उपजिला में हरिपद दास के घर पर हमला किया गया, तोड़फोड़ की गई और लूटपाट की गई।इस लिस्ट के अलावा सोशल मीडिया पर कई वीडियो और तस्वीरें वायरल हुई हैं। इनमें बांग्लादेश में हिंदुओं के घरों, दुकानों और मंदिरों पर सरकार के खिलाफ हिंसा की आड़ में हमले किए गए हैं। ऐसे कई वीडियो पोस्ट भी किए गए हैं। एक वीडियो में बांग्लादेश के बोगरा जिले के गबताली उपजिला में बामुनिया पालपारा हिंदुओं के घरों पर भीड़ को हमला करते देखा गया। एक अन्य पोस्ट में बांग्लादेश के पिरोजपुर जिले के मथबरिया पुलिस स्टेशन क्षेत्र में संकट में फंसी एक हिंदू लड़की का वीडियो शेयर किया गया। वीडियो में लड़की बांग्ला भाषा में मदद की गुहार लगाती दिख रही है। एक और वीडियो में, चटगांव के नवग्रह बाड़ी स्थित शनि मंदिर को दंगाइयों ने जला दिया। इस्कॉन इंडिया के प्रवक्ता युधिष्ठिर गोविंद दास ने एक पोस्ट में कहा, मुझे मिली जानकारी के अनुसार, मेहरपुर (खुलना डिवीजन) में हमारे एक इस्कॉन केंद्र को भगवान जगन्नाथ, बलदेव और सुभद्रा देवी की मूर्तियों के साथ जला दिया गया। केंद्र में रहने वाले 3 भक्त किसी तरह भागने में सफल रहे और बच गए।

विसेग्राद 24 द्वारा साझा किए गए एक वीडियो में, इस्लामी कट्टरपंथियों को हिंदुओं के घरों को घेरते और अंदर मौजूद लोगों को धमकाते हुए देखा गया। बांग्लादेशी अखबार द डेली स्टार के अनुसार, देश के भीतर 27 जगहों पर हिंदू समुदाय के घर हमले की चपेट में आए हैं। रिपोर्ट के अनुसार, लालमोनीहाट सदर उपजिला के तेलीपारा गांव और थाना रोड में प्रदीप चंद्र रॉय और मुहिन रॉय के घर में गोदाम और आबादियां की गईं। कालीगंज उपजिला, चंद्रपुर गांव में चार हिंदू परिवारों के घरों पर हमला किया गया। हाथीबंधा उपजिला के पुरबो सरदुबी गांव में 12 हिंदू घरों को जला दिया गया, जबकि बांधवगढ़ के सदर उपजिला में कई हिंदू घरों को जला दिया गया। दिनाजपुर में दस हिंदू घरों पर हमला और रेल बाजार में एक मंदिर पर हमला किया गया। खानसामा उपजिला में तीन हिंदू घरों पर हुआ हमला। खुलना में, ओइक्या काउंसिल के नेताओं और अन्य लोगों के घरों में सामान रखा गया। बरिशाल के गौरानादी में भीड़ ने आदिवासी अधिकारी के घर पर हमला कर दिया। इसी समय, बोगुरा, पटुआखली, शेरपुर, नरसिंगडी, किशोरगंज, चटगांव, जोशोर, सतखिरा, हबीगंज और नरैल में भी ऐसी ही घटनाएं सामने आई हैं।बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार पर योग गुरु बाबा रामदेव ने कहा, बांग्लादेश में हिंदुओं पर किसी भी तरह की क्रूरता या अत्याचार नहीं होना चाहिए। इसके लिए पूरे देश को एकजुट होना होगा। मुझे यह देखकर खुशी हो रही है कि पहली बार पूरा विपक्ष सरकार के साथ खड़ा है और यही भारत की नीति होनी चाहिए। वरना जिस तरह से इस्लामिक कट्टरपंथ दुनिया भर में फैल रहा है और जिस तरह से भारत के पड़ोस में दस्तक दे चुका है, वह देश के लिए खतरनाक हो सकता है। यह एकता आने वाले समय में भी बनी रहनी चाहिए। जो लोग आरक्षण, जाति, धार्मिक कट्टरता के नाम पर देश को बांटना चाहते हैं, यह ठीक नहीं है। इसलिए भारत की राजनीति मुद्दों पर केंद्रित होनी चाहिए।

सीमा पर पहुंच...

क्योंकि उन्हें स्थानीय उग्रवादी समूहों और अन्य इस्लामिक कट्टरपंथियों से जान का खतरा है। उन्होंने बताया कि बीजीबी के जवानों ने बेरहमी से उन्हें पीटा और उनकी कोई सुनवाई नहीं हो रही है। एक शरणार्थी, रमेश चंद्र दास ने कहा, हमने सोचा था कि भारत हमें शरण देगा, लेकिन हमें बीजीबी के लाठीचार्ज का सामना करना पड़ा। हमारे पास अब कोई विकल्प नहीं बचा है।बीएसएफ ने बताया कि वे स्थिति को समझ रहे हैं और उच्चाधिकारियों को इस बारे में सूचित कर दिया गया है। बीएसएफ के एक अधिकारी ने बताया कि जब तक बांग्लादेश की सीमा पार कर भारत की सीमा में लोग नहीं आते तब तक बीएसएफ कोई मदद नहीं कर सकती। इस समय हजारों की संख्या में हिंदू शरणार्थी बांग्लादेश की विभिन्न सीमाओं पर फंसे हुए हैं।

बीएसएफ और प. बंगाल...

बीएल और एलआरओ के अधिकारी, हंसखली के सहायक कृषि निदेशक और हंसखली गांव के सभापति/सरपंच, पंचायत के सदस्य शामिल हुए। बीएसएफ की 08 बटालियन में हुई बैठक में जिन प्रमुख मुद्दों पर चर्चा की गई, उनमें सीमा क्षेत्रों में ऊंची-ऊंची फसलों का प्रबंधन, सीमा के पास नागरिकों द्वारा जूट डंपिंग की समस्या, कर्फ्यू के बाद सीमा सड़कों पर नागरिक आवाजाही और बिना बाड़ वाले क्षेत्रों में बाड़ लगाने के लिए भूमि अधिग्रहण शामिल थे। बैठक में सीमा सुरक्षा और सामुदायिक सुरक्षा बनाए रखने के लिए इन मुद्दों को संबोधित करने के महत्व पर जोर दिया गया।इसके अलावा 107 बटालियन बीएसएफ की सीमा चौकियों उत्तरपाड़ा और मुस्तफापुर में स्थानीय ग्रामीणों के साथ सीमा समन्वय बैठकें आयोजित की गईं। चर्चा बांग्लादेश में सत्ता परिवर्तन और बांग्लादेशी सेना के कार्यभार संभालने के बाद मौजूदा स्थिति पर केंद्रित थी। बीएसएफ ने घुसपैठ और तस्करी की गतिविधियों को रोकने के लिए सतर्कता की आवश्यकता पर बल दिया। ग्रामीणों को सीमावर्ती क्षेत्रों और अंतरराष्ट्रीय सीमा सड़क (आईबीबीआर) पर रात के समय स्वतंत्र रूप से आवाजाही न करने की सलाह दी गई।यह भी निर्णय लिया गया कि बाजार की सभी दुकानें नौ बजे तक बंद हो जानी चाहिए और मस्जिदों से घोषणा की जाएगी कि ग्रामीणों को सीमावर्ती क्षेत्रों से दूर रहना चाहिए। किसानों को निर्देश दिया गया कि वे केवल आवश्यक कार्य के लिए ही गेट का उपयोग करें और उन्हें जरूरत पड़ने पर बीएसएफ से तत्काल सहायता का आश्वासन दिया गया। बीएसएफ ने बल और स्थानीय नागरिक आबादी के बीच अच्छे संबंध बनाए रखने के महत्व पर जोर दिया, समुदाय की सुरक्षा और सहयोग के प्रति प्रतिबद्धता को रेखांकित किया।

शेख हसीना को ...

उन्होंने बताया कि वे शेख हसीना के लिए एक खास संदेश लेकर आए थे। शायद भारत की खुफिया एजेंसियों को बांग्लादेश में होने वाली उथल-पुथल की पूरी जानकारी मिल चुकी थी और वे आखिरी संदेश पहुंचाने के लिए आए थे। इस बैठक में शेख हसीना को हर सूरत में भारत का पूरा समर्थन मिलने की प्रतिबद्धता जताई थी। उन्होंने कहा कि भारत ने अपना वायदा निभाया और शेख हसीना के लिए एक सेफ पैसेज भी उपलब्ध कराया और अपने यहां शरण भी दी। सदरुल ने बताया कि बांग्लादेश में जनवरी में आम चुनावों के बाद प्रधानमंत्री शेख हसीना ने अपने आवास पर पार्टी सदस्यों की एक बैठक में खुलासा किया था कि बांग्लादेश के खिलाफ बाल्केनाइजेशन प्लॉट रचा जा रहा है। इस साजिश में कुछ बड़े विदेशी राष्ट्र शामिल हैं। उन्होंने बताया कि शेख हसीना ने इस बैठक में खुलासा किया था कि 7 जनवरी, 2024 के चुनावों से पहले एक विदेशी दूत ने उनसे संपर्क किया था, उस दूत ने उन्हें सुझाव दिया था कि अगर वह बांग्लादेश में एक विदेशी सैन्य अड्डे की अनुमति देती हैं, तो वह बिना किसी परेशानी के फिर से चुनाव जीत सकती हैं। हालांकि उन्होंने उस देश का नाम नहीं लिया, लेकिन इशारा जरूर किया कि वह पश्चिम का बड़ा देश है।सदरुल के मुताबिक पिछले संसदीय चुनाव के दौरान चुनाव उस पश्चिमी देश के राजदूत ने शेख हसीना के नेतृत्व वाली सरकार को उखाड़ फेंकने के लिए कई तरह की रणनीतियां आजमाईं, लेकिन वे असफल रहे। चुनाव से ठीक दो माह पहले, 28 अक्टूबर 2023 को, मियां अराफी नाम का एक शख्स, जो खुद को उस पश्चिमी देश के राष्ट्रपति का एडवाइजर बताता है, वह हिंसक झड़प के तुरंत बाद ढाका में बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के कार्यालय में गया और कार्यकर्ताओं को विरोध-प्रदर्शन के लिए उकसाया। 7 जनवरी 2024 के चुनाव से पहले, उस पश्चिमी देश के राजदूत और विपक्षी पार्टी बीएनपी के बीच कई बैठकें हुईं। बांग्लादेश पर प्रतिबंध लगाने और चुनाव टालने की की धमकियां दी गईं। लेकिन शेख हसीना की दृढ़ता के आगे वे फेल हो गए। वह बताते हैं कि उन्होंने बांग्लादेश पर क्वॉड गठबंधन में शामिल होने का दबाव बनाया और सेंट मार्टिन द्वीप को पट्टे पर देने का प्रस्ताव रखा। लेकिन बांग्लादेश ने इन प्रस्तावों को दृढ़ता से खारिज कर दिया। यहां तक जून 2023 में, बांग्लादेश ने अवामी लीग और 14-पक्षीय गठबंधन की बैठक में इस प्रस्ताव की खुलकर निंदा भी की। उन्होंने कहा कि नौसैनिक अड्डा बनने से बांग्लादेश की संप्रभुता खतरे में पड़ेगी और दक्षिण एशिया में शांति और स्थिरता पर भी इसका असर पड़ेगा।

बांग्लादेश का दावा है कि अमेरिका रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण सेंट मार्टिन द्वीप पर एक सैन्य अड्डा स्थापित करना चाहता है, जो एक छोटा सा द्वीप है और बांग्लादेश का सबसे दक्षिणी हिस्सा है। यह कॉक्स बाजार-टेकनाफ प्रायद्वीप के सिरे से लगभग नौ किलोमीटर दक्षिण में है। चेरा द्वीप नामक एक और छोटा सा द्वीप है, जो उच्च ज्वार के समय अलग हो जाता है। बंगाली में सेंट मार्टिन द्वीप को नारिकेल जिन्जीरा के नाम से जाना जाता है और बंगाली में इसका अर्थ नारियल द्वीप है और यहां मूंगा की चट्टानें हैं। बता दें कि अमेरिका बीजिंग और मॉस्को के साथ ढाका के घनिष्ठ संबंधों को लेकर चिंतित है। अगर अमेरिका को बांग्लादेश में सैन्य अड्डा मिल जाता है, तो भारत का महत्व भी कम हो जाएगा। अमेरिका जानता है कि भारत एक बड़ा देश है और उसके पास मजबूत सैन्य और आर्थिक नीतियां भी हैं, इसलिए उसे ज्यादा धमकाया नहीं जा सकता। इसलिए वह ढाका पर अमेरिका को सैन्य अड्डा देने के लिए दबाव डालना चाहता है।

आज मनाई जाएगी हरियाली तीज

पति की दीर्घायु प्राप्ति का पर्व है हरियाली तीज

तीज के दिन महिलाएं व्रत रखती हैं और माता पार्वती के साथ गणेश जी और भगवान शिव की पूजा करती हैं।

हरियाली तीज आज, बुधवार दि. 7 अगस्त को मनाई जाएगी। इसे श्रावणी तीज भी कहा जाता है। इस दिन सुहागिन महिलाएं पति की दीर्घायु के लिए व्रत करती हैं और भगवान शंकर व माता पार्वती की पूजा करती हैं। कुछ स्थानों पर कुंवारी कन्याएं भी सुयोग्य वर पाने के लिए भी तीज का व्रत करती हैं। हरियाली तीज पर महिलाएं अपनी सखियों के साथ मिलकर पेड़ पर झूला डालती है और सावन के लोकगीत गाकर इस त्योहार की खुशियां मनाती हैं। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डॉ अनीष व्यास ने बताया कि हरियाली तीज 7 अगस्त को मनाई जाएगी। पंचांग के अनुसार, सावन माह के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि की शुरुआत 06 अगस्त को रात 07:52 मिनट पर होगी। वहीं, इसका समापन अगले दिन यानी 07 अगस्त को रात 10: 05 मिनट पर होगा। सनातन धर्म में उदया तिथि मान है। अतः 07 अगस्त को हरियाली तीज मनाई जाएगी। इस दिन हरे रंग का विशेष महत्व होता है इसलिए इस दिन हरी साड़ी के साथ हरी चूड़ियां भी पहनने का प्रचलन है। हरियाली तीज का व्रत करने से महिलाओं को अखंड सौभाग्य की प्राप्ति होती है। इस पर्व को नाग पंचमी से दो तिथि पूर्व मनाया जाता है। हरियाली

ज्योतिषाचार्य डॉ अनीष व्यास ने बताया कि सनातन धर्म में हर त्योहार का अपना एक विशेष महत्व हैं। इन्हीं त्योहारों में से एक है हरियाली तीज है, जो देशभर में मनाई जाती हैं। हरियाली तीज को श्रावणी तीज के नाम से भी जाना जाता हैं। हरियाली तीज सावन मास का सबसे महत्वपूर्ण पर्व हैं। महिलाएं इस दिन का पूरे वर्ष इंतजार करती हैं। हरियाली तीज सौंदर्य और प्रेम का पर्व हैं। यह उत्सव भगवान शिव और माता पार्वती के पुनर्मिलन के उपलक्ष्य में मनाया जाता हैं। यह पर्व प्रकृति से जुड़ने का पर्व हैं। हरियाली तीज का जब पर्व आता है तो हर तरफ हरियाली छा जाती हैं। पेड़ पौधे उजले उजले नजर आने लगते हैं। हरियाली तीज का पर्व श्रावण मास में शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को मनाया जाता हैं। हरियाली तीज या श्रावणी तीज, श्रावण मास के शुक्ल पक्ष की तृतीया को कहते हैं।

ज्योतिषाचार्य ने बताया कि पंचांग के अनुसार, सावन माह के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि की शुरुआत 06 अगस्त को रात 07:52 मिनट पर होगी। वहीं, इसका समापन अगले दिन यानी 07 अगस्त को रात 10: 05 मिनट पर होगा। सनातन धर्म में उदया तिथि मान है। अतः 07 अगस्त को हरियाली तीज मनाई जाएगी। हरियाली तीज का पर्व भगवान शिव और माता पार्वती के मिलन के उपलक्ष्य में मनाया जाता है। पौराणिक कथा के अनुसार, यह वह दिन है जब देवी ने शिव की तपस्या में 107 जन्म बिताने के बाद पार्वती को अपनी पत्नी के रूप में स्वीकार किया था। इस व्रत को रखने से स्त्री के पति को लंबी उम्र का वरदान मिलता है। ये व्रत महिलाओं के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को बनाए रखने में भी मदद करता है। यह व्रत श्रद्धालु को मानसिक विकारों से निजात दिलाता है।

हिन्दू धर्म के सभी व्रतों में हरियाली तीज के व्रत को महत्वपूर्ण स्थान प्राप्त है। इस व्रत को मुख्य रूप से पति की लंबी आयु के लिए किया जाता है। ऐसी मान्यता यह है कि तीज का दिन भगवान शिव और माँ पार्वती की उपासना करने के लिए श्रेष्ठ होता है। इस दिन शिव जी और माँ पार्वती के पूजन से सुहागिन महिलाओं को अपने पति की दीर्घायु का आशीर्वाद प्राप्त होता है। हरियाली तीज पर सुहागिन स्त्रियाँ सोलह श्रृंगार करती हैं। इस दिन महिलाओं को मायके से आने वाले वस्त्र ही धारण करने चाहिए, साथ ही मायके से आई हुई शृंगार की वस्तुओं का ही प्रयोग करना चाहिए। यह सब हरियाली तीज की परंपरा है। तीज के त्यौहार को साल में तीन बार मनाया जाता है जो इस प्रकार है: हरियाली तीज, कजरी तीज और हरतालिका तीज।

हरियाली तीज परम्पराएं

सावन के माह में आने वाले त्यौहारों को नवविवाहित स्त्रियों के लिए अत्यंत विशेष माना गया है। हरियाली तीज के अवसर पर महिलाओं को ससुराल से मायके बुलाया जाता है। हरियाली तीज से एक दिन पूर्व सिंजारा मनाने की परम्परा है। इस दिन ससुराल पक्ष से नवविवाहित स्त्रियों को वस्त्र, आभूषण, श्रृंगार का सामान, मेहंदी और मिठाई आदि भेजी जाती है। इस तीज के अवसर पर मेहंदी लगाना अत्यधिक शुभ माना जाता है। महिलाएं और युवतियां अपने हाथों पर मेहंदी लगाती हैं, साथ ही हरियाली तीज पर पैरों में आलता भी लगाया जाता है। यह सुहागिन महिलाओं की सुहाग की निशानी मानी गई है। हरियाली तीज के दिन सुहागिन स्त्रियां अपनी सास के पैर छूकर उन्हें सुहागी देती हैं। अगर सास नहीं हो तो सुहागा जेठानी या किसी अन्य वृद्धा को दिया जा सकता है। इस अवसर पर महिलाएं श्रृंगार और नए वस्त्र पहनकर श्रद्धा एवं भक्तिभाव से मां पार्वती की पूजा करती हैं। हरियाली तीज के दिन महिलाएं और कुंवारी कन्याएं खेत या बाग में झूले झूलती हैं और लोक गीत पर नृत्य करती हैं।

पूजा विधि

शिव पुराण में हरियाली तीज का वर्णन करते हुए कहा गया है कि इस दिन भगवान शिव और माँ पार्वती का पुनर्मिलन हुआ था इसलिए इस व्रत की विवाहित स्त्रियों के लिए बड़ी महिमा है। इस दिन महिलाएं महादेव और माता पार्वती के लिए व्रत एवं उनका पूजा-अर्चना करती हैं। हरियाली तीज के दिन साफ-सफाई करके घर को तोरण और मंडप से सजाएं। एक चौकी पर मिट्टी में गंगाजल मिलाकर शिवलिंग, श्री गणेश, माँ पार्वती और उनकी सखियों की प्रतिमा का निर्माण करें। सभी देवी-देवताओं की मिट्टी की प्रतिमा बनाने के उपरांत सुहाग की समस्त सामग्री को एक थाली में एकत्रित करें और माता पार्वती को अर्पित करें। माँ पार्वती के बाद भगवान शंकर को वस्त्र अर्पण करें। इसके बाद देवताओं का ध्यान करते हुए षोडशोपचार पूजन करें। अंत में हरियाली तीज की कथा सुननी या पढ़नी चाहिए। हरियाली तीज व्रत की पूजा पूरी रात चलती है। इस दौरान महिलाओं द्वारा जागरण और कीर्तन भी किये जाते हैं।

महत्व

हरियाली तीज को भगवान शिव और माता पार्वती के पुनर्मिलन का प्रतीक माना गया है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, माँ पार्वती ने भगवान शंकर को अपने पति के रूप में प्राप्त करने के लिए 108 जन्मों तक कठोर तप किया था। इस कठोर तप के बाद भगवान शिव ने माता पार्वती को पत्नी के रूप में स्वीकार किया था। ऐसा भी कहा जाता है कि ये हरियाली तीज के दिन अर्थात श्रावण माह के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि पर हुआ था। उस समय से ही श्रावण माह की तृतीया के दिन भगवान शिव और माता पार्वती सुहागिन स्त्रियों को अपना आशीष प्रदान करते हैं। यही वजह है कि इस दिन भगवान शंकर और माता पार्वती के पूजन से सुहागिन स्त्रियों को सौभाग्यपूर्ण जीवन और उनके पतियों को लंबी आयु की प्राप्ति होती है। हरियाली तीज के दिन कुंवारी कन्याएं मनोवांछित वर की प्राप्ति के लिए व्रत करती है, वहीं सुहागिन महिलाओं द्वारा निर्जला व्रत किया जाता है।

ऐसे मिला था देवी पार्वती को तप का फल

भोलेनाथ कहते हैं कि हे पार्वती! इस शुक्ल पक्ष की तृतीया को तुमने मेरी आर-ाधना करके जो व्रत किया था। उसी के परिणाम स्वरूप हम दोनों का विवाह संभव हो सका। इस व्रत का महत्व यह है कि इस व्रत को पूर्ण निष्ठा से करने वाली प्रत्येक स्त्री को मैं मन वांछित फल देता हूं। भोलेनाथ ने पार्वती जी से कहा कि जो भी स्त्री इस व्रत को पूरी श्रद्धा और निष्ठा से करेगी उसे तुम्हारी तरह अचल सुहाग की प्राप्ति होगी। मान्यता है कि इस कथा को जो भी स्त्री पढ़ती या सुनती है वह अखंड सौभाग्यवती होती है।

हरियाली तीज व्रत कथा

हरियाली तीज उत्सव को भगवान शिव और माता पार्वती के पुनर्मिलन के उपलक्ष्य में मनाया जाता है। पौराणिक मान्यता के अनुसार माता पार्वती ने भगवान शिव को पति के रूप में पाने के लिए कठोर तप किया था। इस कड़ी तपस्या से माता पार्वती ने भगवान शिव को पति के रूप में प्राप्त किया। कथा के अनुसार माता गौरी ने पार्वती के रूप में हिमालय के घर पुनर्जन्म लिया था। माता पार्वती बचपन से ही शिव को वर के

रूप में पाना चाहती थीं। इसके लिए उन्होंने कठोर तप किया। एक दिन नारद जी पहुंचे और हिमालय से कहा कि पार्वती के तप से प्रसन्न होकर भगवान विष्णु उनसे विवाह करना चाहते हैं। यह सुन हिमालय बहुत प्रसन्न हुए। दूसरी ओर नारद मुनि विष्णुजी के पास पहुंच गये और कहा कि हिमालय ने अपनी पुत्री पार्वती का विवाह आपसे कराने का निश्चय किया है। इस पर विष्णुजी ने भी सहमति दे दी।

नारद इसके बाद माता पार्वती के पास पहुंच गए और बताया कि पिता हिमालय ने उनका विवाह विष्णु से तय कर दिया है। यह सुन पार्वती बहुत निराश हुईं और पिता से नजरें बचाकर सखियों के साथ एक एकांत स्थान पर चली गईं। घने और सुनसान जंगल में पहुंचकर माता पार्वती ने एक बार फिर तप शुरू किया। उन्होंने रेत से शिवलिंग का निर्माण किया और उपवास करते हुए पूजन शुरू किया। भगवान शिव इस तप से प्रसन्न हुए और मनोकामना पूरी करने का वचन दिया। इस बीच माता पार्वती के पिता पर्वतराज हिमालय भी वहां पहुंच गये। वह सत्य बात जानकर माता पार्वती की शादी भगवान शिव से कराने के लिए राजी हो गये। शिव इस कथा में बताते हैं कि बाद में विधि-विधान के साथ उनका पार्वती के साथ विवाह हुआ। शिव कहते हैं, 'हे पार्वती! तुमने जो कठोर व्रत किया था उसी के फलस्वरूप हमारा विवाह हो सका। इस व्रत को निष्ठा से करने वाली स्त्री को मैं मनवांछित फल देता हूं।

हिंडोला उत्सव में भक्ति करती है अनूठा नृत्य

बांकेबिहारी मन्दिर एवं सप्त देवालयों समेत वृन्दावन के मन्दिरों में युगल सरकार का झूलनोत्सव सात अगस्त से शुरू हो रहा है। इसे हिंडोला उत्सव भी कहा जाता है।

बांकेबिहारी मन्दिर में यह झूलनोत्सव केवल एक दिन का होता है, वहीं अधिकांश मन्दिरों में यह उत्सव एक पखवारे तक चलेगा। वैसे द्वारकाधीश मन्दिर समेत ब्रज के कई मन्दिरों में झूलनोत्सव की शुरूवात श्रावण मास के प्रारंभ होते ही हो गई थी जो रक्षाबंधन तक चलेगा। हिंडोला एक प्रकार का झूला है जिसमें युगल सरकार झूलते हैं। झूला कहीं पर भी डाला जाता है लेकिन हिंडोला केवल मन्दिरों में ही डाला जाता है। बांकेबिहारी मन्दिर का हिंडोला यद्यपि सात दशक से अधिक समय पहले बनाया गया था लेकिन सोने चांदी से निर्मित यह भव्य हिंडोला देखने से ऐसा लगता है जैसे इसे आज ही बनाया गया हो। यह हिंडोला अपने पीछे एक इतिहास समेटे हुए है।

बांकेबिहारी मन्दिर के सेवायत आचार्य प्रहलाद बल्लभ गोस्वामी ने बताया कि यह हिंडोला विशाल होने के कारण कई टुकड़ों में बनाया गया है तथा इन टुकड़ों को मिलाकर हिंडोला तैयार होता है।

उन्होंने बताया कि लगभग 125 किलो सोना और एक हजार किलो चांदी से बनाये गए इस हिंडोले में लगभग सवा सौ से अधिक टुकड़े हैं जिन्हे जोड़कर हिंडोला तैयार होता है। इसके लिए आवश्यक शीशम, सागौन की लकड़ी नेपाल के टनकपुर से आई थी। इस हिंडोले का निर्माण सन 1942 में शुरू हुआ था तथा 1947 में यह बनकर तैयार हुआ था।

सेवायत आचार्य ने बताया कि 15 अगस्त 1947 को हरियाली अमावस्या के दिन पहली बार बिहारी जी महराज ने इस हिंडोले में विराजमान होकर भक्तों को दर्शन दिए थे। हिंडोले में चार सखियां ललिता, विशाखा, चित्रा एवं रंगदेवी भी बिहारी जी महराज की सेवा में रहती है। 1942 में महात्मा गांधी के भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान बनारस (वर्तमान में वाराणसी) के 20 कारीगरों ने इसको बनाने का काम शुरू किया था। इस हिंडोले को बनाने का निर्देशन कारीगर छोटेलाल एवं ललनभाई ने किया था तथा हिंडोला पांच साल में बनकर तैयार हुआ था। उस समय इसकी लागत करीब 25 लाख रूपए आई थी तथा इसमें प्रमुख योगदान हरगूलाल सेठ का था किंतु अन्य गोस्वामियों ने भी इसमें सहयोग किया था। पहले इस हिंडोले में बिहारी जी महराज के दर्शन केवल शाम को ही होते थें मगर 2015-16 के उच्च न्यायालय के एक आदेश के बाद अब हिंडोले में बिहारी जी महराज के दर्शन सुबह से शाम तक होते है।

हिंडोले के पीछे ठाकुर के लिए स्वर्णरजत निर्मित शयन शैया सजाकर रखी जाती है और पास में ही श्रंगार की सामग्री (श्रंगार पिटारी में) रखी जाती है तथां रजत आइना रखा जाता है। बिहारी जी जब थक जाते हैं तो शैया में विश्राम करते हैं और जब फिर भक्तों को दर्शन देते हैं तो श्रंगार सामग्री का उपयोग करते हैं।इस दिन बिहारी जी महराज हरे रंग की बेशकीमती जड़ाऊ पोशाक तथा रत्न जड़ित आभूषण धारण करते हैं तथा घेवर फैनी का विशेष भोग लगता है।

इसी दिन से वृन्दावन के प्राचीन सप्त देवालयों समेत अन्य मन्दिरों में भी हिंडोला उत्सव शुरू होता है। राधारमण मन्दिर का हिंडोला उत्सव एक प्रकार से वृन्दावन की सांस्कृतिक धरोहर हैं। मन्दिर के सेवायत आचार्य दिनेश चन्द्र गोस्वामी ने बताया कि इस दिन न केवल ठाकुर को हरे रंग की पोशाक और आभूषण धारण कराए जाते हैं बल्कि मन्दिर का पूरा परिसर हरीतिमामय हो जाता है।उन्होंने बताया कि मन्दिर में होनेवाली सात आरतियों में उत्सव आरती दर्शनीय होती है।इस दिन सिंधाड़ा का भोग लगता है जिसमें घेवर, फैनी, पकवान आदि होते हैं।मन्दिर इस दिन शुचिता का नमूना बन जाता है।

मदनमोहन मन्दिर के सेवायत आचार्य विजय किशोर गोस्वामी ने बताया कि चांदी के हिंडोले में मदनमोहन जी हरियाली तीज से 15 दिन तक विराजमान होकर भक्तों को दर्शन देते हैं।युगल सरकार के चरण दर्शन रक्षाबंधन के दिन होंगे।उन्होंने बताया कि हिंडोले में मदनमोहन जी, राधारानी, सखियां ललिता और बिशाखा साथ साथ विराजमान होकर झूलते हैं। रंग जी मन्दिर यद्यपि दक्षिण भारत शैली पर बना है तथा यहां के त्योहार ही दक्षिण में मनाए जानेवाले त्योहार की तरह होते हैं किंतु झूलनोंत्सव में इस मन्दिर में चांदी का हिंडोला डाला जाता है जो हरियाली तीज से 13 दिन तक पड़ता है।

हरियाली तीज से ही हिंडोला उत्सव राधा दामोदर मन्दिर, राधा श्यामसुन्दर मन्दिर, गोपीनाथ मन्दिर, गोविन्ददेव मन्दिर तथा राधा बल्लभ मन्दिर में विशेष प्रकार से मनाया जाता है। हर मन्दिर की अपनी निराली परंपरा है। इसी दिन से ब्रज के अन्य भागों कें अधिकांश मन्दिरों में हिंडोला उत्सव शुरू हो जाता है।कुल मिलाकर हरियाली तीज पर ब्रज के मन्दिरों की सजावट व कार्यक्रम नई नवेली दुल्हन की तरह दर्शनीय होती हैं।

शिव जी ने कैसे पार्वती के लिए सावन में बनाया झूला

सावन का महीना आते ही माता पार्वती ने भगवान शिव से झूला बनाने की इच्छा जताई । शिव जी ने तपस्या में लीन होने के कारण माता की बातों पर ध्यान नहीं दिया, जिससे माता पार्वती नाराज हो गईं। इसके बाद कैसे भगवान शिव ने माता पार्वती को प्रसन्न किया, उनके लिए अपने हाथों से कैसे झूला बनाया और उन्हें झुलाया ये पौराणिक कथा बेहद रोचक है। अगर आप हर साल सावन के महीने में झूला झूलते हैं और ये नहीं जानते की इसकी शुरुआत कैसे हुई तो आपको ये कहानी आपको बेहद रोचक लगेगी।

जानें पौराणिक कथा

सावन का महीना आ चुका था। माता पार्वती भगवान शिव से पिछले कुछ दिनों से झूला झूलने के लिए कह रही थी। पर शिव जी अपनी तपस्या मिली थी इसलिए उस समय उन्होंने उनकी बातों पर ध्यान नहीं दिया। इससे माता पार्वती नाराज हो गई और उन्होंने शिव जी से बात करनी बंद कर दी, तभी नंदी भगवान शिव के पास आए। प्रभु माता आपकी कितने चिंता करती हैं हमेशा आपका ख्याल रखती हैं, आपकी हर इच्छा को पूरा करने की पूरी चेष्टा करती हैं, पर मैं कुछ दिनों से देख रहा हूं शायद माता की नाराजगी इसी कारण हैं कि आपने उनके लिए सावन का झूला नहीं बनाया। शिवजी को अपनी भूल जैसे ही समझ आयी उन्होंने अपने सभी गणों को बुलाया और उन्हें झूला बनाने के लिए सामग्री लाने के लिए निर्देश दिया।

कुछ ही समय में कैलाश पर्वत के उपवन में एक बहुत ही सुंदर फूलों से सजा झूला बनकर तैयार हो गया। वो झूला जिसे भगवान शिव ने स्वयं अपने हाथों से बनाया। जैसे ही माता पार्वती उठकर आयी तो उपवन की ओर देखा और सोचा कि आज ये सारे शिवगढ़ वहां उपवन में क्या कर रहे हैं।

महादेव तो इस समय तपस्या में लीन होने चले जाते हैं पर आज तो ये अपने शिवगणों के साथ मस्ती कर रहे हैं। उन्होंने जैसे ही उपवन में प्रवेश किया तो अपने सामने एक बहुत सुंदर फूलों और वृक्ष की लताओं से सजा हुआ झूला देखा। माँ पार्वती की खुशी का ठिकाना नहीं था। माता पार्वती झूले पर बैठी और भगवान शिव ने उन्हें झूला झुलाया।

द राजा साब में प्रभास के साथ काम करेंगी मालविका मोहनन

अभिनेत्री मालविका मोहनन फिल्म द राजा साब में सुपरस्टार प्रभास के साथ काम करती नजर आयेंगी। अपनी आगामी फिल्म थंगालन के प्रचार के दौरान, मालविका ने उल्लेख किया कि द राजा साब ने उन्हें अपनी कलात्मक क्षमता का पता लगाने और अपने कौशल को पूरी तरह से प्रदर्शित करने का अवसर प्रदान किया। उन्होंने प्रभास के साथ काम करने के अवसर के लिए अपना आभार व्यक्त किया।

फिल्म द राजा साब को मारुति द्वारा लिखा और निर्देशित किया गया है। मालविका ने कहा,प्रभास सर के साथ एक फिल्म में ऐसा किरदार मिलना... मैं एक शानदार किरदार के लिए बहुत आभारी हूं। यह 'थंगालान' से बहुत अलग है, बिल्कुल विपरीत। मैं बहुत उत्साहित हूं कि आप मेरा वह रूप देखें। मारुति सर बहुत अच्छी महिला किरदार लिखते हैं।हम सभी जानते हैं कि तेलुगु फिल्म उद्योग अभी सबसे बड़ा है, और यह बॉलीवुड से आगे निकल गया है। यह एक अलग स्तर पर है, और मैं इस उद्योग में धमाकेदार तरीके से प्रवेश करना चाहती थी। मुझे बहुत सी बड़ी हीरो वाली फ़िल्में मिल रही थीं, जहां आप एक प्रेमी की भूमिका निभाते हैं, कुछ दृश्यों में दिखाई देते हैं और चले जाते हैं। लेकिन मैं ऐसी फ़िल्में चाहती थी जो मुझे एक कलाकार के रूप में खुद को साबित करने का मौका दे। और मुझे वह मौका तभी मिलेगा जब मैं किसी ऐसे निर्देशक के साथ काम करूं जो मुझसे यह सब करवा सके। पीपल मीडिया फैक्ट्री द्वारा निर्मित, द राजा साब में निधि अग्रवाल, रिद्धि कुमार, वरलक्ष्मी सरथकुमार, जीशु सेनगुप्ता, ब्रह्मानंदम, योगी बाबू और अन्य भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं। फिल्म का संगीत प्रशंसित एसएस थमन द्वारा तैयार किया जा रहा है। द राजा साब 10 अप्रैल, 2025 को तेलुगु, हिंदी, तमिल, कन्नड़ और मलयालम में रिलीज होगी।

फिल्म देवराः पार्ट 1 का दूसरा सिंगल 'धीरे धीरे' रिलीज

मैन ऑफ मासेस एनटीआर जूनियर और अभिनेत्री जान्हवी कपूर की आने वाली फिल्म देवरा: पार्ट 1 का दूसरा सिंगल 'धीरे धीरे' रिलीज हो गया है।

'धीरे-धीरे' गाना में जान्हवी कपूर के किरदार थंगम को दिखाया गया है, जो एनटीआर जूनियर द्वारा निभाए गए प्रतिपक्षी के प्रति अपनी भावनाओं को व्यक्त करती है। इस गाने को अनिरुद्ध रविचंदर ने संगीतबद्ध किया है तथा प्रतिभाशाली कौसर मुनीर ने इसके बोल लिखे हैं, जो प्रेम के सार को खूबसूरती से व्यक्त करते हैं। बोस्को मार्टिस ने इस गाने को कोरियोग्राफ किया है।'धीरे-धीरे' को हिंदी, तेलुगु, कन्नड़ और मलयालम में शिल्पा राव ने गाया है, जबकि तमिल वर्जन दीप्ति सुरेश ने गाया है।

देवरा: पार्ट 1, 27 सितंबर, 2024 को रिलीज़ के लिए तैयार है। फिल्म कोराताला शिवा द्वारा निर्देशित और युवासुधा आर्ट्स और एनटीआर आर्ट्स द्वारा निर्मित, नंदमुरी कल्याण राम द्वारा प्रस्तुत है। एनटीआर जूनियर और जान्हवी कपूर के साथ इस फिल्म में सैफ अली खान भी प्रमुख भूमिका में हैं।

शरवरी ने फिल्म 'वेदा' के लिए लिए बॉक्सिंग सीखी

बॉलीवुड की उभरती हुई स्टार शरवरी ने अपनी आने वाली फिल्म वेदा के लिये बॉक्सिंग सीखी है। शरवरी इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म वेदा को लेकर चर्चा में हैं,जिसमें वह एक्शन सुपरस्टार जॉन अब्राहम के साथ मुख्य भूमिका में नजर आएंगी।शरवरी ने सोशल मीडिया पर साझा किया कि उन्होंने फिल्म वेदा में अपनी भूमिका को प्रामाणिक रूप से निभाने के लिए बॉक्सिंग सीखी। उन्होंने लिखा, वेदा के लिए बीस्ट मोड ऑन! वेदा बनने के लिए बॉक्सिंग सीखी... अब मैं एक मजबूत मुक्का मारने के लिए तैयार हूँ या फिर किसी भी कठोर पिटाई को सहन करने के लिए।

शरवरी का अपने एक्शन कौशल को परिपूर्ण करने का समर्पण उनके करियर में एक महत्वपूर्ण कदम है, क्योंकि वह अपनी आगामी परियोजना 'अल्फा' के लिए भी तैयारी कर रही हैं, जिसमें वह आलिया भट्ट के साथ नजर आएंगी। यह फिल्म वाईआरएफ के स्पाई यूनिवर्स का हिस्सा है, जो अपने हाई-ऑक्टेन एक्शन और रोचक कहानी के लिए जाना जाता है। शरवरी का उनका करियर तेजी से उभर रहा है और वह भारत की अगली बड़ी एक्शन स्टार बनने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ रही हैं।

स्त्री 2 का तीसरा गाना तुम्हारे ही रहेंगे हम रिलीज

श्रद्धा कपूर और राजकुमार राव स्टार फिल्म स्त्री 2 का तीसरा गाना तुम्हारे ही रहेंगे हम रिलीज हो गया है। फिल्म 'स्त्री 2' वर्ष 2018 में रिलीज सुपरहिट फिल्म 'स्त्री' का सीक्वल है। फिल्म 'स्त्री 2' में श्रद्धा कपूर, राज कुमार राव, पंकज त्रिपाठी, अपारशक्ति खुराना, तमन्ना भाटिया, अभिषेक बनर्जी जैसे कलाकार हैं।इस फिल्म का तीसरा गाना तुम्हारे ही रहेंगे हम रिलीज कर दिया गया है। यह एक रोमांटिक नंबर है, जिसमें राजकुमार राव और श्रद्धा कपूर के बीच दमदार केमिस्ट्री देखने को मिल रही है।

गाने के लिरिक्स अमिताभ भट्टाचार्य ने लिखे हैं।शिल्पा राव, बर वरुण जैन,और सचिन जिगर ने इसे अपनी मधुर आवाज से सजाया है। गाने में सचिन-जिगर का म्यूजिक है। अमर कौशिक के निर्देशन में बनी फिल्म स्त्री 2, 15 अगस्त को रिलीज होगी।

किंग ने मोनोपॉली मूव्स लिसनिंग पार्टी टूर के साथ बेंगलुरु में मचाई धूम

जानेमाने रैपर-सिंगर किंग ने बेंगलुरु में अपने 'मोनोपॉली मूव्स लिसनिंग पार्टी टूर' के साथ धूम मचा दी।

बेंगलुरु में किंग के प्रदर्शन को हमेशा से ही जबरदस्त प्यार मिला है।यह कॉन्सर्ट किंग के लिए एक असाधारण अनुभव था, क्योंकि प्रशंसकों ने उनके नवीनतम एल्बम 'मोनोपॉली मूव्स' के हिट गानों की धूम मचा दी। 'मिसफिट', 'प्यार हमारा', 'फक व्हाट दे से' और 'साजा' जैसे गाने तुरंत ही लोगों के दिलों में बस गए।

इस टूर की शुरुआत पिछले सप्ताह दिल्ली में एक स्टार-स्टडेड शो के साथ हुई जिसमें भारत के रैप के दिग्गज बादशाह, इक्का, कर्मा, रागा, अभिजय शर्मा, ग्रेविटी, एमसी हेम, सिकंदर कहलों और यशराज के साथ-साथ निर्माता भार्ग और उकाटो ने किंग के साथ मिलकर अविस्मरणीय प्रदर्शन और सहयोग की एक रात का आनंद लिया। 'मोनोपॉली मूव्स लिसनिंग पार्टी टूर' देहरादून, अहमदाबाद, इंदौर, कोलकाता और हैदराबाद से होते हुए अपनी यात्रा जारी रखेगा, जिसका समापन 31 अगस्त को मुंबई में एक भव्य समापन समारोह में होगा।

नीरज व्यास ने सोनी पिक्चर्स नेटवर्क्स को कहा अलविदा

सोनी पिक्चर्स नेटवर्क्स इंडिया (एसपीएनआई) ने घोषणा की है कि सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन, सोनी सब, पल, और सोनी मैक्स मूवी क्लस्टर के बिजनेस हेड, नीरज व्यास, 31 अगस्त 2024 से कंपनी छोड़ रहे हैं।

लगभग तीन दशकों के शानदार करियर के बाद, नीरज व्यास ने एक नया उद्यमशीलता का सफर शुरू करने का निर्णय लिया है।नीरज व्यास ने एसपीएनआई में कई महत्वपूर्ण व्यवसायों को आकार देने में अहम भूमिका निभाई है, जिनमें प्रमुख जनरल एंटरटेनमेंट चैनल (जीईसी) सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन, सोनी सब, सोनी पाल, और हिंदी मूवी क्लस्टर शामिल हैं। उनकी यात्रा एसपीएनआई के साथ सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन (सेट) के लिए बिक्री में शुरू हुई, और वे 2005 में चैनल के नेशनल सेल्स हेड के पद पर तेजी से पदोन्नत हुए। पांच वर्षों के भीतर, उन्हें सोनी मिक्स, नेटवर्क के हिंदी म्यूजिक चैनल, के लिए एग्जीक्यूटिव वाइस प्रेसीडेंट नियुक्त किया गया, जहाँ उन्होंने उत्कृष्ट नेतृत्व और रणनीतिक दृष्टि का प्रदर्शन किया। वर्ष 2011 में, नीरज ने सोनी मैक्स की जिम्मेदारी संभाली, उसके बाद 2017 में सोनी सब और सोनी पाल, और 2023 में सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन की भी जिम्मेदारी संभाली। उनके मार्गदर्शन में, सोनी सब को एक प्रीमियम एंटरटेनमेंट ब्रांड के रूप में पुनर्स्थापित किया गया, जिसमें एक नई प्रोग्रामिंग लाइन-अप और सामग्री रणनीति के माध्यम से महत्वपूर्ण वृद्धि हासिल की गई। उनके नेतृत्व ने उद्योग में कई लोगों के लिए प्रेरणा का स्रोत बना दिया है। सोनी पिक्चर्स नेटवर्क्स इंडिया के एमडी

एन.पी. सिंह ने कहा,नीरज व्यास की सोनी पिक्चर्स नेटवर्क्स इंडिया के साथ यात्रा अद्वितीय रही है। उनका दृष्टिकोण और नेतृत्व हमारे एंटरटेनमेंट चैनलों को बाजार के नेताओं में बदलने में महत्वपूर्ण रहा है। नीरज में दर्शकों की नब्ज को समझने और ऐसे कंटेंट को बनाने की अद्भुत क्षमता है जो दर्शकों के साथ गहराई से जुड़ता है। व्यक्तिगत स्तर पर, नीरज का उत्कृष्टता के प्रति जुनून और उनकी नवाचारी सोच ने हमेशा उनके आसपास के लोगों को प्रेरित किया है।

उनका जाना हमारे लिए एक युग के अंत का प्रतीक है, लेकिन हम उनके नए उपक्रमों के बारे में उत्साहित हैं। नीरज एक सफलता की विरासत छोड़ कर जा रहे हैं, और हम उनके उद्यमशीलता की यात्रा के लिए उन्हें शुभकामनाएं देते हैं।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आपका धन आपके काम तभी आता है जब आप फिज़ूलखर्ची करने से खुद को रोकते हैं आज ये बात आपको अच्छी तरह से समझ में आ सकती है। जिसके साथ आप रहते हैं, उससे वाद–विवाद करने से बचें। यदि कोई समस्या है, तो उसे शान्ति से बातचीत करके सुलझाएँ। आपकी प्रेम कहानी आज एक नया मोड़ ले सकती है, आपका साथी आज आपसे शादी को लेकर बात कर सकता है। ऐसे में कोई भी फैसला लेने से पहले आपको विचार अवश्य करना चाहिए। आपका प्यार, आपका जीवनसाथी आपको कोई ख़ूबसूरत तोहफ़ा दे सकता है।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज आपकी सेहत पूरी तरह अच्छी रहेगी। बिना बताये आज कोई देनदार आपके अकाउंट में पैसे डाल सकता है जिसके बारे में जानकर आपको अचंभा भी होगा और खुशी भी। किसी धार्मिक स्थान पर जाएँ या किसी संत से मिलें, इससे आपके मन को शांति और सुकून मिलेगा। घर के कामों को पूरा करने के बाद गृहणियां आज के दिन फुर्सत में शापिंग का प्लान बन सकती है।
आज अचानक तबीयत खराब हो सकती है जिससे आप सारे दिन भर परेशान रह सकते हैं। फिजूलखर्ची से आप को जरुर बचना चाहिए।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

अपने आहार पर नियंत्रण रखें और चुस्त–दुरुस्त रहने के लिए नियमित व्यायाम करें। आज धन लाभ होने की संभावना तो बन रही है लेकिन ऐसा हो सकता है कि अपने गुस्सैल स्वभाव के कारण आप पैसा कमाने में सक्षम न हो पाएं। सामाजिक उत्सवों में सहभागिता का मौक़ा है, जो आपको प्रभावशाली व्यक्तियों के संपर्क में लाएगा। आपके आस–पास के लोग कुछ ऐसा कर सकते हैं, जिसके चलते आपका जीवनसाथी आपकी तरफ़ फिर से आकर्षित महसूस करेगा। आज आपका कोई सहकर्मी आपको सलाह दे सकता है, हालांकि आपको यह सलाह पसंद नहीं आएगी।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

पैसों की कमी आज घर में कलह की वजह बन सकती है, ऐसी स्थिति में अपने घर के लोगों से सोच–समझकर बात करें और उनसे सलाह लें। शाम के समय अपने जीवनसाथी के साथ बाहर खाना या फ़िल्म देखना आपको सुकून देगा और ख़ुशमिज़ाज बनाए रखेगा। दिन के अंत में आज आप अपने घर के लोगों को वक्त देना चाहेंगे लेकिन इस दौरान घर के किसी करीबी के साथ आपकी कहासुनी हो सकती है और आपका मूड खराब हो सकता है. वैवाहिक जीवन के लिए अच्छा दिन है। यात्रा पर किसी हसीन अजनबी से मुलाकात आपको अच्छे अनुभव करा सकती है।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज किसी पार्टी में आपकी मुलाकात किसी ऐसे शख्स से हो सकती है जो आर्थिक पक्ष को मजबूत करने के लिए आपको अहम सलाह दे सकता है। क्योंकि आपके पास आज अतिरिक्त ऊर्जा है, जो आपको किसी पार्टी या कार्यक्रम का आयोजन करने के लिए प्रेरित करेगी।अपना समय और ऊर्जा दूसरों की मदद करने में लगाएँ, लेकिन ऐसे मामलों में पड़ने से बचें जिनसे आपका कोई लेना–देना नहीं है। वैवाहिक जीवन के लिहाज़ से यह बढ़िया दिन है। साथ में एक अच्छी शाम गुज़ारने की योजना बनाएँ।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आपका आकर्षक बर्ताव दूसरों का ध्यान आपकी तरफ़ खींचेगा। पैसा अचानक आपके पास अएगा, जो अपके ख़र्चों और बिल आदि को सम्हाल लेगा। ज़रूरत के वक़्त आपको दोस्तों का सहयोग मिलेगा। आज आप ख़ुद को अपने प्रिय के प्यार से सराबोर महसूस करेंगे। इस लिहाज़ से आज का दिन बहुत ख़ूबसूरत रहेगा। आज जितना हो सके लोगों से दूर रहें। लोगों को वक्त देने से बेहतर है अपने आपको वक्त दें। इसलिए अपने दिन की योजना बेहतर तरीक़े से बनाएँ।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आप ऐसे स्रोत से धन अर्जित कर सकते हैं, जिसके बारे में आपने पहले सोचा तक न हो। पड़ोसियों से झगड़ा आपका मूड ख़राब कर सकता है। लेकिन अपना आपा न खोएँ, इससे सिर्फ़ आग और भड़केगी। अगर आप सहयोग न करें, तो कोई आपसे नहीं झगड़ सकता है। सबसे अच्छा रिश्ता बनाए रखने की कोशिश करें। आप महसूस करेंगे कि प्यार में बहुत गहराई है और आपका प्रिय आपको सदा बहुत प्यार करेगा। अगर आप शादीशुदा हैं और आपके बच्चे भी हैं तो वो आज आपसे शिकायत कर सकते हैं क्योंकि आप उनको पर्याप्त समय नहीं दे पाते।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

कोई अच्छी ख़बर मिल सकती है। केवल एक दिन को नज़र में रखकर जीने की अपनी आदत पर क़ाबू करें और ज़रूरत से ज़्यादा वक़्त व पैसा मनोरंजन पर ख़र्च न करें। आप दोस्तों के साथ बेहतरीन वक़्त बिताएंगे, लेकिन गाड़ी चलाते वक़्त ज़्यादा सावधानी बरतें। आज धार्मिक कामों में आप अपना खाली समय बिताने का विचार बना सकते हैं। इस दौरान बेवजह की बहसों में आपको नहीं पड़ना चाहिए। दोस्तों के साथ फ़ोन पर गपशप से बढ़िया और क्या हो सकता है।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

जब आप कोई फ़ैसला लें, तो दूसरों की भावनाओं का ख़ास ख़याल रखें। आपका कोई भी ग़लत निर्णय न केवल उनपर ख़राब असर डालेगा, बल्कि आपको भी मानसिक तनाव देगा। यदि शादीशुदा हैं तो आज अपने बच्चों का विशेष ख्याल रखें क्योंकि यदि आप ऐसा नहीं करते तो उनकी तबीयत बिगड़ सकती है और आपको उनके स्वास्थ्य पर काफी पैसा खर्च करना पड़ सकता है। जो लोग अब तक किसी काम में व्यस्त थे आज उन्हें अपने लिए समय मिल सकता है लेकिन घर में किसी काम के आ जाने से आप फिर से व्यस्त हो सकते हैं। आज घर पर रहेंगे लेकिन घर की उलझनें आपको परेशान कर सकती हैं।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

नौकरी पेशा से जुड़े लोगों को आज धन की बहुत आवश्यकता पड़ेगी लेकिन बीते दिनों में किये गये फिजुलखर्च के कारण उनके पास पर्याप्त धन नहीं होगा। बच्चे भविष्य की योजनाएँ बनाने की अपेक्षा घर के बाहर ज़्यादा समय बिताकर आपको निराश कर सकते हैं। आप खुद को समय देना जानते हैं और आज तो आपको काफी खाली समय मिलने की संभावना है। खाली समय में आज आप कोई खेल–खेल सकते हैं या जिम जा सकते हैं। वैवाहिक जीवन के दृष्टिकोण से देखें तो चीज़ें आपके पक्ष में जाती हुई नज़र आ रही हैं।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

झगड़ालू स्वभाव को क़ाबू में रखें, नहीं तो रिश्तों में कभी न मिटने वाली खटास पैदा हो सकती है। ख़र्चों पर क़ाबू रखने की कोशिश करें और सिर्फ़ ज़रूरी चीज़ें ही ख़रीदें। घर में और आस–पास छोटे–मोटे बदलाव घर की सजावट में चार चांद लगा देंगे।मुमकिन है कि आपके अतीत से जुड़ा कोई शख़्स आज आपसे संपर्क करेगा और इस दिन को यादगार बना देगा। आज की शाम दोस्ती के नाम – कहीं बाहर आप अपने दोस्तों के साथ वक़्त का भरपूर लुत्फ़ उठा सकते हैं, लेकिन सेहत के लिहाज़ से ज़रा संभलकर रहें।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

व्यापार को मजबूती देने के लिए आज आप कोई अहम कदम उठा सकते हैं जसके लिए आपका कोई करीबी आपकी आर्थिक मदद कर सकता है। पारंपरिक रस्में या कोई पावन आयोजन घर पर किया जाना चाहिए। आज आपके पास लोगों से मिलने–जुलने का और अपने शौक़ पूरे करने का पर्याप्त खाली वक़्त है। अगर आप अपने जीवनसाथी की छोटी–छोटी बातों को नज़रअन्दाज़ करेंगे, तो उन्हें बुरा लग सकता है। पिता या बड़ा भाई आज आपकी किसी गलती पर आपको डांट सकता है। उनकी बातों को समझने की कोशिश करें।

बुधवार का पंचांग

दिनांक : 07 अगस्त 2024 , बुधवार
विक्रम संवत : 2081
मास : श्रावण , शुक्ल पक्ष
तिथि : तृतीया रात्रि 10:08 तक
नक्षत्र : पूर्वाफाल्गुनी रात्रि 08:31 तक
योग : परिघ प्रातः 11:40 तक
करण : तैतिल प्रातः 08:58 तक
चन्द्र राशि : सिंह रात्रि 03:15 तक
सूर्योदय : 05:57 , सूर्यास्त 06:46 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:06 , सूर्यास्त 06:44 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:58 , सूर्यास्त 06:37 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:49 , सूर्यास्त 06:36 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

लाभ : 06:00 से 07:30
अमृत : 07:30 से 09:00
शुभ : 10:30 से 12:00
चल : 03:00 से 04:30
लाभ : 04:30 से 06:00
राहुकाल : दोपहर 12:00 से 01:30
दिशाशूल : उत्तर दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : मधुश्रवा हरीयाली तीज

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

विधानसभा में कांग्रेस विधायकों की नारेबाजी और हंगामा

कांग्रेस विधायक मुकेश भाकर छह महीने के लिए निलंबित

जयपुर, 06 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान की सोलहवीं विधानसभा के बजट एवं द्वितीय सत्र के आखिरी दिन मंगलवार को पूरे दिन सदन की कार्यवाही हंगामेदार रही और सदन की पालना नहीं करने पर कांग्रेस विधायक मुकेश भाकर को छह महीने के लिए निलंबित कर दिया गया और इसके बाद सदन की कार्यवाही अनिश्चतिकाल के लिए स्थगित कर दी गई।

सदन की कार्यवाही दिन भर हंगामें के बीच चलने के बाद जब राज्य में आपदा प्रबंधन की स्थिति पर चर्चा हो रही थी और इसके आखिरी में सरकारी मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग ने कहा कि सोमवार को अभद्रता के कारण श्री भाकर को इस सत्र की शेष अवधि के लिए निलंबत किया गया था लेकिन इसके बावजूद भी वह सदन से बाहर नहीं गए। उन्होंने नियम 292 (3) का ध्यान दिलाते हुए कहा कि निलंबित सदस्य सदन की सीमा का उल्लंघन किया और प्रतिपक्ष ने उसे संरक्षण दिया जो अलोकतांत्रिक एवं अशोभनीय है।

इसके बाद श्री गर्ग ने प्रस्ताव किया कि श्री भाकर का छह महीने के लिए निलंबित किया जाना चाहिए। इस पर अध्यक्ष ने श्री भाकर को छह महीने के लिए निलंबित कर दिया और एक बजकर 52 मिनट पर सदन की कार्यवाही अनिश्चितकालीन के लिए स्थगित कर दी। बुधवार को श्री भाकर को बजट सत्र के शेष अवधि के लिए निलंबित करने के विरोध में कांग्रेस के सदस्यों ने वेल में धरना दिया और रात भी सदन में ही गुजारी और मंगलवार पूर्वाह्न ग्यारह बजे सदन की कार्यवाही शुरु होते ही विपक्ष के सदस्यों ने श्री भाकर को अपने घेरे में रखते हुए हंगामा शुरु कर दिया। इस पर अध्यक्ष देवनानी ने उन्हें अपनी सीट पर जाने और निलंबित सदस्य श्री भाकर को सदन के बाहर जाने के लिए कहा लेकिन श्री भाकर सदन में ही डटे रहे और विपक्ष के सदस्य नारेबाजी करते रहे।

पूरे प्रश्नकाल हंगामे में गुजरा और कांग्रेस के सदस्यों के प्रश्न नहीं उठाने के कारण प्रश्नकाल समय से पहले ही पूरा हो जाने एवं हंगामें के चलते अध्यक्ष ने 11 बजकर 46 मिनट पर सदन की कार्यवाही आधे घंटे के लिए स्थगित कर दी। इसके बाद सदन की कार्यवाही 12 बज 16 मिनट पर फिर शुरु होने पर विपक्ष के सदस्यों ने फिर नारेबाजी कर हंगामा शुरु कर दिया और हंगामें के बीच ही सदन की कार्यवाही चलती रही। श्री देवनानी ने बीच बीच में विपक्ष के सदस्यों से अपनी सीटों पर जाने और निलंबित सदस्य को बाहर भेजने के लिए कहते रहे लेकिन इसका विपक्ष के सदस्यों पर कोई असर नहीं पड़ा।

विपक्ष के सदस्य पहले तो वेल के पास एकत्रित होकर नारेबाजी एवं हंगामा कर रहे थे लेकिन बाद में एक बजकर 14 मिनट पर वे वेल में आ गए और नारेबाजी कर हंगामा करने लगे। इस पर सभापति अर्जुनलाल जीनगर ने उन्हें वेल में नहीं आने के लिए कहा लेकिन विपक्ष के सदस्यों पर कोई असर नहीं हुआ और हंगामा करते रहे और बाद में वेल में बैठ गए रघुपति राजाराम गाने लगे। इसके थोड़ी देर बाद श्री भाकर भी वेल में आ गए। आज सदन में पूरे दिन श्री भाकर को महिला सदस्यों को आगे रखते हुए विपक्ष के सदस्यों ने घेरकर रखा। इस पर श्री गर्ग ने कहा कि आसन का इकबाल इतना बुलंद हैं कि अध्यक्ष के आसन पर होते हुए विपक्ष के सदस्यों की वेल में आने की हिम्मत नहीं हुई और उनके जाते ही वे वेल में आ गए। इस पर विपक्ष के सदस्य खड़े हो गए और जोर से हंगामा करने लगे। आपदा की स्थिति पर चर्चा हो रही थी विधायक गोपाल शर्मा बोल रहे थे कि तब उन्होंने कांग्रेस के एक बड़े नेता का नाम लेने पर कांग्रेस सदस्यों ने इस पर जोरदार हंगामा किया और भाजपा के सबसे बड़े नेता का नाम लेते मुर्दाबाद के नारे लगाने लगे। इस पर सत्ता पक्ष के लोग भी खड़े हो गए और सदन में शोरगुल बढ़ गया जिससे जोरदार हंगामा हुआ। बाद में श्री गर्ग ने श्री भाकर को निलंबित करने का प्रस्ताव किया और श्री भाकर को छह महीने के लिए निलंबित कर देने के बाद राष्ट्रगान हुआ और श्री देवनानी ने एक बजकर 52 मिनट पर सदन की कार्यवाही अनिश्चितिकाल के लिए स्थगित कर दी।

11 अगस्त को रेवाड़ी में होगी हाफ मैराथन

चंडीगढ़, 06 अगस्त (एजेंसियां)। हरियाणा उदय आउटरीच कार्यक्रम के तहत जिला रेवाड़ी में 11 अगस्त को रेवाड़ी हाफ मैराथन का आयोजन किया जायेगा। एक सरकारी प्रवक्ता ने मंगलवार को एक सरकारी प्रवक्ता ने बताया कि मुख्यमंत्र नायब सिंह सैनी रिवाड़ी हाफ मैराथन को बतौर मुख्य अतिथि हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे।

उन्होंने बताया कि रेवाड़ी हाफ मैराथन इवेंट को तीन श्रेणियों में बांटा गया है। इसमें पहली श्रेणी में 21 किलोमीटर की हाफ मैराथन, दूसरी श्रेणी में 10 किलोमीटर रन व तीसरी श्रेणी पांच किलोमीटर की रन फॉर फन होगी। इस मैराथन में भाग लेने के लिये ई–मेल रिवाडी हाफ मैराथन डाट कॉम पर पंजीकरण करना होगा। उन्होंने बताया कि 21 किलोमीटर की हाफ मैराथन में प्रथम, द्वितीय, तृतीय, चतुर्थ और पंचम विजेताओं को क्रमश: 1.21 लाख, एक लाख, 75 हजार, 51 हजार व 11 हजार रुपये तथा 10 किलोमीटर रन में प्रथम, द्वितीय, तृतीय, चतुर्थ और पंचम विजेताओं को क्रमश: एक लाख, 75 हजार, 51 हजार, 21 हजार और 11 हजार रुपये से पुरस्कृत किया जायेगा।

आयुष्मान भारत योजना के लाभार्थी अन्य राज्यों में करवा सकेंगे उपचार : खींवसर

जयपुर, 06 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान के चिकित्सा मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर ने मंगलवार को विधानसभा में बताया कि आयुष्मान भारत योजना के लाभार्थियों की अन्य राज्यों में उपचार की व्यवस्था आगामी कुछ महीनों में सुनिश्चित कर ली जाएगी और इसके लिए राज्य सरकार द्वारा कदम उठाये जा रहे हैं।

श्री खींवसर शून्यकाल में निम्बाहेड़ा विधायक श्रीचन्द कृपलानी द्वारा इस सम्बन्ध में लाये गये ध्यानाकर्षण प्रस्ताव पर जवाब दे रहे थे। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना में पांच लाख रुपये एवं मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना में 25 लाख रुपये तक का कवरेज है। राज्य में 66.37 लाख परिवार प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना एवं लगभग 73 लाख परिवार मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना में सम्मिलित हैं।

उन्होंने बताया कि उपचार के लिए नेशनल हैल्थ ऑथोरिटी के अंतर्गत 2500 पैकेज व राज्य सरकार के अंतर्गत 1800 से अधिक पैकेज हैं। यह जो

अंतर है उसमें कम्पेटिबिलिटी लाने के पूरे प्रयास किये जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि पहले चरण के तहत आगामी सितम्बर माह से अन्य राज्य का कोई भी व्यक्ति राजस्थान में आकर उपचार करवा सकेगा। जबकि दूसरे चरण में आगामी 3–4 माह के बाद राजस्थान के लोग भी पूरे भारत में योजना के अंतर्गत उपचार करवा पाएंगे। श्री खींवसर ने विश्वास जताया कि वित्त विभाग की अनुमति लेकर शीघ्र ही सॉफ्टवेयर्स की कम्पेटिबिलिटी सुनिश्चित कर ली जाएगी।

300 से ज्यादा पुलिसकर्मियों को मिली पदोन्नति

चंडीगढ़, 06 अगस्त (एजेंसियां)। हरियाणा सरकार ने मंगलवार को अम्बाला पुलिस रेंज के लगभग 300 से ज्यादा भर्ती हुए पुलिस कर्मचारियों को सब–इंस्पेक्टर बनाया है। हरियाणा के पूर्व गृह मंत्री निल विज के प्रयासों से पदोन्त हुए पुलिस प्रतिनिधिमंडल ने उनका लड्डू खिलाते हुए उनका मुंह मीठा करवाया और खुशी का इजहार किया।

श्री विज ने इस दौरान पत्रकारों से बातचीत करते हुए बताया कि पदोन्नति नहीं मिलने की वजह से पहले स्टाफ के साथ ज्यादती हो रहीं थी, लेकिन अब सब ठीक है। उन्होंने उदाहरण देते हुए बताया कि पहले एक ही तारीख में दो कर्मचारी भर्ती हुए तो अम्बाला रेंज में भर्ती हुआ कर्मचारी हवलदार रह गया जबकि दूसरा गुरुग्राम रेंज वाला सब इंस्पेक्टर बन गया। उन्होंने कहा कि यह जो भिन्नता थी इसको सही करने के लिए उन्होंने अपने कार्यकाल में काफी मेहनत की थी और इसके लिए कई बार फाइलों को ऊपर–नीचे भेजा गया। मगर, आज पुलिस कर्मियों को पदोन्नति मिलने से सभी पुलिस कर्मचारियों में खुशी की लहर है।

भाजपा सरकार कर कर रही हवाई ऐलान : हुड्डा

चंडीगढ़, 06 अगस्त (एजेंसियां)। हरियाणा में नेता प्रतिपक्ष भूपेन्द्र सिंह हुड्डा ने मंगलवार को कहा कि विधानसभा चुनाव में स्पष्ट हार सामने देख भाजपा इस कदर बौखला गयी है कि उसे कुछ समझ नहीं आ रहा और सरकार की तरफ से लगातार ऐसे हवा–हवाई ऐलान किये जा रहे हैं, जो वो जमीन पर लागू ही नहीं किए जा सकते।

श्री हुड्डा ने ने यहां जारी प्रेस बयान में कहा कि सभी फसलों पर एमएसपी देने का एलान करते हुये हरियाणा की भाजपा सरकार ये तक भूल गयी कि एमएसपी का ऐलान केंद्र सरकार करती है। यह राज्य सरकार के अधिकार क्षेत्र में नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रदेश सरकार ने ऐसी 15 फसलों का भी ऐलान कर दिया, जो हरियाणा में होती ही नहीं है। उन्होंने कहा कि सच्चाई ये है कि केंद्र सरकार ने इस बार के बजट में कहीं एमएसपी गारंटी की

बात ही नहीं कहीं, न ही उसके लिये बजट में कोई प्रावधान किया है तो फिर प्रदेश सरकार किस आधार पर ऐसा ऐलान कर रही है?

श्री हुड्डा ने कहा कि अगर भाजपा एमएसपी को लेकर रत्तीभर भी गंभीर है तो केंद्र सरकार को कांग्रेस द्वारा किए गए ऐलान के मुताबिक तुरंत संसद में बिल लाना चाहिये, जिसमें एमएसपी की गारंटी का प्रावधान हो। उन्होंने कहा कि केवल जुबानी जमा खर्च के जरिये किसानों को बरगलाने की कोशिश कामयाब नहीं होने वाली। कांग्रेस नेता ने कहा कि भाजपा ने अपने पूरे कार्यकाल के दौरान किसानों को एमएसपी के लिए तरसाया है। हर बार किसानों को गेहूं, धान, सूरजमुखी, बाजरा, मक्का, सरसों समेत हर फसलों का मूल्य लेने के लिए सड़कों पर उतरना पड़ा। ऐसा कोई सीजन नहीं गया, जिसमें किसानों को धरना प्रदर्शन ना करना पड़ा हो। इसी भाजपा सरकार के दौरान आजाद भारत के इतिहास का सबसे बड़ा आंदोलन भी किसानों ने किया, जिसमें 750 किसानों को अपनी जान गंवानी पड़ी पर फिर भी भाजपा ने एमएसपी गारंटी की बात नहीं मानी। श्री हुड्डा ने कहा कि अब हरियाणा में दो महीने बाद चुनाव होने हैं। एक महीने बाद आचार संहिता लग जायेगी। अगले एक महीने के भीतर कोई फसल मंडी में नहीं आने वाली है। ऐसे में इस समय भाजपा की तरफ से एमएसपी देने की बात करने का कोई औचित्य ही नहीं बनता।

छबड़ा में सरकारी जमीन पर अवैध निर्माण तत्काल प्रभाव से होंगे सीज : खर्रा

जयपुर, 06 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान के स्वायत्त शासन राज्य मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने मंगलवार को विधानसभा में बताया कि छबड़ा में सरकारी जमीन पर मुस्लिम मुसाफिर खाने के अवैध निर्माण के संबंध में नगर पालिका छबड़ा को कार्रवाई करने के निर्देश दे दिए हैं और यहां निर्मित दुकानों को तत्काल प्रभाव से सीज कर सरकार अपने कब्जे में लेगी।

श्री खर्रा शून्यकाल में छबड़ा विधायक प्रताप सिंह सिंघवी द्वारा लाये गए ध्यान आकर्षण प्रस्ताव पर जवाब दे रहे थे। उन्होंने कहा कि यहां एक हॉल एवं बरामदे के साथ 10 दुकानों का निर्माण किया गया है। दुकानों को किराए पर भी दे दिया है। उन्होंने कहा कि इन दुकानों को तत्काल प्रभाव से सीज कर सरकार अपने कब्जे में लेगी तथा अन्य आवश्यक कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने बताया कि इस अवैध निर्माण के सम्बंध में संबंधित जिला कलेक्टर अनियमितता के सभी तथ्यों की जांच कर 10 दिन में रिपोर्ट प्रस्तुत करेंगे। रिपोर्ट के आधार पर निर्मित हॉल के संबंध में निर्णय किया जाएगा। उन्होंने बताया कि नगरपालिका छबड़ा में लगभग नौ हजार वर्ग फीट जमीन पर बिना आवंटन के अतिक्रमण करके निर्माण किया गया। नगर पालिका द्वारा बिना आवंटन तथा बिना स्वीकृति के विधायक कोष से 10 लाख रुपये भी खर्च कर दिए गए।

रेवाड़ी में विकास परियोजनाओं का शुभारंभ

12 गांवों में 30 करोड़ की लागत से होगी पेयजल आपूर्ति

रेवाड़ी, 06 अगस्त (एजेंसियां)। लोक निर्माण एवं जनस्वास्थ्य मंत्री बनवारी लाल ने मंगलवार को बावल विधानसभा क्षेत्र के गांवों में आयोजित विकास परियोजनाओं का शुभारंभ किया। संबोधित करते हुए मंत्री बनवारी लाल ने कहा कि हरियाणा सरकार निरंतर नवाचार और नई–नई पहलों के माध्यम से प्रदे–शवासियों की प्रगति सुनिश्चित कर रही है। जनस्वास्थ्य मंत्री बनवारी लाल ने गांव मामडिया आसमपुर एवं प्राणपुरा में करीब 30 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले पीने के पानी के लिए नहरी आधारित जल घर का शिलान्यास किया।

उन्होंने कहा कि इस परियोजना के तहत नहर के पास एक पंपिंग स्टेशन का निर्माण, गांव मामडिया आसमपुर व प्राणपुरा में एक–एक जल घर एवं 13380

मीटर विभिन्न आकार की पाइप लाइन का कार्य होगा। इस विकास परियोजना से गांव मामडिया आसमपुर, प्राणपुरा, बवाना गुर्जर, टिंट, हरजीपुर, पाली व चीता डूंगरा आदि गांवों के लोगों को लाभ मिलेगा। इस परियोजना के तहत सभी गांवों में 70 लीटर प्रति व्यक्ति प्रति दिन की दर से पीने का स्वच्छ जल वितरित किया जाएगा।

उन्होंने लोक निर्माण विभाग के एसडीओ कार्यालय भवन का भी उद्घाटन किया।

कार्यक्रम के दौरान एक पेड़ मां के नाम थीम के साथ जनस्वास्थ्य मंत्री डा.बनवारी लाल द्वारा पौधरोपण भी किया गया। बनवारी लाल ने कहा कि सरकार की ओर से खेत–खलिहान सड़क योजना के तहत गांवों में यातायात व्यवस्था व कनेक्टिविटी सुचारू की गई है कि ताकि किसानों को अपनी उपज को मंडियों तक ले जाने में किसी प्रकार की परेशानी न आए। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह किसानों के संघर्ष और उनकी समस्याओं से भली–भांति परिचित हैं इसलिए वे निरंतर किसानों के कल्याण हेतु सरकार की योजनाओं का जमीनी स्तर पर क्रियान्वयन सुनिश्चित कर रहे हैं ताकि किसान कल्याणकारी योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ उठा सके।

पुलिस को चकमा देकर कैदी फरार वार्ड प्रभारी समेत पूरी गार्द निलंबित

कुरुक्षेत्र, 06 अगस्त (एजेंसियां)। एलएनजेपी अस्पताल के कैदी वार्ड से पॉक्सो एक्ट के मामले में 20 साल की सजा काट रहा एक कैदी पुलिस गार्द को चकमा देकर फरार हो गया। आरोपी हैप्पी निवासी गीता कॉलोनी रात करीब एक बजे पेशाब करने का बहाना बनाकर वार्ड से बाहर आया था। इस मामले में पुलिस अधीक्षक ने कैदी वार्ड के प्रभारी समेत पूरी गार्द को निलंबित कर दिया है। वहीं, मामले की जांच डीएसपी अशोक कुमार को सौंप दी है।

पुलिस के मुताबिक आरोपी कैदी हैप्पी को गत माह 10 जुलाई को जिला जेल से डायरिया का इलाज कराने के लिए एलएनजेपी के कैदी वार्ड में भर्ती कराया गया था। रविवार–सोमवार रात करीब एक बजे हैप्पी ने वार्ड में तैनात पुलिस गार्द को पेशाब करने के लिए कहा था। गार्द उसे अस्पताल में वार्ड के साथ ही बने शौचालय में ले गए। इसी दौरान गार्द थोड़ा इधर–उधर हुए आरोपी मौका देखकर अस्पताल से फरार हो गया। कुछ देर बाद हैप्पी शौचालय से बाहर नहीं आया तो गार्द ने शौचालय में जाकर उसे देखा, मगर हैप्पी शौचालय में नहीं था। यह देख पुलिस गार्द में हड़कंप मच गया। उन्होंने पूरे अस्पताल में उसकी तलाश की, मगर आरोपी को कोई अता–पता नहीं चल पाया। उधर, पुलिस उसकी तलाश में जुटी हुई है।

बांग्लादेश में सत्ता विरोधी आंदोलन के बाद घुसपैठ को लेकर बिहार पुलिस हाई अलर्ट

पटना (एजेंसियां)। पड़ोसी देश बांग्लादेश में सत्ता विरोधी आंदोलन के दौरान हुए हिंसा और आगजनी के बाद बिहार पुलिस ने राज्य के सीमावर्ती क्षेत्रों में सतर्कता बढ़ा दी है। बिहार में पुलिस अलर्ट हो गई है। इसको लेकर बिहार पुलिस मुख्यालय ने मंगलवार को आदेश जारी किया है। आदेश में कहा गया है कि बिहार के सीमावर्ती क्षेत्र की पुलिस सतर्क हो जाय। उन क्षेत्रों में पेट्रोलिंग बढ़ा दी जाय। किसी भी संदिग्ध व्यक्ति या वास्तु की जानकारी होने पर तत्काल इसकी सूचना पुलिस को दें। किसी तरह की घटना की सूचना स्थानीय थाना या संबंधित जिला के पुलिस अधीक्षक अथवा टोल फ्री नंबर 14432 या डायल 112 पर दे सकते हैं। और अंत में कहा गया है कि लोग किसी तरह के अफवाहों पर भरोसा न करें।

बिहार पुलिस मुख्यालय के आदेश के बाद सीमावर्ती क्षेत्रों में खासकर किशनगंज, पूर्णिया, कटिहार, भागलपुर और नेपाल के रास्ते बेतिया, मोतिहारी,सीतामढ़ी, मधुबनी, सहरसा और अररिया के सीमावर्ती क्षेत्रों में अलर्ट जारी करते हुए सीमा पर सघन जांच अभियान में जुट गई है। पश्चिम बंगाल से सटे बिहार के सीमावर्ती जिलों में पुलिस ने पेट्रोलिंग बढ़ा दी है।

बिहार के तीन जिले पश्चिम बंगाल से सटे हैं,जिसमें कटिहार, पूर्णिया और किशनगंज के जिले महत्वपूर्ण हैं जो सीमा पड़ोसी राज्य से सटे हुए हैं। हालांकि पश्चिम बंगाल के पूर्वी भाग के कई जिले और जल क्षेत्र बांग्लादेश से सटे हैं। पश्चिम बंगाल और बिहार के सीमा क्षेत्र से बांग्लादेश के नजदीक होने के कारण बिहार पुलिस को यह आशंका है कि हिंसा प्रभावित बांग्लादेश से बड़ी संख्या में लोग बिहार के रास्ते भारत में प्रवेश करने की कोशिश कर सकते हैं। इसी को देखते हुए बिहार पुलिस ने सीमांचल के इलाकों को लेकर खास सतर्कता बरतने का निर्देश दिया है। बांग्लादेश से सबसे ज्यादा करीब किशनगंज है। क्यों कि बिहार का कोई भी जिला डायरेक्ट बांग्लादेश से जुड़ा नहीं है किशनगंज को छोड़कर।

इसके अलावे कटिहार, पूर्णिया जिले हैं जो पश्चिम बंगाल से सटे हैं और बांग्लादेश से घुसपैठी पश्चिम बंगाल होकर इन जिलों में घुसपैठ कर सकते हैं। ट्रेन के माध्यम से घुसपैठी किशनगंज, कटिहार और पूर्णिया में घुसपैठ कर सकते हैं। एक दूसरा रास्ता जल का भी है यानी पश्चिम बंगाल से नाव के माध्यम से घुसपैठी भागलपुर के रास्ते भी बिहार में घुसपैठ कर सकते हैं।

नेपाल के रास्ते बेतिया, मोतिहारी, सीतामढ़ी, मधुबनी, सहरसा और अररिया के सीमावर्ती क्षेत्रों में भी अलर्ट जारी करते हुए बिहार पुलिस सघन जांच अभियान कर रही है। बिहार पुलिस के निर्देशानुसार इन क्षेत्रों में पुलिस पेट्रोलिंग बढ़ायी गई है।

धान की कागजी खरीद पर 56 लाख रुपये का गबन, सहकारिता विभाग ने पैक्स अध्यक्ष पर कराई प्राथमिकी

मुजफ्फरपुर (एजेंसियां)। मोतिहारी के छौड़ादानो प्रखंड क्षेत्र के कुदरकट पैक्स अध्यक्ष पर प्रखंड सहकारिता पदाधिकारी ने गबन की प्राथमिकी दर्ज कराई है। जिला सहकारिता पदाधिकारी के निर्देश पर छौड़ादानो के कुदरकट पैक्स अध्यक्ष के खिलाफ धान अधिप्राप्ति में अनियमितता बरतने को लेकर यह प्राथमिकी दर्ज हुई है। यह मामला बिहार राज्य खरीफ़ विपणन मौसम 2023-24 का है। जहां सरकार द्वारा किसानों के धान की खरीद में पैक्स अध्यक्ष ने सरकारी राशि का गबन किया है। धान अधिप्राप्ति में उक्त पैक्स अध्यक्ष द्वारा फ़र्जी आंकड़ा बताकर लगभग 56 लाख सरकारी रुपये का गबन कर लिया।

उक्त पैक्स अध्यक्ष के अभिलेख में 469.70 एमटी धान क्रय किया जा चुका है। उसका समतुल्य सीएमआर 319.4 एमटी बिहार राज्य खाद्य निगम मोतिहारी को आपूर्ति की जानी थी। लेकिन कुदरकट पैक्स द्वारा अभी तक मात्र 174 एमटी सीएमआर राज्य खाद्य निगम मोतिहारी को आपूर्ति की गई। 145.4 एमटी सीएमआर की आपूर्ति नहीं किए जाने पर सहकारिता विभाग की नजर इस तरफ़ गई।

जानकारी के मुताबिक, पिछले तीन माह से कुदरकट पैक्स अध्यक्ष को पत्राचार, दूरभाष और व्यक्तिगत संपर्क स्थापित कर सहकारिता प्रसार पदाधिकारी द्वारा सीएमआर आपूर्ति करने का निर्देश दिया गया। लेकिन पैक्स अध्यक्ष बहानेबाजी करते रहे। अनुमंडल पदाधिकारी रक्सौल की समीक्षात्मक बैठक में उपस्थित होने के लिए पैक्स अध्यक्ष को निर्देशित करने के बाद भी वह इन बैठकों में शामिल नहीं हुए। इस पर अनुमंडल पदाधिकारी रक्सौल द्वारा सहकारिता प्रसार पदाधिकारी छौड़ादानो को उक्त पैक्स की भौतिक जांच का निर्देश दिया गया।

सहकारिता प्रसार पदाधिकारी ने जब पैक्स गोदाम में जाकर देखा तो गोदाम खाली था। धान की मात्रा शून्य पाई गई। जबकि अध्यक्ष के खरीददारी अभिलेख के मुताबिक पैक्स गोदाम में 258.575 एमटी धान होना चाहिए था। जांच प्रतिवेदन में सहकारिता प्रसार पदाधिकारी ने पैक्स अध्यक्ष पर 258.575 एमटी धान के गबन का प्रतिवेदन दिया है, जिसकी कुल राशि लगभग 56 लाख 44 हजार छह सौ 92 रुपये है। उक्त पैक्स अध्यक्ष पर सरकारी राशि के गबन की प्राथमिकी छौड़ादानो थाना में दर्ज कराई गई है।

बिहार के 36 जिलों में बारिश का अलर्ट, कहां कैसा रहेगा मौसम

पटना (एजेंसियां)। बिहार के 38 में से 34 जिलों में आज मौसम बारिश वाला है। सीतामढ़ी, मुजफ्फरपुर, दरभंगा और समस्तीपुर के लिए पूर्वानुमान में बारिश नहीं बता रहे हैं, लेकिन संभव है कि आसपास के जिलों का असर यहां भी पहुंचे। सुबह 10 बजे तक का पूर्वानुमान यह बता रहा है कि 20 जिलों में खास बारिश का अलर्ट नहीं है, लेकिन दिन में यहां बारिश हो सकती है। यह जिले हैं- कैमूर, रोहतास, औरंगाबाद, बक्सर, भोजपुर, अरवल, जहानाबाद, नालंदा, नवादा, जमुई, लखीसराय, शेखपुरा, बेगूसराय, खगड़िया, मुंगेर, बांका, कटिहार, पूर्णिया, किशनगंज और अररिया। राज्य के बाकी 18 जिलों में सुबह से ही बारिश का अलर्ट है। मूसलाधार बारिश के आसार नहीं हैं, लेकिन वज्रपात में मौतों को देखते हुए बचकर रहने में ही भलाई है। बचना भी है और इस पूर्वानुमान को शेयर कर दूसरों को बचाना भी।

भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के रिकॉर्ड के मुताबिक बिहार में 24 घंटों के दरम्यान बारिश का माहौल रहा, लेकिन बरसात बहुत कम हुई। आधे से ज्यादा हिस्से में बारिश नहीं हुई। जहां हुई, उन जिलों में ज्यादातर जगह 0.1 से 15.5 एमएम बारिश हुई। कुछ ही जिले ऐसे रहे, जहां 15.5 64.4 एमएम बारिश हुई। इतनी बारिश को बहुत कम से लेकर कम-सामान्य बारिश तक माना जाता है।

बिहार में आज जहां 34 जिलों में बारिश की संभावना जताई गई है, वहीं कल बुधवार को पूर्वी चंपारण, पश्चिमी चंपारण, गोपालगंज, सीवान, सारण, भोजपुर, औरंगाबाद, जहानाबाद, बक्सर, रोहतास, कैमूर, गया, बेगूसराय, लखीसराय, पटना, शेखपुरा, नालंदा, नवादा आदि में बारिश के आसार हैं। इन जिलों में से औरंगाबाद, रोहतास और कैमूर में भारी बारिश का अलर्ट है। इन सभी जिलों में वज्रपात का खतरा रह सकता है, लेकिन तीन जिलों में इसकी आशंका ज्यादा है। गुरुवार से लेकर 10 जुलाई तक अभी पूर्वानुमान में बारिश का अलर्ट नहीं दिख रहा है। यह आगे बदल सकता है।

समस्तीपुर में पेड़ से लटका मिला युवक का शव

छह माह पहले हुए थी शादी, पत्नी से अच्छे नहीं थे रिश्ते

समस्तीपुर (एजेंसियां)। समस्तीपुर जिले के शिवाजी नगर थाना क्षेत्र के रहियार गांव में मंगलवार सुबह आम के पेड़ से एक युवक का शव लटकता हुआ मिला।

युवक की पहचान सीमावर्ती दरभंगा जिले के बिरौल थाना क्षेत्र के परशम्मा गांव निवासी स्वर्गीय जगदीश चौधरी पुत्र सन्नी चौधरी के रूप में की गई है। सन्नी पिछले 20 दिन से अपना ननिहाल में रह रहा था। घटना की सूचना पर पहुंची शिवाजी नगर थाना पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लिया और पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेजा।

युवक का मामा बलदेव सहनी ने बताया कि उनकी बहन और बहनोई दोनों की मौत हो चुकी है। उन्होंने छह महीने पहले अपने भांजे सन्नी चौधरी की शादी की थी। लेकिन, शादी के बाद से सन्नी और उसकी पत्नी के बीच अच्छे संबंध नहीं रहे। पत्नी उसके साथ जाना नहीं चाहती थी, जिस कारण सन्नी काफ़ी तनाव में रहता था।

करीब एक महीन पहले उसे समझा बूझाकर कमाने के लिए ओडिशा भेजा था। लेकिन, वह 15 दिनों के अंदर ही वापस लौट आया। नाग पंचमी के दिन वह ननिहाल आया था, उसने बताया कि मेला देखने के लिए आया है। तब से वह यहीं रहकर आइसक्रीम बेच रहा था और जहां-तहां सो जाता था। घर पर भी नहीं आ रहा था।

बलदेव सहनी ने बताया कि सुबह करीब 8:00 बजे उन्हें गांव के लोगों ने सूचना दी कि सन्नी का शव गांव के बगीचे में आम के पेड़ से लटक हुआ है। उसने तनाव में आकर आत्महत्या की है। पिछले कुछ दिन से वह नशा पान का भी सेवन करने लगा था।

बताया गया है कि ओडिशा से लौटने के बाद सन्नी करीब 5 दिन तक बिरौल में रहा, उसके बाद नाग पंचमी के दिन अपने ननिहाल सहियारा गांव पहुंचा था। पिछले सप्ताह से उसने आइसक्रीम का ठेला लगाना शुरू किया था। परिवार से बेहतर संबंध नहीं होने के कारण वह नशे का भी आदि हो गया था, वह हमेशा नशे की हालत में रहता था।

मृतक युवक के मामा बलदेव साहनी ने बताया कि कुछ दिन पहले भी सन्नी ने करंट लगाकर आत्महत्या करने की कोशिश की थी। हालांकि, उसे बचा लिया गया था। इसके बाद उसे समझा-बुझाकर कमाने के लिए ओडिशा भेजा। लेकिन, वापस आकर उसने आत्महत्या कर ली।

शिवाजी नगर थाना अध्यक्ष छोटेलाल सिंह ने बताया कि युवक ने आम के पेड़ से लटककर आत्महत्या कर ली।

अपराधियों ने पूर्व मुखिया को दौड़ा-दौड़ा कर गोलियों से किया छलनी

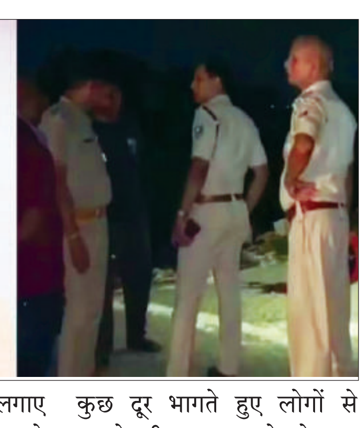

बेतिया (एजेंसियां)। बेतिया में बेखौफ़ अपराधियों ने मुखिया को गोलियों से छलनी कर दिया, जिससे घटनास्थल पर ही उनकी मौत हो गई। घटना बानुछापर थाना क्षेत्र के रेलवे गुमटी के पास की है। मृतक महना गनी पंचायत के पारस पकड़ी गांव निवासी पूर्व मुखिया जितेंद्र सिंह थे। अपराधियों ने उन्हें 19 गोलियां मारी हैं। हालांकि आननफ़ानन मे स्थानीय लोगों ने पूर्व मुखिया को इलाज के लिए जीएमसीएच बेतिया में भर्ती कराया, जहां पर डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।

घटना के संबंध में स्थानीय लोगों का कहना है कि जितेंद्र सिंह बेतिया से अपने घर बानूछापर जा रहे थे। उनका पुराना घर महना गनी पंचायत के पारस पकड़ी गांव मे है।हालांकि वे बानूछापर में भी अपना घर बनाए हुए हैं। तभी पहले से घात लगाए अपराधियों ने उनके बाइक को रेलवे गुमटी के पास रोक दिया और कनपटी पर हथियार तान दिया। जितेंद्र सिंह बाइक छोड़कर भागने लगे, लेकिन अपराधी उनके पीछे दौड़ गये। जीतेन्द्र सिंह भागते रहे और अपराधी उन पर पीछे से फ़ायरिंग करते रहे। इस तरह अपराधियों ने उन्हें रेलवे गुमटी के पास ही गोलियों से छलनी कर दिया। हालांकि मृतक कुछ दूर भागते हुए लोगों से बचाने की गुहार लगाते रहे। इस बीच रास्ते से गुजर रहे एक व्यक्ति ने उनको देखकर घटना की सूचना पुलिस को दी, लेकिन तबतक घटनास्थल पर ही उनकी मौत हो गई। अपराधियों ने मुखिया को उन्नीस गोली मारी है, जिससे इलाके में सनसनी फैली हुई है।

मृतक जितेंद्र सिंह पिछले दो बार महना गनी पंचायत के मुखिया रह चुके हैं। बेतिया बस स्टैंड में उनकी बस भी चलती है। वह ठेकेदारी भी करते थे। लगभग दो 2 वर्ष पहले टेंडर को लेकर उनके बेटे को भी अपराधियों ने चाकू गोदकर गंभीर रूप से घायल कर दिया था।

अब पुलिस मामले को लेकर जांच पड़ताल कर रही है। घटना की जानकारी मिलते ही बेतिया एसपी अमरकेश डी घटनास्थल पर पहुंचे। मौके पर सदर एसडीपीओ विवेक दीप, मुफ़स्सिल थानाध्यक्ष अभिराम सिंह, बानुछापर थाना प्रभारी संतोष कुमार, टेक्निकल सेल प्रभारी ज्वाला सिंह समेत कई थानों की पुलिस भी पहुंची। घटनास्थल पर फ़ॉरेंसिक टीम भी पहुंची है, जो मामले की जांच कर रही है। घटना के संबंध में सदर एसडीपीओ विवेक दीप ने बताया कि गोली लगने से महना गनी पंचायत के पूर्व मुखिया जितेंद्र सिंह की मौत हुई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। पुलिस हर एक बिंदु पर गहनता से जांच पड़ताल कर रही है।

सोमवार की रात अस्पताल में शव पहुँचने के बाद परिजनों और मृतक के रिश्तेदारों ने शव का पोस्टमार्टम कराने से मना कर दिया। उनका कहना था कि पहले अपराधियों की गिरफ्तारी हो फ़िर पोस्टमार्टम होगा। हालांकि एसडीपीओ विवेक दीप के समझाने के बाद परिजनों ने पोस्टमार्टम करवाया। वहीं अस्पताल परिसर में 2:00 बजे रात तक काफी संख्या में लोगों की भीड़ जुटी रही। परिजनों का कहना था कि इससे पहले जितेंद्र के बेटे पर भी चाकू से हमला हुआ था। अगर पुलिस कार्रवाई की होती तो आज यह दिन देखना नहीं पड़ता। घटना के बाद परिजनों में पुलिस प्रशासन के खिलाफ आक्रोश था।

पर्यटकों को बिहार में अब कम खर्च में रहने की सुविधा देगी नीतीश कुमार सरकार

पटना (एजेंसियां)। बिहार में पर्यटन के लिए आनेवाले पर्यटकों को गुणवत्तापूर्ण सुविधाएं प्राप्त हो इसके लिए पर्यटन विभाग लगातार नई पहल कर रहा है। पर्यटन प्रक्षेत्र को बढ़ावा देने हेतु बिहार पर्यटन नीति 2023 को लागू किया गया है। इस नीति के तहत आवासन के क्षेत्र में अधिक से अधिक निवेश को बढ़ावा दिया जा रहा है। इसी क्रम में ग्रामीण पर्यटन एवं ईको पर्यटन स्थल के समीप पर्यटकों को आवासन की सुविधा तथा उन्हें मंगलमय परिभ्रमण एवं सुखद अनुभव प्रदान करने हेतु होमस्टे/बेड एण्ड ब्रेक्फ़फस्ट प्रोत्साहन योजना 2024 की शुरूआत की जा रही है, जिसे आज राज्य कैबिनेट की स्वीकृति प्राप्त हुई है।

पर्यटन मंत्री श्री नीतीश मिश्रा ने बताया कि वर्तमान में पर्यटन के विभिन्न आयामों का विस्तार हो रहा है, जिसमें ग्रामीण पर्यटन एवं इको पर्यटन मुख्य रूप से आकर्षण का केन्द्र बन रहे हैं। पर्यटकों को पर्यटन स्थल के समीप आवासन, मंगलमय परिभ्रमण एवं सुखद अनुभव प्रदान करने हेतु इस योजना का क्रियान्वयन किया जाना है। इस योजना का मुख्य उद्देश्य देशी-विदेशी पर्यटकों को यात्रा के दौरान विश्राम हेतु आरामदायक एवं स्वच्छ बिहारी परिवेश का कमरे/बेड अपेक्षाकृत कम खर्च में उपलब्ध कराना है, जहाँ पर्यटकों को बिहार की संस्कृति, खान-पान एवं परम्पराओं से रू-ब-रू होने का अवसर मिल सके। इस योजना में ठहरने वाले पर्यटकों को 'अतिथि देवो भवः' की सार्थकता का अनुभव होगा साथ ही पर्यटन क्षेत्र में राज्यवासियों के लिए रोजगार सृजन का मार्ग प्रशस्त होगा जिससे पर्यटन उद्योग को बढ़ावा मिलेगा।

पर्यटन सचिव श्री अभय कुमार सिंह ने योजना की विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि इस योजना के प्रथम चरण (अगले 5 क्रमिक वित्तीय वर्षों में) में 1000 कमरों को होम स्टे में परिवर्तित किया जाना है। शहरी इलाके के पर्यटन स्थल से 5 किमी और ग्रामीण/इको पर्यटन स्थल से 10 किमी की परिधि में मकान मालिक/ प्रमोटर को वित्तीय लाभ प्रदान किया जाएगा। वित्तीय लाभ के तहत कमरे के उन्नयन हेतु बैंक से प्राप्त ऋण की राशि के ब्याज की प्रतिपूर्ति पर्यटन विभाग द्वारा की जायेगी। ऋण की राशि की अधिकतम सीमा 2.50 लाख रुपये प्रति कमरे तय की गयी है।

इसके साथ अन्य गैर वित्तीय लाभ के तहत इसका प्रचार-प्रसार विभागीय वेबसाईट एवं सोशल मीडिया के माध्यम से किया जायेगा। साथ ही इनके आरक्षण हेतु टूर ऑपरेटर एवं ट्रैवल एजेंट को प्रेरित किया जायेगा तथा मकान मालिक/प्रमोटर के संवर्द्धन हेतु कौशल विकास के अन्तर्गत प्रशिक्षण देना प्रस्तावित है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com